आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,बुधवार 5 अगस्त 2026 ■ श्रावण कृष्ण पक्ष-7 ■ वर्ष -42 ■ अंक-128 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 06 अगस्त 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

फैक्ट्री में दम घुटने से 3 मजदूरों की मौत

यादगीर,5 अगस्त। कर्नाटक की एक फैक्ट्री में बड़ा हादसा हो गया। यहां की फैक्ट्री में केमिकल लीक होने से 3 मजदूरों का दम घुट गया और उनकी मौत हो गई। मामला कदेचुर-बडियाल इंडस्ट्रियल एरिया का है। जानकारी के अनुसार मृतक तेलंगाना और मध्य प्रदेश के रहने वाले थे। उनकी पहचान तेलंगाना के महबूबनगर जिले के कटला गणेश और मध्य प्रदेश के कटनी जिले के विक्रम सिंह गोंडा और संजय सिंह गोंडा के तौर पर हुई है। इस घटना में दो लोग घायल भी हो गए। दोनों ही आंध्र प्रदेश के निवासी है। दोनों घायलों की की पहचान आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले के रहने वाले हैं। दोनों का अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है।

सरपंच के मकान से मिले लाखों के सागौन चिरान और गोले

बालोद,5 अगस्त। वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंगारी सरपंच के मकान में दबिश दी, जहां से लाखों रुपए कीमत के सागौन लकड़ी के चिरान और गोले जब्त किए हैं. पूरे मामले में अंगारी सरपंच के पति अश्विनी डड़सेना के खिलाफ वन विभाग द्वारा कार्रवाई की जा रही है.बालोद जिला वन विभाग और उड़न दस्ता की संयुक्त कार्रवाई में बालोद वन परिक्षेत्र स्थित अंगारी गांव के सरपंच के मकान से दो माजदा गाड़ी में भरकर कीमती सागौन के चिरान और गोले काष्ठागार ले जाया गया. बुधवार को सभी जब्त सागौन लकड़ियों की जानकारी स्पष्ट होगी. डीएफओ अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि सागौन के चिरान और गोले बड़ी मात्रा में बरामद हुए है, जिसकी गणना की जा रही है. इससे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसे कहां से लाया गया था, और कौन से मिल से चिरान कराया गया था. घर में भी कुछ फर्नीचर बनाए गए हैं. उस पर भी विधिवत कार्रवाई की जाएगी.

बंद कमरे में मिला40 वर्षीय युवक का खून से लथपथ शव

कोंडागांव ,5 अगस्त। कोंडागांव जिले के नगर पंचायत फरसगाँव के वार्ड क्रमांक 4 चार अगस्त मंगलवार शाम को एक युवक का शव उसके ही कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान विजय सेठिया उर्फ ललित (40 वर्ष), पिता दीनबन्धु सेठिया के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक विजय सोमवार रात से अपने कमरे में था। मंगलवार सुबह घर के अन्य सदस्य अपने-अपने कार्य पर निकल गए।

शाम करीब 6 बजे जब परिजन लौटे, तब भी कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक आवाज लगाने और दरवाजा खटखटाने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

वंदे मातरम् गा लोगे तो आसमान नहीं टूट जाएगा

कोलकाता,5 अगस्त। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के सभी 6 स्टैंजा को मदरसों में अनिवार्य किए जाने के खिलाफ दायर एक याचिका पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी है। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की आपत्तियों को खारिज करते हुए साफ कहा कि अगर वंदे मातरम के पूरे 6 छंद गाए ही लिए जाए तो इससे कोई आसमान नहीं गिर जाएगा। याचिका में बंगाल सरकार के मदरसों में वंदे मातरम को अनिवार्य करने वाले आदेश को चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश तपब्रत चक्रवर्ती और जस्टिस पार्थ सारथी सेन की पीठ ने सुनवाई के दौरान यह भी कहा कि देश के हजारों क्रिश्चन स्कूलों में गॉड की प्रार्थना कराई जाती है। अगर वहां सवाल नहीं उठाए जाते, फिर वंदे मातरम गाने में क्या दिक्कत है। वहीं जब याचिकाकर्ता के वकील ने धार्मिक मान्यताओं और बच्चों पर दबाव का हवाला दिया, तो हाईकोर्ट ने इस पर ऐतराज जताया। पीठ ने कहा, "कोई आसमान नहीं टूट पड़ेगा। आज अगर मुझसे कोई ऐसी पंक्ति बोलने को कहा जाए जो मेरे धर्म में नहीं है, तो क्या होगा? क्या मैं दूसरे धर्म का इंसान बन जाऊंगा?"

कोर्ट ने उदाहरण देते हुए कहा, "देश भर में हजारों ऐसे स्कूल हैं, जहां सभी समुदायों के बच्चों से

मदरसों की याचिका हाईकोर्ट ने की खारिज

ईशा मसीह की प्रार्थना कराई जाती है। क्या वहां किसी खास समुदाय के छात्र यह सवाल उठाते हैं कि उनसे ईसाई प्रार्थना क्यों करवाई जा रही है?"

याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ने कोर्ट में तर्क दिया कि वंदे मातरम देश का राष्ट्रीय गीत जरूर है, लेकिन इसे मदरसों के बच्चों पर जबरन लागू नहीं किया जा सकता। वकील ने कहा कि अगर कोई स्वेच्छा से इसे गाता है तो कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन इसे अनिवार्य करने से सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता है। इस पर अदालत ने याचिकाकर्ताओं से पूछा कि क्या इस आदेश को न मानने पर अब तक किसी मदरसा या छात्र के खिलाफ कोई कार्रवाई हुई है। वकील ने माना कि अभी तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं हुई है।

इस दौरान राज्य सरकार ने कोर्ट से इस मामले में अपना पक्ष और रिपोर्ट दाखिल करने के लिए मोहलत मांगी। इसके बाद हाईकोर्ट ने याचिका पर तुरंत अंतरिम रोक लगाने से इनकार करते हुए राज्य सरकार को रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है और मामले की सुनवाई स्थगित कर दी। बता दें कि इससे पहले बीते महीने 'राष्ट्र गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026' संसद से पारित हो गई है। इस बिल के तहत राष्ट्रगीत वंदे मातरम के गायन के दौरान किसी भी तरह की खलल देने या उसके अपमान को अपराध मानते हुए तीन साल तक की सजा का प्रावधान किया गया है।

बिना ट्रांजिट रिमांड दूसरे राज्य से आरोपी को नहीं ला सकती पुलिस

हाईकोर्ट ने हिरासत को बताया गैरकानूनी

बिलासपुर,5 अगस्त। हाईकोर्ट ने कहा है कि पुलिस किसी व्यक्ति को दूसरे राज्य से पकड़कर बिना ट्रांजिट रिमांड के नहीं ला सकती। साइबर ठगी के आरोपी की हिरासत को हाईकोर्ट ने गैरकानूनी और संविधान के खिलाफ माना है। साइबर ठगी के एक मामले में व्यक्तिगत स्वतंत्रता और गिरफ्तारी की प्रक्रिया को लेकर चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा, न्यायमूर्ति रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने उक्त फैसला दिया। कोर्ट ने इस आधार पर साइबर ठगी के आरोपी जितेश आनंद उर्फ जीतू की याचिका स्वीकार कर ली। कोर्ट ने याचिकाकर्ता की 28 जून से 30 जून 2026 तक की हिरासत को गैरकानूनी और संविधान के खिलाफ पाकर अंबिकापुर के न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी के 30 जून और तीन जुलाई 2026 के रिमांड आदेश भी निरस्त कर दिए। आरोपी जितेश को पांच लाख रुपये के निजी मुचलके और समान राशि की दो जमानतों पर रिहा करने का निर्देश दिया गया है।मामला साइबर थाना, सरगुजा रेंज में दर्ज अपराध से जुड़ा है। आरोपी के खिलाफ शेयर बाजार में अधिक पैसा दिलाने का झांसा देकर 21 लाख 15 हजार रुपये की ठगी की शिकायत की गई थी।

500 करोड़ के एआई मिशन को कैबिनेट की मंजूरी

रायपुर,5 अगस्त। मंत्रिपरिषद ने 'छत्तीसगढ़ राज्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) मिशन' को मंजूरी दी है। इस मिशन का उद्देश्य राज्य में सुशासन, नई तकनीक, कौशल विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। यह मिशन 5 वर्षों के लिए होगा, जिस पर 500 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

इस मिशन के तहत - 100 एआईडेटा लैब बनाई जाएंगी, 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे, 300 से अधिक एआई स्टार्टअप्स को सहायता दी जाएगी, 6 लाख विद्यार्थियों और 1.5 लाख सरकारी कर्मचारियों को एआई का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शासन के कार्यों को आसान और तेज़ बनाने के लिए 50 से अधिक एआई आधारित सेवाएं विकसित की जाएंगी।

यह मिशन भारत सरकार के इंडियन एआई मिशन के अनुरूप छत्तीसगढ़ को उत्तरदायी, नवाचार-आधारित और भविष्य उन्मुख डिजिटल राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मंत्रिपरिषद् ने छत्तीसगढ़ में हैवी अर्थ मूविंग इक्वीपमेंट मैन्युफैक्चरिंग संयंत्र की स्थापना के लिए भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड को रियायती दर पर भूमि आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। बीईएमएल भारत सरकार का एक प्रतिष्ठित मिनीरत्न सार्वजनिक उपक्रम है।

मंत्रिपरिषद के इस महत्वपूर्ण निर्णय से राज्य में बड़े निवेश को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा। राज्य में संयंत्र की स्थापना से औद्योगिक विकास को गति मिलेगी, स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और छत्तीसगढ़ विनिर्माण

(मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभरेगा। मंत्रिपरिषद् ने लोक निर्माण विभाग में निर्माण कार्यों के डिजिटल प्रबंधन के लिए वर्क्स एण्ड अकाउंट मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम लागू करने के प्रथम चरण को मंजूरी दी है। मंत्रिपरिषद की बैठक में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं विकास योजना अंतर्गत बारहमासी सड़कों के निर्माण हेतु जारी दिशा-निर्देशों में संशोधन को मंजूरी प्रदान की गई। मंत्रिपरिषद् ने राज्य योजनाओं के लिए State Single Nodal Agency (S-SNA) मॉडल लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य सरकारी योजनाओं की राशि का अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना है। अब योजनाओं की राशि विभिन्न बैंक खातों में लंबे समय तक निष्क्रिय नहीं रहेगी, बल्कि एक केंद्रीकृत मदर अकाउंट के माध्यम से आवश्यकता होने पर ही सीधे हितग्राहियों या वेंडरों को भुगतान किया जाएगा। यह मॉडल भारत सरकार द्वारा केंद्र प्रायोजित योजनाओं में लागू SNA प्रणाली की तर्ज पर राज्य की योजनाओं में भी लागू किया जाएगा, जिससे शासन व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को और मजबूती मिलेगी।

मंत्रिपरिषद् ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड (CSPGCL) को आमजन एवं संस्थागत निवेशकों की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से 200 करोड़ रूपए तक के नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (NCD)/बॉन्ड जारी कर स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध (लिस्टिंग) किए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस निर्णय से कंपनी के लिए वित्तीय संसाधन जुटाने के नए विकल्प उपलब्ध होंगे, ऊर्जा क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा तथा राज्य के विद्युत अवसंरचना विकास को और गति मिलेगी। इसके लिए राज्य शासन द्वारा मूलधन एवं ब्याज के भुगतान पर प्रत्याभूति शुल्क में छूट सहित गारंटी प्रदान की जाएगी।

पुरुषों का क्लब बनकर रह गई है बार काउंसिल

नई दिल्ली,5 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बार काउंसिल धीरे-धीरे 'पुरुषों के क्लब' में बदल गई हैं और कहा कि उनके कार्यों पर एकाधिकार को समाप्त किया जाना चाहिए। साथ ही क्षेत्राधिकार के हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों को हर राज्य बार काउंसिल में दो सह-चयनित महिला सदस्यों की नियुक्ति करने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायाधीशों जायमाल्या बागची और वी.मोहन की एक बेंच ने बार काउंसिल आफ इंडिया (बीसीआई) और राज्य बार काउंसिलों के चुनावों से संबंधित याचिकाओं के एक समूह की सुनवाई के दौरान यह अवलोकन किया।मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान कहा, 'बार काउंसिल पुरुषों के क्लब बन गए हैं। हम यह देख सकते हैं कि लोग इसे एकाधिकार की तरह लेते हैं। इसे पूरी तरह से समाप्त किया जाना चाहिए।'कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि क्षेत्राधिकार के हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश हर राज्य बार काउंसिल में दो सह-चयनित

महिला वकीलों की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश

महिला सदस्यों की नियुक्ति करेंगे-एक पूर्व हाई कोर्ट न्यायाधीश और दूसरी एक वरिष्ठ महिला अधिवक्ता, जो बार में अच्छी स्थिति में हो। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सह-चयनित सदस्य ऐसे व्यक्ति होने चाहिए जिनका चुनाव प्रक्रिया से कोई संबंध नहीं हो, ताकि वे स्वतंत्र और तटस्थ सदस्यों के रूप में कार्य कर सकें। कोर्ट ने अवलोकन किया, "जहां तक सह-चयन का सवाल है। हमने हमेशा 10% का ध्यान रखा है। सह-चयन उन लोगों का होना चाहिए जिनका चुनाव से कोई संबंध नहीं है।" कोर्ट ने स्पष्ट किया कि राज्य बार काउंसिल चुनाव में असफल महिला उम्मीदवार को सह-चयन के लिए विचार करने से अयोग्य नहीं माना जाएगा।

महिलाओं के उम्मीदवारों के लिए स्थानांतरित मतों के निर्धारण के मुद्दे पर कोर्ट ने मामले को सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस सुधांशु धूलिया की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय पर्यवेक्षी समिति को सौंप दिया। समिति को बार के सदस्यों से सुझाव आमंत्रित करने और उन्हें मौखिक सुनवाई का अवसर देने के बाद कार्यप्रणाली पर पुनर्विचार करने के लिए कहा गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने बार काउंसिल आफ इंडिया व देशभर की राज्य बार काउंसिलों के चुनावों की निगरानी के लिए उच्चस्तरीय पर्यवेक्षी समिति बनाई थी। मामला राज्य बार काउंसिलों में महिलाओं के लिए आरक्षण ढांचे के कार्यान्वयन से संबंधित है।

धारा -370 हटने से जम्मू-कश्मीर का हुआ चौतरफा विकास: पीएम मोदी

श्रीनगर,5 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि सात साल पहले अनुच्छेद 370 और 35A को हटाने से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लिए एक निर्णायक नया अध्याय शुरू हुआ। 5 अगस्त, 2019 को हुए संवैधानिक बदलावों के बाद से इन क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, उद्यमिता और सामाजिक सशक्तिकरण के मामले में काफी प्रगति हुई है। अगस्त 2019 में, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द कर दिया, जिससे जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म हो गया और राज्य को दो केंद्र-शासित प्रदेशों—जम्मू-कश्मीर और लद्दाख—में बांट दिया गया। X पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि सात साल पहले, इसी दिन अनुच्छेद 370 और 35(A) इतिहास बन गए थे, जिससे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की यात्रा में एक निर्णायक नया अध्याय शुरू हुआ। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत के संविधान के ज़रिए महिलाओं और हाशिए पर रहने वाले समुदायों को सशक्त बनाया गया, जिन्हें दशकों तक उनके अधिकारों से वंचित रखा गया था। उन्होंने कहा कि तब से, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव आए हैं। बुनियादी ढाँचे का विस्तार हुआ है और शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, उद्यमिता और खेल जैसे क्षेत्रों में अवसर बढ़े हैं। चाहे महिलाएँ हों या हाशिए पर रहने वाले समुदाय, जिन्हें दशकों तक उनके बुनियादी संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया था, वे भारत के संविधान के पूरी तरह से लागू होने की वजह से सशक्त हुए हैं।

हाईकोर्ट ने स्टंटबाजी पर दिखाई सख्ती

बिलासपुर एसएसपी को व्यक्तिगत शपथपत्र दाखिल करने निर्देश

बिलासपुर,5 अगस्त। वाहनों में स्टंटबाजी को लेकर हाईकोर्ट के सख्त निर्देशों के बावजूद चलती कारों की सनरूफ में स्टंट करने और रील बनाने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। कोर्ट ने नेशनल हाईवे पर चलती कार की सनरूफ से बाहर निकलकर युवतियों के स्टंटबाजी का वीडियो वायरल होने के बाद इसे लेकर सख्ती दिखाई है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने एसएसपी रजनेश सिंह को व्यक्तिगत शपथपत्र दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कोर्ट ने पूछा है कि मामले में अब तक क्या कार्रवाई की गई है। भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। दरअसल, कोनी रोड में एक कार के सनरूफ खोलकर युवकों के स्टंट करने का वीडियो वायरल हुआ है। इस मामले को हाईकोर्ट ने संज्ञान में लेते हुए पुलिस अधिकारियों

को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से कोर्ट को बताया गया कि पुलिस कानून के अनुसार लगातार कार्रवाई कर रही है।यह भी बताया गया कि 4 अगस्त को सामने आए मामले में एसएसपी ने एक्शन लेते हुए संबंधित कार और उसमें शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। कार चालक और वाहन में सवार युवतियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। हाईकोर्ट ने केवल कार्रवाई के दावे से संतुष्ट होने के बजाय एसएसपी को व्यक्तिगत हलफनामा पेश करने का निर्देश दिया है।

बृजमोहन -अमित कटारिया विवाद

अधिकारी सम्मान से करें बात, हिसाब से करें रिस्पांस: साव

रायपुर,5 अगस्त। सांसद बृजमोहन अग्रवाल और आईएएस अमित कटारिया के बीच हुआ विवाद तुल पकड़ चुका है. मामले में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सांसद का पक्ष लेते हुए कहा कि लोकतंत्र में निर्वाचित जनप्रतिनिधि का अपना एक महत्व है. प्रशासनिक अधिकारी सम्मान से जनप्रतिनिधि से बात करें. बातों को सुने, उस हिसाब से रिस्पांस करें. ये उनका दायित्व है. ये आवश्यक है, और ये करना चाहिए. उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 3 साल से जमे कर्मचारियों के तबादले पर सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश पर मीडिया से चर्चा में कहा कि सामान्य प्रशासन विभाग के पहले से ही निर्देश हैं. जहां स्पेसिफिक कंप्लेन आएगी, वहां निश्चित ही संज्ञान लिखा जाएगा. इस पर कांग्रेस के बयान पर

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जिस कांग्रेस में तबादला उद्योग चला हैं. वो ऐसे बातें ना करे तो अच्छा है. प्रशासनिक आवश्यकता के आधार पर समय-समय पर ट्रांसफर होते हैं. प्रशासनिक कसावट और काम में गति के लिए ये जरूरी है.

40 निकायों के लिए राशि जारी होने के बाद भी काम नहीं होने के सवाल पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार तेज गति से विकास कार्य हो, काम में विलंब ना हो, ये सुनिश्चित करने का काम कर रही है. जहां देरी हो रही, उसके कारण क्या हैं? कहां दिक्कत आ रही? इसकी समीक्षा चल रही हैं. विभाग आवश्यक कार्रवाई कर रहे हैं. पंजाब में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ लगे गो बैक के नारों पर अरुण साव ने कहा कि बघेल जी पंजाब गए, वहाँ भी लड़ाई हो रही है. यहां भी कांग्रेसी आपस में लड़ ही रहे हैं. ये लड़ने में ही मशरूफ हैं.

रायपुर,5 अगस्त। जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई के बैनर तले आज भिलाई नगर के लोगों ने बीएसपी को बचाने की मांग को लेकर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने राजधानी आये थे। उन्हें अनुपम उद्यान के पास पुलिस ने रोक दिया।ये लोग नेशनल लैंड मोनिटाइजेशन कार्पोरेशन की स्थापना का विरोध कर रहे हैं।

युवाओं को शांत करने की जरूरत है: सुको

नई दिल्ली,5 अगस्त। दिल्ली में 20 जुलाई को हुए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) विरोध प्रदर्शन के आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट सहमत हो गया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि भले ही कुछ गुमराह लोगों ने पत्थरबाजी की हो लेकिन युवाओं को शांत करने की जरूरत है। कोर्ट ने यह भी कहा कि सरकार का कोई भी आक्रामक रवैया स्थिति को और खराब कर सकता है और हिंसा को और बढ़ा सकता है। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में एक याचिकाकर्ता ने चेतावनी दी कि कल जेनरेशन अल्फा, बीटा और डेल्टा आएंगे। उन्होंने जेन जी छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ आपराधिक मामले वापस लेने के किसी भी राजनीतिक फैसले का विरोध करते हुए कहा कि ऐसा करने से भविष्य के आंदोलनों के लिए एक खतरनाक मिसाल कायम होगी। इस याचिका में केंद्र सरकार और राज्यों को हालिया छात्र प्रदर्शनों से जुड़े दंगे के मामलों को केवल किसी राजनीतिक समझौते के आधार पर वापस लेने से रोकने के लिए निर्देश देने की मांग की गई है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने इस मामले को छात्रों के विरोध-प्रदर्शन से जुड़े दूसरे मामलों के साथ जोड़ा।

रेलवे स्टेशन में 500 किलो संदिग्ध पनीर जब्त

जांच के लिए भेजा गया सैंपल

रायपुर,5 अगस्त। राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन स्थित पार्सल परिसर में बुधवार को करीब 500 किलो संदिग्ध पनीर जब्त किया गया। पनीर की गुणवत्ता और उसकी शुद्धता को लेकर संदेह होने पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन (फूड विभाग) की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, जब्त किए गए पनीर को रेलवे पार्सल परिसर में रखा गया है। पनीर के सैंपल लेकर उन्हें जांच के लिए भेजा गया। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि पनीर असली है या नकली तथा मानव उपभोग के लिए सुरक्षित है या नहीं। बताया जा रहा कि अमरकंटक एक्सप्रेस से यह संदिग्ध पनीर आया है। पनीर का मालिक कौन है इसकी जानकारी अभी नहीं मिली है। फिलहाल खाद्य विभाग के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। यदि जांच में पनीर खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं पाया जाता है तो संबंधित लोगों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पूरे मामले का खुलासा होगा।

भारतीय जनता पार्टी कार्यालय रायपुर में

स्वास्थ्य मंत्री से मिले निर्मल जैन और रानीतराई अंचल की समस्याएं बताई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई,5 अगस्त। रानीतराई अंचल के वरिष्ठ भाजपा नेता व भाजपा मण्डल जामगांव आर महामंत्री निर्मल जैन मंगलवार को भाजपा कार्यालय रायपुर में छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल जी से मुलाकात कर रानीतराई अंचल की समस्याओं से अवगत कराते हुए आंचलवासियो को जनसुविधा प्रदान करने की निवेदन किए है । भाजपा महामंत्री निर्मल जैन ने बताया कि कैबिनेट मंत्री जायसवाल जी को रानी तराई प्राथमिक स्वास्थ केंद्र में सुरक्षा के लिए परिसर का बाउंड्रीवाल की मांग रखा गया साथ ही ,प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र रानीतराई में रिक्त पदों वार्ड ब्वॉय 1,वार्ड आया 01,स्विपर 01 पद सहित उप स्वस्थ्य केंद्र करेला, असोगा ,बोरिद स्वास्थ कार्यकर्ता महिला व पुरुष के रिक्त पदों को भरने की मांग रखी गई साथ ही रानीतराई प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र में पदस्थ लेब टेक्नीशियन श्वेता भारद्वाज अन्य जगह पदस्थ किया गया है उसे तुरंत मूल पदस्थ स्थान रानीतराई प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र में पदस्थ करने की मांग रखी गई है जिस पर मंत्री जी ने शीघ्र कार्रवाई की बात की है।

स्वास्थ मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल जी से मुलाकात अवसर पर भाजपा मण्डल जामगांव आर महामंत्री निर्मल जैन सहित वरिष्ठ भाजपा नेता व शासकीय महाविद्यालय जामगांव आर अध्यक्ष नरेश केला ,मण्डल महामंत्री पूर्णेन्द्र सिन्हा ,संतोष साहू भी शामिल रहे ।

हनुमान मंदिर में भूमिपूजन दिवस एवं जयंती पर सांस्कृतिक आयोजन

भिलाई, 5 अगस्त। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर भूमि पूजन दिवस एवं रामभक्त स्वर्गीय बी. चिन्ना राव की जयंती के अवसर पर बुधवार 5 अगस्त को हनुमान मंदिर प्रांगण, कैम्प-1 शांतिपारा तट्टपट्टी कॉलोनी में धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। आयोजन समिति के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत शाम 7 बजे दिव्य ज्योति प्रज्ज्वलन से होगी। इसके बाद महाआरती, ढोल-नगाड़ों के साथ भक्तिमय प्रस्तुतियां तथा मनमोहक आतिशबाजी का आयोजन किया जाएगा। महाआरती के उपरांत सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण भी किया जाएगा। समिति ने बताया कि स्वर्गीय बी. चिन्ना राव का हनुमान मंदिर के निर्माण एवं विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनकी जयंती पर प्रतिवर्ष धार्मिक आयोजन कर उनके मंदिर एवं समाज सेवा के योगदान को श्रद्धा पूर्वक स्मरण किया जाता है। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों से परिवार सहित कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

भिलाई, 5 अगस्त। प्राकृतिक छटा के बीच मां के साथ सीढ़ियों पर अठखेलियां करता लंगूर का शावक, कैमरे में कैद हुआ मनमोहक दृश्य।

भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ की बैठक कई विषयों पर चर्चा

भिलाई, 5 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ जिला भिलाई की परिचयात्मक बैठक जिला संयोजक डॉ. सतिंदर सिंह छाबड़ा के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक में संगठन के विस्तार, स्वास्थ्य जागरूकता और जनसेवा से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, जिला महामंत्री मनीष अग्रवाल, श्रीमती सुषमा जेठानी, जिला कार्यालय प्रभारी योगेंद्र सिंह, भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. प्रदीप चौधरी तथा रायपुर संभाग प्रभारी डॉ. अनुज खरे सहित जिले के वरिष्ठ चिकित्सक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने अपने संबोधन में कहा कि चिकित्सा प्रकोष्ठ समाज सेवा का सशक्त माध्यम है। उन्होंने चिकित्सकों से संगठन को मजबूत बनाने और जनकल्याणकारी स्वास्थ्य सेवाओं में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

दुर्ग,5 अगस्त । स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को आयोजित होने वाले मुख्य समारोह एवं परेड की तैयारियों को लेकर कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री विजय अग्रवाल ने जिला मुख्यालय स्थित छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल प्रथम बटालियन ग्राउंड का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, मंच एवं बैठक व्यवस्था, परेड रिहर्सल, साफ-सफाई, प्रवेश एवं निकास मार्ग, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अग्रवाल ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी तैयारियां पूर्ण करने तथा आपसी समन्वय के साथ आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एक नजर

धोखाधड़ी मामले में मामला दर्ज

भिलाई, 5 अगस्त (तछसं.)। भिलाई उतई थाना क्षेत्र लगभग 4 करोड़ 50 लाख रुपए की जमीन के सौदे में कथित धोखाधड़ी के मामले में कांग्रेस नेत्री और भिलाई नगर निगम की एमआईसी सदस्य रीता सिंह, उनके पति रमेश चंद्र सिंह और बेटे मानवचंद सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है यह कार्रवाई पाटन स्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) की अदालत के आदेश पर उतई थाने पुलिस ने की है उतई पुलिस ने बताया कि रायपुर निवासी बीपी सिंह की शिकायत की है उन्होंने कोर्ट में निजी परिवाद दायर किया था सुनवाई के बाद अदालत ने धोखाधड़ी का मामला बनता हुआ मानते हुए तीनों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। साथ ही उतई पुलिस को 15 दिनों के भीतर एफआईआर और अब तक की गई कार्रवाई की रिपोर्ट अदालत में पेश करने का आदेश दिया है। शिकायतकर्ता के अनुसार वर्ष 2024 में छांटा स्थित गिट्टी खदान और उससे लगी 25 एकड़ जमीन का सौदा 4 करोड़ 50 लाख रुपए में तय हुआ था इस सौदे में एक चैन मशीन और दो हाइवा वाहन भी शामिल थे। कुल 25 एकड़ में से 13 एकड़ जमीन आरोपियों के नाम थी। वहीं 7 एकड़ दान की जमीन और 5 एकड़ सरकारी लीज की जमीन को भी सौदे का हिस्सा बताया गया था शिकायतकर्ता का आरोप है कि उन्होंने सौदे के लिए कुल 4 करोड़ 39 लाख रुपए चेक के माध्यम से दिए। इसमें 2 करोड़ 90 लाख रुपए मानवचंद सिंह के खाते में, 1 करोड़ रुपए रीता सिंह के खाते में और शेष राशि रमेश चंद्र सिंह के खाते में जमा कराई गई। आरोप है कि पूरी रकम देने के बावजूद केवल 7 एकड़ जमीन की रजिस्ट्री कराई गई। बाकी जमीन का न तो नामांतरण कराया गया और न ही सौदे की अन्य शर्तें पूरी की गईं। उनके मुताबिक, जिन लोगों ने जमीन बेचने का दावा किया, वे वास्तविक जमीन मालिक नहीं थे आरोप है कि रीता सिंह, रमेश चंद्र सिंह और मानवचंद सिंह ने मिलकर फर्जी इकरारनामा और अन्य दस्तावेज तैयार किए इस में असली जमीन मालिकों की जगह दूसरे लोगों के हस्ताक्षर कराए गए और गलत जानकारी के आधार पर करोड़ों रुपए का सौदा किया गया

फरार आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

भिलाई, 5 अगस्त (तछसं.)। भिलाई सात माह से हत्या का प्रयास के एक मामले में फरार चल रहे आरोपी को स्मृति नगर चौकी पुलिस ने गिरफ्तार किया है स्मृति नगर चौकी प्रभारी अमित आनंद ने बताया कि साकेत नगर कोहका निवासी ऋतिक प्रसाद गुप्ता की शिकायत पर वह अपने मित्र के पीजी से पढ़ाई कर वापस लौट रहा था तभी रंजिश को लेकर सोनू यादव, अमन साव, ऋषभ तिवारी, प्रियांशु वासुराज उर्फ वासु कुमार ने उसके साथ अश्लील गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी हाथ-मुक्के, डंडे एवं हाथ में पहने कड़े से प्राणघातक हमला कर चोट पहुंचाई गई आरोपी वंति बाई चौक कोहका निवासी प्रियांशु वासुराज उर्फ वासु कुमार को हिरासत में लिया गया पूछताछ करने पर आरोपी ने घटनाव को अंजाम देना स्वीकार किया आरोपी को पुलिस ने न्यायालय में पेश कर उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

श्रीरामकृष्ण पब्लिक स्कूल में मनाया गया हरित दिवस

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा,5 अगस्त। स्वार्थ की काल्पनिकता से परमार्थ की वास्तविकता से परिचित कराने अनेक कार्यक्रमों का क्रियान्वयन विद्यालयों में किया जाता है, क्योंकि वर्तमान के विद्यार्थी ही भविष्य का नागरिक बनते हैं। इस हेतु विद्यार्थियों के मानस पटल पर प्रकृति की सुरक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति सजगता एवं जागरूकता व्याप्त करने के उद्येश्य से कवर्धा शहर के ख्यातिलब्ध विद्यालय श्री रामकृष्ण पब्लिक स्कूल कवर्धा में हरित दिवस के सुअवसर पर नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर समूचे विद्यालय परिसर में हरित वर्ण की बहुलता दिखी। वहीं विद्यालय के नन्हें - मुन्हें बच्चों के मध्य फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता ग्रीन डे की थीम पर की गई। कार्यक्रम का आरंभ कक्षा 6वीं से 8वीं वर्ग के चारों सदनों संस्कार, रीति, परंपरा, संस्कृति के विद्यार्थियों द्वारा बेहद आकर्षक एवं प्रकृति की सुरक्षा के प्रति सजगता से ओतप्रोत नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। मंचन करने वाले सभी विद्यार्थी आकर्षक वेशभूषा में दृष्टव्य हुए। तदुपरांत कक्षा 9वीं से 12वीं वर्ग के चारों सदनों के विद्यार्थियों के क्रमशः नाटक की प्रस्तुती दी। विद्यार्थियों की प्रस्तुती उन गैर जिम्मेदार नागरिकों को भावनाओं को आहत करने वाली थी जिन्होंने प्रकृति के प्रति न ही अपनी सजगता दिखाई और लगातार पर्यावरण को प्रदूषित करते रहे। उन विद्यार्थियों द्वारा ऐसे भावपूर्ण नाटक को प्रस्तुति ऐसे लोगों के ह्रदय को विदारित करती है जिनका ह्रदय प्रकृति के प्रति संवेदनशून्य हो चुका है। अंततः मर्मस्पर्शी प्रस्तुतियों के उपरांत निर्णय की घड़ी आई। इस प्रतियोगिता में कक्षा 3रीं से 5वीं वर्ग में प्रथम स्थान पर परम्परा सदन (अनय एवं साथी), द्वितीय स्थान पर संस्कृति सदन (दक्षिका एवं साथी), तृतीय स्थान पर संस्कार सदन (निधि एवं साथी) रहें। कक्षा 6वीं से 8वीं वर्ग के विद्यार्थियों में रीति सदन (लक्ष्य एवं साथी) विजयी रही तथा उपविजेता परम्परा सदन (जैसल एवं साथी) रहीं एवं तृतीय स्थान पर संस्कार सदन (काव्या एवं साथी) रहें। वहीं दूसरी ओर 9वीं से 12वीं वर्ग के विद्यार्थियों में प्रथम स्थान पर परम्परा सदन (अंकुश एवं साथी), द्वितीय स्थान पर संस्कृति सदन (मानसी एवं साथी) तथा तृतीय स्थान पर संस्कार सदन (तन्मय एवं साथी) रहें। वहीं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में कक्षा नर्सरी में मूल्या केशरवानी ने प्रथम, प्रश्वी जायसवाल ने द्वितीय व भार्गवी मानिकपुरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं एलकेजी में द्रव्य चन्द्रवंशी, ने प्रथम, रूद्र ने द्वितीय, परिधि तिवारी व आदित्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं यूकेजी में अश्विका तिवारी, शिवांजली राजपूत व अर्णिका चन्द्रवंशी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 1लीं में वैभवी मिश्रा, जसमन सिंह व अवनिश सोनकर ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान तथा कक्षा 2रीं में समृद्धि शर्मा व पूर्वी जायसवाल ने प्रथम, अतिफा फातिमा ने द्वितीय व अकांक्षा तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती एम. शारदा ने समस्त विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए अपने वक्तव्य में उन्होंने नाटक को सामाजिक जागरूकता का सशक्त माध्यम बताया तथा सभी अभिनय कर्तायों की प्रस्तुती को सराहा। अंत में वृक्षारोपण कर प्रकृति की सेवा व सुरक्षा का संकल्प लिया गया।

कोक ओवन विभाग में सुरक्षा सजगता पुरस्कार से संविदा कर्मी सम्मानित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 5 अगस्त। भिलाई इस्पात संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग ने कार्यस्थल सुरक्षा एवं उत्कृष्ट हाउसकीपिंग में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 36 संविदा कर्मियों को मंगलवार को आयोजित सुरक्षा सजगता पुरस्कार समारोह में सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक तुलाराम बेहरा ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर विभागीय सुरक्षा अधिकारी एवं महाप्रबंधक बी.सी. मंडल ने लाइन ऑफ फायर सिद्धांत की जानकारी देते हुए जोखिमों की पहचान और सुरक्षा मानकों के पालन पर बल दिया। वहीं सुरक्षा अधिकारी आशुतोष प्रधान ने जीरो टॉलरेंस रूल के तहत असुरक्षित कार्य व्यवहार के प्रति सख्ती बरतने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में महाप्रबंधक प्रभारी टी.के. मुखर्जी एवं महाप्रबंधक के. नंद कुमार ने भी सुरक्षा और उत्कृष्ट हाउसकीपिंग को दुर्घटनामुक्त कार्यस्थल की आधारशिला बताते हुए सभी कर्मचारियों से सतत सजगता और अनुशासन बनाए रखने का आह्वान किया।

महिला समाज के स्थापना दिवस पर सेक्टर-2 क्लब सम्मानित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 5 अगस्त। भिलाई महिला समाज ने मंगलवार को महात्मा गांधी कला मंदिर, सिविक सेंटर में अपना 69वां स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया। समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, संस्था की गौरवशाली यात्रा के स्मरण तथा महिला सशक्तिकरण और समाज सेवा के क्षेत्र में बीएमएस के योगदान को रेखांकित किया गया। शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं स्मारिका के लोकार्पण के साथ हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि भिलाई महिला महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्य एवं शिक्षाविद डॉ. संध्या मदन मोहन थीं, जबकि अध्यक्षता भिलाई महिला समाज की कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती छवि निगम ने की। अपने संबोधन में डॉ. संध्या मदन मोहन ने कहा कि महिला परिवार और समाज की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं संगठित होकर समाजहित में कार्य करती हैं, तो एक सशक्त समाज और राष्ट्र का निर्माण होता है। वहीं, श्रीमती छवि निगम ने संस्था की लगभग सात दशकों की सेवा यात्रा का उल्लेख करते हुए महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और सामाजिक उत्तरदायित्व को बीएमएस की मूल भावना बताया। समारोह का प्रमुख आकर्षण संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय श्रीमती नलिनी श्रीवास्तव की स्मृति में प्रदान की जाने वाली प्रतिष्ठित श्रीमती नलिनी श्रीवास्तव ट्रॉफी रही। इस वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सेक्टर-2 क्लब को ट्रॉफी प्रदान की गई, जबकि उल्लेखनीय कार्यों के लिए सेक्टर-4 क्लब को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न बीएमएस इकाइयों एवं क्लबों की सदस्याओं ने शास्त्रीय एवं लोकनृत्य, समूह गान और नृत्य-नाटिका की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में महासचिव श्रीमती सोनाली रथ ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। संचालन श्रीमती आशा वरवाडे, श्रीमती रेशु जैन एवं श्रीमती रेनू जैन ने किया, जबकि अंत में कोषाध्यक्ष श्रीमती शिखा जैन ने आभार व्यक्त किया।

अवैध बैनर-पोस्टर हटाने निगम का अभियान जारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 5 अगस्त। नगर निगम द्वारा शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से प्रमुख चौक-चौराहों, सड़कों और विद्युत पोल पर लगाए गए अवैध सामाजिक, राजनीतिक एवं अन्य बैनर-पोस्टर हटाने का अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इस कार्रवाई में पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम भी शामिल है। निगम प्रशासन के अनुसार, प्रमुख मार्गों और व्यस्त चौक-चौराहों पर लगाए गए बैनर-पोस्टर वाहन चालकों का ध्यान भटकाते हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। इसके अलावा विद्युत पोल, डिवाइडर और सार्वजनिक स्थानों पर अनधिकृत प्रचार सामग्री से शहर की सुंदरता भी प्रभावित होती है। संयुक्त टीम ने विभिन्न प्रमुख मार्गों एवं चौक-चौराहों का निरीक्षण कर पोल, सड़क किनारे तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए अवैध बैनर-पोस्टर हटाए। इस दौरान मार्गों को व्यवस्थित करने की कार्रवाई भी की गई। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थानों, विद्युत पोल तथा यातायात प्रभावित करने वाले क्षेत्रों में बिना अनुमति बैनर-पोस्टर लगाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही नागरिकों एवं सामाजिक-राजनीतिक संगठनों से अपील की गई है कि वे सार्वजनिक स्थानों पर अनधिकृत प्रचार सामग्री न लगाएं और शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं सुरक्षित बनाए रखने में सहयोग करें।

दिग्विजय सिंह साहू व प्रदीप गंजीर को छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के आईटी सेल प्रकोष्ठ में प्रदेश संयुक्त सचिव की मिली जिम्मेदारी

अंवरी। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के आई.टी. सेल प्रकोष्ठ के विस्तार के तहत दिग्विजय साहू एवं प्रदीप गंजिर को प्रदेश संयुक्त सचिव का दायित्व सौंपा गया है। यह नियुक्ति संगठन की कार्यक्षमता बढ़ाने, डिजिटल सशक्तिकरण तथा समाजहित के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए की गई है। इस अवसर पर प्रदीप गंजीर एवं दिग्विजय सिंह साहू ने संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू, प्रदेश संयोजक दारिका साहू सहित समस्त पदाधिकारियों एवं वरिष्ठजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश संयुक्त सचिव जैसा गरिमामय दायित्व मिलना उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है।

बार एंड रॉड मिल में कैपिटल रिपेयर शुरू, सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान

भिलाई, 5 अगस्त। भिलाई इस्पात संयंत्र की बार एंड रॉड मिल में कैपिटल रिपेयर कार्य के शुभारंभ पर कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार ने अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों से संवाद कर सुरक्षित कार्य संस्कृति अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संयंत्र के ÷शून्य दुर्घटना लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रत्येक कर्मचारी की सुरक्षा के प्रति व्यक्तिगत जिम्मेदारी और सुरक्षा नियमों का अनुशासित पालन आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में राकेश कुमार ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों को सुरक्षा की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (बार एंड रॉड मिल एवं यूनिवर्सल रेल मिल) योगेश शास्त्री सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ठेका श्रमिक उपस्थित रहे।

आईआईटी के शोधकर्ताओं ने बोतलों से बनाया री-शेप होने वाला स्मार्ट प्लास्टिक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 5 अगस्त। भिलाई। इस्तेमाल के बाद फेंक दी जाने वाली पेट प्लास्टिक बोतलें अब सिर्फ कचरा नहीं रहेंगी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के शोधकर्ताओं ने ऐसी नई तकनीक विकसित की है, जो पुराने पेट प्लास्टिक को एक हाई-वैल्यू, रीयूजेबल और री-शेपेबल इंजीनियरिंग मटेरियल में बदल देती है। खास बात यह है कि इस सामग्री को बार-बार गर्म करके नया आकार दिया जा सकता है, जरूरत पड़ने पर मरम्मत की जा सकती है और फिर दोबारा इस्तेमाल भी किया जा सकता है। यह रिसर्च आईआईटी भिलाई के रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. संजीब बनर्जी के नेतृत्व में प्रियंक सिन्हा, भरतभूषण मेश्राम और ओंकारनाथ वर्मा ने की है। शोध के नतीजे अंतरराष्ट्रीय जर्नल मैटेरियल्स टुडे कटैलिसीस में प्रकाशित हुए हैं। इस तकनीक के लिए भारतीय पेटेंट आवेदन भी दायर किया गया है। शोधकर्ताओं ने सबसे पहले नीलगिरी की पत्तियों से एक पर्यावरण-अनुकूल और दोबारा इस्तेमाल किया जा सकने वाला ग्रीन कैटेलिस्ट तैयार किया। यह कैटेलिस्ट बेकार पेट बोतलों को एक मूल्यवान रासायनिक बिल्डिंग ब्लॉक में बदल देता है। इसकी खासियत यह है कि इसे चुंबक की मदद से आसानी से अलग कर कई बार दोबारा उपयोग किया जा सकता है, जिससे पूरी प्रक्रिया अधिक किफायती और टिकाऊ बन जाती है। नई विकसित सामग्री की सबसे बड़ी खासियत यह है कि गर्म करने पर यह मुलायम होकर मनचाहा आकार ले लेती है और ठंडी होने पर उसी रूप में मजबूत हो जाती है। शोधकर्ताओं ने इसे कई बार अलग-अलग आकृतियों में ढालकर दिखाया और हर बार इसके गुण लगभग समान बने रहे। आज दुनिया में पेट बोतलों से हर साल लाखों टन प्लास्टिक कचरा निकलता है। पारंपरिक रीसाइक्लिंग में प्लास्टिक की गुणवत्ता धीरे-धीरे घटती जाती है, लेकिन आईआईटी भिलाई की यह तकनीक वेस्ट-टू-वेल्थ की अवधारणा को मजबूत करती है। इससे नए प्लास्टिक के उत्पादन पर निर्भरता कम होगी, कार्बन फुटप्रिंट घटेगा और सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा मिलेगा। यह स्मार्ट मटेरियल कस्टमाइज्ड प्लास्टिक प्रोडक्ट्स, इंजीनियरिंग प्रोटोटाइप, शैक्षणिक मॉडल और भविष्य की 3ष्ठ प्रिंटिंग तकनीकों में उपयोगी साबित हो सकता है। कम कचरे के साथ टिकाऊ उत्पादन की दिशा में यह एक बड़ा कदम माना जा रहा है। यह नवाचार स्वच्छ भारत मिशन, आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया और राष्ट्रीय संसाधन दक्षता नीति जैसे अभियानों के अनुरूप है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तकनीक प्लास्टिक प्रदूषण कम करने, संसाधनों के बेहतर उपयोग और स्वच्छ विनिर्माण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

मोटरसाइकिल चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

भिलाई, 5 अगस्त। भिलाई बाइक चोरी मामले में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है भिलाई नगर पुलिस ने बताया कि संदेह के आधार पर रूआबांधा निवासी आशीष सोनी, कोसा नगर सुपेला आदित्य सनोडिया को गिरफ्तार किया गया पूछताछ करने पर युवकों ने बाइक चोरी की घटनाएं करना स्वीकार किया आरोपियों के निशानदेही पर तीन बाइक सीजी 07 एलवाई 9224, सीजी 07 सीके 4995, सीजी 24 एस 6613 को जब्त किया गया

मोहल्ले में दहशत फैलाने वाली महिलाएं गिरफ्तार

भिलाई, 5 अगस्त। भिलाई मोहल्ले में दहशत फैलाने वाली तीन महिलाओं को पुलिस ने हथियार समेत गिरफ्तार किया है खुर्सीपार टीआई लक्ष्मण केवट ने बताया कि देवार बस्ती से निवासी मछली मार्केट, खुर्सीपार निवासी जानवी देवार, राजमा देवार, मोनिका उर्फ गुलपसा देवार को पकड़ा गया तीनों के पास से पुलिस ने धारदार हथियार जब्त किया है? महिलाओं के खिलाफ पूर्व से बलवा एवं आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई हो चुकी है महिलाएं स्वयं को प्रभावशाली व्यक्ति बताकर नागरिकों में भय और आतंक का वातावरण निर्मित करने का प्रयास किया जा रहा था महिलाओं को गिरफ्तार न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया इस के अलावा आरोपी अमजद देवारको भी पकड़ा गया है

संत शिरोमणि रविदास जयंती पर समरसता का संदेश

रायपुर 5 अगस्त। ऐसा चाहूँ राज मैं, जहाँ मिले सबन को अन्न। छोट-बड़ो सब सम बसें, रविदास रहे प्रसन्न॥ संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के 650वें जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 'समरसता संकल्प अभियान' के अंतर्गत रायपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय कलश वंदन अभियान में सहभागिता कर पूज्य गुरु रविदास जी के समता, समानता, सेवा एवं सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से तैयार किए गए विशेष रथों को रवाना किया गया। इस गरिमामय अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, मंत्रिमंडल के सहयोगीगण, पूज्य संतजन, जनप्रतिनिधिगण तथा सर्व समाज के गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। गुरु रविदास जी के आदर्श आज भी समाज को नई दिशा प्रदान करते हैं। उनकी शिक्षाएँ सामाजिक समरसता, समान अवसर, मानवता

और न्यायपूर्ण समाज की प्रेरणा देती हैं। छत्तीसगढ़ सरकार उनके विचारों को आत्मसात करते हुए ऐसे विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है, जहाँ प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान, समान अवसर और आगे बढ़ने का अधिकार प्राप्त हो। वाराणसी की पावन भूमि से लाए गए पवित्र माटी एवं जलयुक्त कलश प्रदेश के सभी जिलों में पहुँचकर गुरु रविदास जी के समरसता, सेवा, भाईचारे और समानता के संदेश का व्यापक प्रसार करेंगे।

इस ऐतिहासिक आयोजन में डॉ. उदय भान सिंह चौहान – सामाजिक समरसता सर्व समाज समन्वय महासभा के संरक्षक, छत्तीसगढ़ स्वाभिमान संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष, अखिल भारतीय पंचायत परिषद के मार्गदर्शक एवं भागीरथी छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण अभियान के अग्रणी – की गरिमामयी उपस्थिति रही। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के समता, सेवा और सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

मुख्य घोषणाएँ

- छत्तीसगढ़ विधानसभा में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के विचार अंकित किए जाएंगे।
- राज्य अलंकरण समारोह में संत रविदास जी के नाम से राज्य सम्मान स्थापित किया जाएगा।
- नया रायपुर (अटल नगर) में संत रविदास चौक का निर्माण किया जाएगा।
- संत रविदास जयंती के अवसर पर छत्तीसगढ़ में शासकीय अवकाश रहेगा तथा मांस एवं मदिरा की बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी।

एक नजर

आसुस का नया क्रोमबुक सीएक्स-15 लॉन्च

रायपुर 5 अगस्त। ताइवान की टेक कंपनी आसुस ने भारत में नया क्रोमबुक सीएक्स15 (सीएक्स1505सीटीए) लॉन्च किया है। कंपनी ने इसे खासतौर पर छात्रों, युवा पेशेवरों और पहली बार लैपटॉप खरीदने वाले ग्राहकों को ध्यान में रखकर पेश किया है। इसकी कीमत 47,990 रुपए रखी गई है। क्रोम ओएस और गूगल एआई से लैस इस क्रोमबुक में पढ़ाई, कार्यालय के कार्य, ऑनलाइन कक्षाएं, प्रस्तुतिकरण और मनोरंजन के लिए स्मार्ट फीचर दिए गए हैं। कंपनी के अनुसार, इसमें शानदार डिस्प्ले, दमदार बैटरी, हल्का व मजबूत डिज़ाइन और बेहतर सुरक्षा की सुविधा मिलती है। इस लॉन्च के साथ आसुस ने पहली बार भारत में अपने क्रोमबुक को ऑफलाइन खुदरा स्टोरों के माध्यम से भी उपलब्ध कराया है। यह आसुस एक्सक्लूसिव स्टोर, आरओजी स्टोर, अधिकृत विक्रेताओं, रिलायंस डिजिटल, आसुस ई-शॉप और अन्य प्रमुख स्टोरों पर उपलब्ध होगा। ग्राहकों को आसुस ईज़ी पे के तहत 0त्न ब्याज वाली ईएमआई की सुविधा मिलेगी, जिसकी शुरुआत 3,999 रुपए प्रति माह से होगी। कंपनी एक वर्ष की मानक वारंटी के साथ एक वर्ष का आकस्मिक क्षति सुरक्षा कवर भी दे रही है।

प्रतिबंधित प्लास्टिक पर निगम ने की कार्रवाई

राजनांदगांव 5 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। प्लास्टिक से होने वाले दुष्प्रभाव एवं पर्यावरण संरक्षण के लिये शासन मंशानुरूप सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने नगर निगम अभियान चलाकर प्रतिबंधित प्लास्टिक विक्रय एवं उपयोग पर जुर्माना कर जप्ती की कार्यवाही कर रही है। कार्यवाही की कडी में गुडाखू लाईन एवं फल मार्केट में अभियान चलाकर प्रतिबंधित पॉलिथीन व सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने पर अनाज, चना एंव फल विक्रय करने वाले 9 दुकानों पर कार्यवाही करते हुये लगभग 3 हजार रूपये जुर्माना कर 1 किलो पालीथिन जप्त किये। उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं प्रत्येक व्यक्ति व पशु-पक्षियों को प्लास्टिक के नुकसान से बचाने सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध करने कडे कदम उठाये जा रहे है। शासन के मंशानुरूप नगर निगम द्वारा भी प्रतिबंधित प्लास्टिक विक्रय एवं उपयोग के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम ने प्लास्टिक से होने वाले नुकसान पर कहा कि आज प्लास्टिक का उपयोग हर व्यक्ति के द्वारा किया जा रहा है, जिसका दुष्प्रभाव भी पड रहा है तथा प्लास्टिक पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने के साथ साथ मानव जीवन सहित जीव जन्तु के स्वास्थ्य पर सीधा प्रभाव डाल रहा है, फिर भी लोग इसका उपयोग कर रहे है। इसके नुकसान से बचाने शासन द्वारा इसके विक्रय एवं उपयोग पर रोक लगाया जा रहा है। शासन मंशानुरूप नगर निगम का स्वास्थ्य अमला भी शहर में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग एवं विक्रय नहीं करने समझाईस दे रहे है, समझाईस उपरांत विक्रय व उपयोग करते पाये जाने पर लगातार कडी कार्यवाही की जा रही है। कार्यवाही की कडी में आज गुडाखू लाईन एवं फल मार्केट के 1 अनाज दुकान, 3 चना दुकान व 5 फल दुकानों से 5 सौ, 3 सौ, 2 सौ रूपया जुर्माना लगा 1 किलो प्रतिबंधित पालीथिन जप्त किये। उक्त अभियान प्रतिदिन जारी रहेगी। आयुक्त श्री मरकाम ने सभी व्यापारियों से अपील करते हुये कहा कि अपने प्रतिष्ठानों की नियमित साफसफाई रखे एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का विक्रय व उपयोग न करे। साथ ही उन्होंने नागरिकों से भी अपील करते हुये कहा है कि वे प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न करते हुये जब भी घर से निकले कपडे के थैला लेकर निकले तथा लोगो को भी इसके लिये प्रेरित करे, ताकि प्लास्टिक से होने वाले दुष्प्रभाव से बचा जा सके।

नाबालिग से दुष्कर्म पर 20 साल की सजा

बलौदाबाजार 5 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले गंभीर अपराधों पर त्वरित एवं कठोर कार्रवाई के तहत थाना हथबंद पुलिस को न्यायिक स्तर पर बड़ी सफलता मिली है। नाबालिग बालिका का अपहरण कर, उसके सांथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को माननीय अपर सत्र न्यायालय, भाटापारा (पीठासीन अधिकारीः श्री सतीश कुमार जायसवाल) द्वारा 20 वर्ष के कठोर कारावास एवं अर्थदंड की सजा से दंडित किया गया है। घटना का विवरण एवं प्राथमिकीः- दिनांक 29.03.2024 को थाना हथबंद क्षेत्रांतर्गत ग्राम से 15 वर्ष 07 माह की नाबालिग बालिका अचानक लापता हो गई थी। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना हथबंद में अपराध क्रमांक 72/2024 धारा 363 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच प्रारंभ की गई। दिनांक 02.04.2024 को अपहृता/पीड़िता को सकुशल दस्तयाब कर पूछताछ की गई, जिसमें पीड़िता ने आरोपी सुरेन्द्र जांगड़े उर्फ रेन्चो द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने तथा उसके सांथ दुष्कर्म होने की बात बताई, जिस पर प्रकरण में धारा 366, 376(2)(ढ), 376(3) भादवि तथा 5(रु)/6 पॉक्सो एक्ट जोड़ी गई। विवेचना अधिकारी निरीक्षक हेमंत पटेल द्वारा प्रकरण में अत्यंत सूक्ष्मता एवं वैज्ञानिक पद्धति से साक्ष्य संकलन किया गयाः वैज्ञानिक एवं फोरेंसिक साक्ष्यः पीड़िता एवं आरोपी का डॉक्टरी परीक्षण कराकर वैज्ञानिक साक्ष्य परीक्षण कराया गया। तकनीकी एवं डिजिटल साक्ष्यः आरोपी का मोबाइल जप्त कर, तकनीकी विश्लेषण करते हुए आरोपी की घटनास्थल पर उपस्थिति व संपर्क के पुख्ता प्रमाण जुटाए गए। समयबद्ध चालान प्रस्तुतः पर्याप्त कानूनी व परिस्थितिजन्य साक्ष्य संकलित कर महज दो माह के भीतर (दिनांक 06.06.2024 को) माननीय न्यायालय के समक्ष अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक श्री संजय बाजपेयी द्वारा प्रभावी एवं सशक्त पैरवी की गई। माननीय अपर सत्र न्यायाधीश (पॉक्सो) भाटापारा द्वारा विचारण उपरांत प्रकरण में आए साक्ष्यों व गवाहों के आधार पर आरोपी सुरेन्द्र जांगड़े उर्फ रेन्चो को दोषसिद्ध पाया गया।

खेती होगी अधिक लाभकारी: सीएम साय

रायपुर,5 अगस्त। खेती केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन का आधार है। छत्तीसगढ़ सरकार कृषि और किसानों की समृद्धि को प्राथमिकता देते हुए खेती को अधिक लाभकारी, आधुनिक और टिकाऊ बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, फसल विविधिकरण, आधुनिक कृषि तकनीकों का उपयोग, कृषि यंत्रीकरण तथा कृषि आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर में आयोजित 'किसान और किसानी-प्रोत्साहन तथा परिणाम' विषयक संवाद कार्यक्रम में यह बात कही। इस अवसर पर उन्होंने राज्य के विभिन्न जिलों से आए प्रगतिशील किसानों को उत्कृष्ट खेती, नवाचार और कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया। कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञों, जनप्रतिनिधियों, उद्योग जगत तथा विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि उनका जीवन स्वयं खेती-किसानी से जुड़ा रहा है। किसान परिवार में जन्म लेने के कारण उन्होंने बचपन से खेतों में काम किया और खेती की कठिनाइयों तथा किसानों की आवश्यकताओं को निकट से देखा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में दिल्ली में रहने के दौरान भी वे नियमित रूप से अपने गांव और खेत की जानकारी लेते थे तथा गांव पहुंचने पर खेत अवश्य जाते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। पहले किसान पूंजी के अभाव में साहूकारों या कर्ज पर निर्भर रहते थे, जबकि आज किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं के माध्यम से उन्हें समय पर ऋण उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने पूर्व

प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड योजना प्रारंभ किए जाने को किसानों के लिए ऐतिहासिक निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि आज किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर केसीसी ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे खेती करना पहले की तुलना में अधिक सहज हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सरकार बनने के बाद सबसे पहले किसानों से किए गए वादों को पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ देश के उन राज्यों में शामिल है जहां किसानों को धान का सर्वाधिक मूल्य दिया जा रहा है। राज्य सरकार किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ तक धान की खरीदी कर रही है। इसके साथ ही पूर्व में लंबित दो वर्ष के बोनस का भी भुगतान किसानों को किया गया।

उन्होंने बताया कि पिछले खरीफ विपणन सीजन में राज्य के लगभग 25 लाख किसानों से 141 लाख मीट्रिक टन धान की रिकॉर्ड खरीदी की गई, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिली।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य किसानों की आय दोगुनी करना है और राज्य सरकार उसी दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाना, उत्पादन लागत कम करना तथा खेती के लिए आवश्यक सभी संसाधन उपलब्ध कराना है ताकि खेती लाभ का व्यवसाय बन सके।

उन्होंने कहा कि केवल धान आधारित खेती पर निर्भर रहने के बजाय किसानों को विविध फसलों की ओर प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से कृषक उन्नति योजना में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि धान के स्थान पर दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो-कुटकी जैसी फसलों की खेती करने वाले किसानों को 15 हजार रुपये प्रति एकड़ आदान सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए बागवानी, सब्जी उत्पादन, मत्स्य पालन, पशुपालन, डेयरी तथा लघु वनोपज आधारित गतिविधियों को भी तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे किसानों की आय के अनेक स्रोत विकसित हो सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने में सिंचाई सुविधाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य सरकार अधिक से अधिक खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए नई सिंचाई परियोजनाओं, बैराज, एनीकट तथा नहर विस्तार पर तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि किसानों को सोलर सिंचाई पंप उपलब्ध कराए जा रहे हैं तथा ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए किसानों को अनुदान पर आधुनिक कृषि यंत्र भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बस्तर की जीवनदायिनी इंद्रावती नदी पर मटनार और देऊरगांव में लगभग 2 हजार करोड़ रुपये की लागत से बैराज निर्माण किया जाएगा, जिससे हजारों किसानों को सिंचाई सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही सिकासार-कोडार नहर लिंकिंग परियोजना के लिए लगभग 3 हजार करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसका लाभ मैदानी छत्तीसगढ़ के किसानों को मिलेगा। विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के पुनर्निर्माण एवं सुधार कार्यों के लिए भी लगभग 2800 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नक्सलवाद के कमजोर पड़ने के बाद अब बस्तर में विकास की नई धारा बह रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर मुन्ने और नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों तक शासन की योजनाओं की पहुंच बढ़ी है। उन्होंने बताया कि जिन सुरक्षा शिविरों की अब आवश्यकता नहीं रह गई है, उन्हें सेवाडेरा के रूप में विकसित किया जा रहा है और लगभग 70 सुरक्षा कैंपों को सेवाडेरा में परिवर्तित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नेतानार स्थित सेवाडेरा में इमली की पैकेजिंग जैसी गतिविधियां शुरू हो चुकी हैं, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार और आय के नए अवसर मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की महिलाएं ड्रोन दीदी बनकर नैनो डीएपी का छिड़काव कर रही हैं और आधुनिक कृषि तकनीकों के माध्यम से बेहतर आय अर्जित कर रही हैं।

संभव स्टील ट्यूब्स ने मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

खेल सामग्री वितरित कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा 5 अगस्त। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (ष्टस्क्र) के तहत संभव स्टील ट्यूब्स लिमिटेड द्वारा मंगलवार को मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान, खेल सामग्री वितरण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा, खेल और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना रहा।

इस अवसर पर कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। कक्षा 12वीं में भूमा ने प्रथम, पायल ने द्वितीय तथा जया साहू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा 10वीं में अंशु मरकाम प्रथम, राधिका द्वितीय और टिकेश्वरी साहू तृतीय स्थान पर रहीं।कार्यक्रम के दौरान रोटरी क्लब रायपुर के सहयोग से विद्यार्थियों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्पोर्ट्स किट का भी वितरण किया गया। साथ ही अतिथियों एवं विद्यार्थियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और अधिक से अधिक पौधे लगाने व उनकी देखभाल का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि संवर्धन स्टील ट्यूब्स लिमिटेड की ष्टस्क्र हेड श्रीमती शीतल गोयल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा और खेल जीवन में सफलता के दो मजबूत आधार हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, मेहनत और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने का आह्वान किया।कार्यक्रम में कंपनी के जीएम एम.जे.के. मूर्ति, राजकुमार निषाद, पंकज नायक, सचिन तिवारी, सुयश, गौरव मिश्रा, नितिन वर्मा सहित विद्यालय परिवार के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। रोटरी क्लब रायपुर की ओर से श्वेता साहू, सिमला सराफएवं अरुणा गोयल ने वृक्षारोपण अभियान में सहभागिता निभाई। वहीं ग्राम पंचायत की ओर से उप सरपंच प्रीति विश्वकर्मा ने कंपनी द्वारा शिक्षा, खेल एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की।

सर्व विप्र समाज महिला मंडल ने धूमधाम से मनाया सावन उत्सव

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा 5 अगस्त। सर्व विप्र समाज के महिला मंडल द्वारा तिल्दा रोड स्थित ब्राह्मण समाज भवन में सावन उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्रीकृष्ण और भगवान परशुराम की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। समाज की महिलाओं ने सावन गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया और भजनों की मधुर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में पेपर कप सहित अन्य मनोरंजन खेल भी कराए गए, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

विजेताओं को पुरस्कार वितरण

महिला मंडल की ओर से सभी सुहागिनों को सुहाग सामग्री का वितरण किया गया। खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत कर सम्मानित

किया गया। इस अवसर पर ब्राह्मण महिला समाज की अध्यक्ष सुवर्णा शर्मा, विशेष अतिथी नंदनी मिश्रा रमातिवारी प्रियंका तिवारी स्वेता अवस्थी ममता चर्तुनेदी नंदनी तिवारी मीना शुक्ला अलका मिश्रा गौरीशर्मा आरती शर्मा नीहारिका नीधी श्रेया काजल रत्ना रजनी लक्ष्मी स्मिता सुनीता मिनु संगीता अंजली तृप्ती कीरण अवनी अंश्यु कुमूद काजल स्मीर्ति सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। पूरे कार्यक्रम का माहौल भक्तिमय और उल्लासपूर्ण रहा।

प्रशासन की तत्परता से दो गांवों में बाल विवाह रुके

रायपुर, 5 अगस्त। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को बाल विवाह मुक्त बनाने का अभियान लगातार प्रभावी परिणाम दे रहा है। सुकमा जिले में जिला प्रशासन की तत्परता और संवेदनशील पहल से दो बाल विवाह समय रहते रोक दिए गए। यह कार्रवाई कवासीपारा, फूलबगड़ी गाँव में मूसलाधार बारिश के बीच की गई। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 से बाल विवाह की सूचना मिलते ही जिला महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड लाइन और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम तुरंत गाँव के लिए रवाना हुई। कठिन मौसम और बारिश के बावजूद टीम समय पर मौके पर पहुँची और दोनों बाल विवाह रुकवाने में सफल रही।गाँव में विवाह की तैयारियाँ चल रही थीं। अधिकारियों ने स्थानीय परंपराओं का सम्मान करते हुए परिवारों से शांतिपूर्ण और संवेदनशील तरीके से बातचीत की। टीम ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 की जानकारी दी और बताया कि कम उम्र में विवाह से बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर गंभीर असर पड़ता है।

पेंशनर एसोसिएशन ने अनाथ बच्चों को बांटी शिक्षण सामग्री

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 5 अगस्त। समाज सेवा और शिक्षा के प्रति समर्पण का एक और उदाहरण पेश करते हुए पेंशनर एसोसिएशन डोंगरगढ़ ने आज शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला घोटिया में शिक्षा सहयोग एवं स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में एसोसिएशन द्वारा अनाथ एवं जरूरतमंद बच्चों को स्कूल बैग, पेंसिल और मिठाई वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुआ। इसके बाद पेंशनर एसोसिएशन के सदस्यों ने बच्चों को एक-एक कर बैग, स्टेशनरी और मिठाई भेंट की। बैग और नई पेंसिल पाकर बच्चों की खुशी देखते ही बन रही थी।

कार्यक्रम का सबसे प्रेरणादायक पल तब आया जब बरनारा खुर्द गांव के कक्षा पहली में अध्ययनरत 02 नवप्रवेशित बच्चों को विशेष रूप से सम्मानित किया

गया। बताया गया कि ये दोनों बच्चे हर रोज घने जंगलों और पहाड़ी रास्तों से होकर 13 से 14 किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल आते हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस कमेटी राजनांदगांव के महासचिव श्री सुरेश सिन्हा ने एसोसिएशन की अभिनव पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद भी समाज के लिए जीने का जज्बा वाकई काबिले तारीफ है। ग्राम पंचायत घोटिया के सरपंच श्री संजय ऊईके ने आभार प्रदर्शन करते हुए कहा कि ÷पंचायत की ओर से भी शिक्षा को बढ़ावा देने वाले ऐसे कार्यों में पूरा सहयोग रहेगा। पेंशनर एसोसिएशन की ओर से संरक्षक श्री कुलदीप साहू, सेवानिवृत्त प्राचार्य स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल डोंगरगढ़ और श्री हेमंत साहू ने उद्बोधन दिए। श्री कुलदीप साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। बरनारा खुर्द जैसे दूरस्थ गांव के बच्चों का 13-14 चरू पैदल चलकर पढ़ने आना हमें गर्व और जिम्मेदारी दोनों का एहसास कराता है। हमारा कर्तव्य है कि हम ऐसे बच्चों का हर संभव सहयोग करें। श्री हेमंत साहू ने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि हर साल ऐसे सहयोग कार्यक्रम होते रहें और अधिक से अधिक बच्चों तक मदद पहुंचे।

स्कूल के प्रधान पाठक श्री दिनेश कुमार खांडे ने कहा कि ÷इस तरह के सहयोग से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है। कार्यक्रम में शिक्षक लक्षण भगत, धनराज वर्मा, बिजेंद्र वर्मा, महेंद्र कंवर, संकुल समन्वयक श्री महेंद्र गायकवाड़ और श्री देवेन्द्र नागर भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री हंसराज साहू, सचिव श्री रमेश ठेठवार, कोषाध्यक्ष श्री जी.आर. बुढ़ेल, संरक्षक श्री कन्हैया राम देवांगन, श्री रामनाथ भंजारे, श्री मनोहर साहू और श्री मंधीर दास साहू सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे। अंत में बच्चों द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

केंद्रीय मंत्रियों से मिले सांसद बृजमोहन अग्रवाल, छत्तीसगढ़ के विकास और जनहित से जुड़े मुद्दों पर की सार्थक चर्चा

रायपुर 5 अगस्त। रायपुर लोकसभा सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने मंगलवार को नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला समेत भारत सरकार के विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ के विकास, जनहित और रायपुर लोकसभा क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को केंद्र सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा।

श्री अग्रवाल ने , केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री वीरेंद्र कुमार तथा केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी से मुलाकात की। बैठकों में उन्होंने छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, दवाओं एवं चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े विषयों, किसानों के लिए उर्वरक की उपलब्धता, सामाजिक कल्याण एवं वंचित वर्गों के हित, महिला एवं बाल संरक्षण तथा राज्य में रोजगार एवं औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। श्री अग्रवाल ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों, कृषि, वन संपदा और युवा मानव संसाधन की दृष्टि से समृद्ध राज्य है। इन क्षमताओं को केंद्र की योजनाओं और नीतियों से जोड़कर प्रदेश में रोजगार, निवेश और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को गति दी जा सकती है।

उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों के समक्ष रायपुर लोकसभा क्षेत्र की स्थानीय आवश्यकताओं एवं लंबित विषयों को भी रखा और केंद्र सरकार के स्तर पर आवश्यक सहयोग एवं त्वरित कार्रवाई का आग्रह किया। श्री अग्रवाल ने कहा कि ÷छत्तीसगढ़ के विकास से जुड़े विषयों को केंद्र सरकार के समक्ष लगातार उठाना और उनके समाधान के लिए आवश्यक समन्वय स्थापित करना मेरी प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का छत्तीसगढ़ के विकास के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है। हमारा प्रयास है कि केंद्र की योजनाओं का अधिकतम लाभ प्रदेश की जनता तक पहुंचे और छत्तीसगढ़ विकास के नए आयाम स्थापित करे। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, कृषि, उद्योग और रोजगार जैसे विषय सीधे आम जनता के जीवन से जुड़े हैं, इसलिए इन क्षेत्रों में केंद्र एवं राज्य के बेहतर समन्वय के माध्यम से ठोस परिणाम सुनिश्चित किए जाने की आवश्यकता है। श्री अग्रवाल ने केंद्रीय मंत्रियों से छत्तीसगढ़ के हित में इन विषयों पर सकारात्मक एवं शीघ्र कार्रवाई का आग्रह किया, जिस पर मंत्रियों की ओर से आवश्यक सहयोग एवं कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।

निधन

देवला बाई साहू

राजनांदगांव , 4 अगस्त । ग्राम मोखला निवासी श्रीमती देवला बाई साहू (98) का आज निज निवास मोखला में निधन हो गया । दिवंगत श्रीमती साहू बिसौहा राम साहू (सेवानिवृत्त , एएसआई) , पीलू राम साहू , कीर्तन साहू , देवघर साहू एवं रघुनंदन साहू की माता जी थीं । उन्होंने अपने पीछे नाती -पोतों भरा परिवार छोड़ा है । उनका अंतिम संस्कार सामाजिक बंधुओं की उपस्थिति में आज मोखला में कर दिया गया ।

ज्ञानेश्वरी प्रेरणा है राज्य के खिलाड़ियों के लिए

हर क्षेत्र में शुरुआत होती है, कोई खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहला पदक जीतता है और राज्य के लोगों का बरसों का इंतजार खत्म होता है।गर्व महसूस होता है कि हमारे राज्य में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाली कोई खिलाड़ी है।छत्तीसगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किसी खिलाड़ी के पदक जीतने की शुरुआत हो गई है। हमारे राज्य की ज्ञानेश्वरी यादव पहली ऐसी खिलाड़ी हैं जिन्होंने ग्लास्गो में आयोजित कामनवेल्थ गेम्स में रजत पदक जीता है। राज्य का यह पदक है, एक शुरुआत होती है तो उसके बाद दूसरे खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलती है कि हमारे राज्य की एक खिलाड़ी ऐसा कर सकती है तो मैं भी ऐसा कर सकता हूं,हम भी ऐसा कर सकते हैं और उसके बाद कड़ी मेहनत,लगन,अपने लक्ष्य का हासिल करने का जज्बा पैदा होता और एक के बाद दूसरा,दूसरे के बाद तीसरा खिलाड़ी पदक जीतता है। बड़े खिलाड़ी से प्रेरणा लेकर एक दिन छोटे खिलाड़ी बड़े खिलाड़ी बनते हैं पदक जीतने वाले खिलाड़ी बनते हैं।एक के बाद दो,तीन,चार संख्या बढ़ती जाती है।देश में एक सुनील गावस्कर पैदा होता है तो सचिन पैदा होता है,सचिन के बाद, विराट सामने आता है, विराट के बाद तो खिलाड़ियों की लंबी लाइन तैयार हो गई है।

२२ वें कामनवेल्थ गेम्स में छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव ने महिला ५३ किलो के वर्ग की वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में देश के लिए रजत पदक हासिल किया है। छत्तीसगढ़ के लिए यह पहला अंतर्राष्ट्रीय पदक है। इसलिए यह देश के लिए जितने गर्व की बात है, उससे ज्यादा छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है।छत्तीसगढ़ को बरसों से पहले अंतर्राष्ट्रीय पदक का इंतजार था और इस इंतजार को ज्ञानेश्वरी ने खत्म किया है।यह पदक जीतने के साथ ही ज्ञानेश्वरी कामनवेल्थ गेम्स के इतिहास में कोई पदक जीतने वाली,रजत पदक जीतने वाली छत्तीसगढ़ की पहली खिलाड़ी बन गई है।आज तक प्रदेश का कोई भी खिलाड़ी वैश्विक मंच पर पदक तालिका में जगह नहीं बना सका था।जो काम प्रदेश का कोई खिलाड़ी नहीं कर सका था, वह काम ज्ञानेश्वरी ने करके अपना नाम राज्य के खेल इतिहास में दर्ज करा दिया है। ज्ञानेश्वरी ने ५३ किलो वर्ग की प्रतियोगिता में कुल १९९ किलो वजन उठाकर दूसरे स्थान पर रहीं। उन्होंने स्नैच मे ८८ किलो वजन उठाकर नया गेम्स रिकार्ड कायम किया।वही क्लीन व जर्क में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन बार में १०३,१०७ और १११ वजन उठाया।इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक नाइजीरिया की ओमोलोला डिडीह ने २०६ किलो वजन उठाकर जीता।कामनव्ल्थ गेम्स में देश,प्रदेश का नाम रोशन करने पर पीएम मोदी,गृहमंत्रीअमित शाह,सीएम साय,खेल संगठनों से जुड़े लोगों सहित सभी ने बधाई दी।पदक जीतने पर सीएम साय ने कहा था कि ज्ञानेश्वरी की यह उपलब्धि राज्य के खेलजगत के लिए मील का पत्थर साबित होगी।उनके पिता दीपक यादव ने कहा था कि यह हमारे परिवार के वर्षों के संघर्ष,कड़े त्याग और बेटी के अटूट विश्वास का फल है। गरीब घर के बच्चों की सफलता वाकई में अद्भुत लोगों का प्रेरणा देने वाली होती है,यह अभाव के बीच अपने सबसे बड़े लक्ष्य को पाने का प्रयास होता है।कई बार पिता जो नहीं कर पाता है और उसकी बेटी वह काम करती है,उसका बेटा वह काम करता है तो पिता को सबसे ज्यादा खुशी होती है। पिता खिलाडी़ हो तो उसे और ज्यादा खुशी होती है।ज्ञानेश्वरी के पिता बाड़ीबिल्डर थे लेकिन आर्थिक तंगी के कारण वह आगे नहीं जा सके,खेल छोड़कर उनको इलेक्ट्रिशियन का काम करना पड़ा।वह खुद अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी न बन सके तो बेटी को बनाने का सपना देखा और बेटी के लिए जो कुछ कर सकते थे,वह सब किया और बेटी ने न सिर्फ उनका बल्कि राज्य का अंतर्राष्ट्रीय पदक का सपना पूरा किया है।साय सरकार ने राज्य के खेल व खिलाड़ियों के लिए बहुत कुछ किया है।बस्तर ओलिंपिक,सरगुजा ओलिंपिक का आयोजन कर खिलाड़ियो का खेल मंच मुहैया कराया है। इससे राज्य के खिलाड़ियों को खेलने का मौका मिल रहा है, दूसरे राज्यों के खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिल रहा है, अपनी खेल प्रतिभा को निखारने का मौका मिल रहा है। ऐतिहासिक उपलब्धि पर खिलाड़ी का सम्मान तो किया ही जाता है साथ ही उसको जो ईनाम दिया जाता है, वह भी दूसरे खिलाड़ियों को प्रेरित करने वाला होता है। राज्य की सीएम साय ने ज्ञानेश्वरी के छत्तीसगढ़ लौटने पर अपने निवास पर ज्ञानेश्वरी का सम्मान किया।साथ ही घोषणा की कि ज्ञानेश्वरी को ३० लाख रुपए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी और आउट आफ टर्न डीएसपी बनाया जाएगा।इस मौके पर सीएम साय ने कहा कि यह प्रदेश की प्रतिभा,परिश्रम व संकल्प का सम्मान है।ज्ञानेश्वरी ने सिध्द कर दिया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति,कठोर परिश्रम व अनुशासन के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।ज्ञानेश्वरी की उपलब्धि प्रदेश के खेल इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगी।उपमुख्यमंत्री साव ने ज्ञानेश्वरी का सम्मान अपने निवास कार्यालय में किया और उनकी सफलता का श्रेय पिता के संघर्ष व प्रेरणा को दिया।ज्ञानेश्वरी का हर सम्मान देश के खिलाड़ियों को प्रेरणा देगा इसलिए उनका ऐसा सम्मान करना चाहिए कि हर खिलाड़ी के लिए खेल में बड़ी उपलब्धि प्राप्त करना लक्ष्य हो और वह अपने लक्ष्य को हासिल कर सकें इसके लिए सरकार उनको हर तरह की सुविधा मुहैया कराए। अब जब शुरुआत हो गई है तो गिनती एक पदक व एक ज्ञानेश्वरी पर नहीं रुकनी चाहिए।खिलाड़ियों व पदकों की संख्या बढ़ती रहनी चाहिए।

विश्लेषण

भावनाओं का 'अवसरवादी आहतपन'

निर्मल रानी

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे में कथित हेराफेरी के मुद्दे को उठाने के मक़सद से गत 31 जुलाई को पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने संसद परिसर में साधू के वेश में एक प्रतीकात्मक नाटक किया था। इस दौरान विपक्ष के भी कई नेता वहां मौजूद रहे। इसी प्रदर्शन में राहुल गांधी ने प्रतीकात्मक रूप से दानपात्र में पैसे डालने का प्रयास किया। इसके बाद पप्पू यादव ने दानपेटी लेकर भागने का नाटक किया और समाजवादी पार्टी के अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद ने उन्हें पकड़ने का अभिनय किया। इस नाट्य मंचन रुपी प्रदर्शन के बाद भाजपा,विश्व हिंदू परिषद , बजरंग दल, व इसके समर्थक संत समाज ने इसे सनातन धर्म और साधु-संतों की छवि का अपमान बताया। सत्ता समर्थक कई संतों ने भी आरोप लगाया कि पप्पू यादव द्वारा संसद में 'इस प्रकार भगवा वस्त्र और साधू का रूप धारण कर व इसका नाट्य मंचन कर साधु वेश का मज़ाक उड़ाया गया है, जिससे सनातन धर्म और संतों की आस्था को ठेस पहुंची है। लिहाज़ा इस मामले के विरोध में भाजपा नेताओं और धार्मिक संगठनों ने क़ानूनी क़दम उठाए। दिल्ली, वाराणसी, हरिद्वार, प्रयागराज, मथुरा, नागपुर,जम्मू सहित देश के अन्य कई शहरों में पप्पू यादव, राहुल गांधी और सपा सांसद अवधेश प्रसाद के ख़िलाफ़ धार्मिक भावनाएं आहत करने को लेकर कहीं पुलिस में शिकायतें व एफ़ आईआर दर्ज की गईं तो कहीं विरोध प्रदर्शन किये गये। कई मठों, मंदिरों और अखाड़ों ने पप्पू यादव के प्रवेश पर रोक लगाने और संसद से उनकी सदस्यता रद्द करने की मांग की। लोकसभा स्पीकर ने भी इसतरह का प्रदर्शन करने पर नाराज़गी जताई और इसे संसदीय गरिमा के विरुद्ध बताया। दिल्ली के जंतर-मंतर पर तो विभिन्न हिंदू संगठनों और अनेक साधु-संतों ने एकत्रित होकर 'सद्बुद्धि हवन' और धार्मिक अनुष्ठान किया। इसके अलावा दिल्ली में पप्पू यादव और उनकी पत्नी रंजीत रंजन के आधिकारिक आवास के बाहर हिंदू संगठनों ने ज़ोरदार नारेबाज़ी की और उनका सामाजिक व धार्मिक बहिष्कार करने की मांग की।

इसी बीच सांसद पप्पू यादव के दिल्ली स्थित आवास पर उन पर हमले की कोशिश हुई है, जहाँ गत 2 अगस्त को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दो युवकों ने पप्पू यादव पर चप्पल फेंकी और कथित तौर पर उनपर चाक़ू से हमला करने का प्रयास किया। हालांकि घटनास्थल पर मौजूद सांसद समर्थकों ने दो आरोपियों को तुरंत पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। इन हमलावर आरोपियों का भी यही कहना था पप्पू यादव द्वारा सनातन धर्म, साधु-संतों और भगवा वस्त्रों का कथित तौर पर अपमान किया गया है और वे इसी पर आपत्ति जताने वहां गये थे। उधर पप्पू यादव ने भी दावा किया है कि उन्हें लगातार जान से मारने और ज़िंदा जलाने की धमकियां मिल रही हैं, लेकिन वे इससे डरने वाले नहीं हैं। सांसद उदित राज व शिवसेना सांसद संजय राउत जैसे अनेक नेताओं ने पप्पू यादव से मिलकर उनके प्रति समर्थन भी व्यक्त किया है। इन नेताओं ने पप्पू यादव पर हुये हमले को "कायराना" क़रार देते हुए कहा कि पप्पू यादव ने राम मंदिर के चंदे में हुई कथित हेराफेरी का मुद्दा उठाकर कुछ भी ग़लत नहीं किया। इन नेताओं ने प्रदर्शन का पुरज़ोर समर्थन किया था। इन नेताओं ने कहा कि भगवा रंग किसी पार्टी के नाम रजिस्टर्ड नहीं है और पप्पू यादव ने चंदा चोरी की झांकी दिखाकर सही सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी संसद परिसर के भीतर और बाहर इस पूरे विवाद में पप्पू यादव की लड़ाई का समर्थन किया। पप्पू यादव ने भी कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी देश के 100 करोड़ लोगों की आस्था और सनातनी विचारों को बचाने के लिए उनके साथ खड़े हैं।

परन्तु समय समय पर लोगों की 'धार्मिक भावनाएं ' आहत होने को लेकर देश में यह सवाल भी पूछा जाने लगा है कि जब सत्ताधारी नेताओं द्वारा न केवल साधु वेशभूषा का बल्कि सीधे देवी देवताओं तक का मज़ाक़ उड़ाया जाता है, उन्हें अपमानित किया जाता है उस समय आख़िर इन लोगों की भावनायें कहाँ चली जाती हैं ? याद कीजिये जब गत 4 जुलाई को भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन लखनऊ के दो दिवसीय दौरे पर आए थे उस समय एयरपोर्ट से भाजपा मुख्यालय तक एक रोड शो आयोजित किया गया था। इस रोड शो के दौरान एक कलाकार भगवान हनुमान का वेश-रूप धारण किए अपने हाथ में भाजपा का झंडा लेकर नितिन नवीन के क़ाफ़िले के ठीक आगे नाच रहा था। इस दौरान नितिन नवीन सहित अनेक नेता हनुमान का नृत्य देख 'रथ' के ऊपर खड़े होकर मुस्कुराते नज़र आ रहे थे। तो क्या भाजपा के राजनीतिक रोड शो के लिए भगवान के स्वरूप का इस्तेमाल करना, भगवान हनुमान के स्वरूप को अपने स्वागत में सड़कों पर नचाना, क्या यह कृत्य हिंदू भावनाओं का अनादर करने वाला कृत्य नहीं था ? क्या यह राजनीति के लिए भगवान के स्वरूप का दुरुपयोग नहीं था?

इसी तरह जनवरी 2026 में अहमदाबाद में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव के दौरान साबरमती रिवर फ्रंट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज भी शामिल हुए थे। दोनों नेताओं ने वहां पतंग उड़ाई थी। प्रधानमंत्री मोदी और जर्मन चांसलर ने जिस विशेष पतंग को हवा में उड़ाया था, उस पर भगवान हनुमान की तस्वीर बनी हुई थी। क्या करोड़ों हिंदुओं के आराध्य देव भगवान हनुमान की तस्वीर को पतंग बनाकर हवा में उड़ाना देवताओं का मज़ाक उड़ाना नहीं है? उस समय इन्हीं हिंदू संगठनों की भावनाएं आहत क्यों नहीं हुई थीं ? इसी तरह मध्य प्रदेश के ग्वालियर में भगवान गणेश की कुछ ऐसी मूर्तियां स्थापित की गई थीं, जिन्हें आर एस एस का आधिकारिक गणवेश यानी सफ़ेद शर्ट, ख़ाकी हाफ़ पैंट और काले जूते पहनाया गया था। यहाँ तक कि भगवान गणेश के साथ-साथ उनके वाहन चूहे को भी संघ की ड्रेस पहनाई गई थी। इस मूर्ति में भगवान गणेश और मूषक को संघ की शाखाओं की तरह 'ध्वज प्रणाम' की मुद्रा में सीने पर हाथ रखकर खड़ा दिखाया गया था और उनके हाथों में संघ का भगवा झंडा भी थमाया गया था। क्या पप्पू यादव के साधू बनने पर आक्रोशित होने वालों ने उस समय यह सवाल उठाया था कि 'हमारे आराध्य देव भगवान गणेश को आरएसएस का साधारण 'कार्यकर्ता' या 'स्वयंसेवक' बनाकर पंडालों में क्यों नचाया और खड़ा किया गया?' क्या यह भगवान का अपमान और राजनीति के लिए उनका दुरुपयोग नहीं है? उस समय किसी भी हिंदू संगठन या संत समाज की भावनाएं आहत क्यों नहीं हुई थीं ?

इसके अलावा भी हज़ारों ऐसे उदाहरण हैं जिसमें भगवानों देवी देवताओं व संतों की वेश भूषा अपमानित होती नज़र आती है तथा धार्मिक भावनाएं भी आहत होती हैं। ऐसे में धार्मिक भावनाओं का आहत होना भी स्वाभाविक तो ज़रूर है परन्तु भावनाओं का 'अवसरवादी आहतपन' समझ से परे है।

मेष राशि आज का दिन आपको धैर्य और संयम का महत्व सिखाने वाला है। जल्दबाजी में लिया गया कोई भी निर्णय आपके काम बिगाड़ सकता है, इसलिए हर कदम सोच-समझकर उठाएं। विरोधी सक्रिय रहेंगे, लेकिन आपकी सूझबूझ और समझदारी उनके प्रयासों को विफल कर देगी।

वृषभ राशि आज का दिन आपके लिए शांति और धैर्य बनाए रखने का संदेश दे रहा है। किसी भी विवाद या बहस से दूरी बनाकर रखना आपके लिए लाभदायक रहेगा। मन कुछ उलझनों में रह सकता है, लेकिन लंबे समय से अटकी हुई कोई डील पूरी होने से राहत मिलेगी।

मिथुन राशि आज का दिन आर्थिक दृष्टि से आपके लिए शुभ रहने वाला है। धन लाभ के साथ-साथ नए अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं। हालांकि किसी की मीठी बातों में आकर कोई बड़ा फैसला लेने से बचें। विदेश से जुड़े कार्यों में शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

कर्क राशि आज आपकी आय में वृद्धि होने के संकेत हैं और कार्यक्षेत्र में टीम का पूरा सहयोग मिलेगा। हालांकि जल्दबाजी में कोई गलती हो सकती है, इसलिए सावधानी बरतें। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी।

सिंह राशि आज का दिन आपके लिए सफलता और सम्मान लेकर आने वाला है। परिवार और मित्रों के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को नई पहचान और सम्मान मिल सकता है। किसी नए कार्य की शुरुआत करने से पहले अच्छी तरह विचार अवश्य करें।

कन्या राशि आज आपको आलस्य छोड़कर पूरी ऊर्जा के साथ अपने कार्यों में जुटना होगा। आपकी मधुर वाणी लोगों को प्रभावित करेगी और कई कार्य आसानी से पूरे होंगे। अफवाहों या सुनी-सुनाई बातों पर भरोसा करने से बचें। माताजी द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों को समय पर पूरा करें। भाइयों के

तुला राशि आज जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं और खर्च आय से अधिक होने के कारण मन थोड़ा चिंतित रह सकता है। संतान के व्यवहार को लेकर भी कुछ चिंता बनी रह सकती है। एक साथ कई कार्य आने से व्यस्तता बढ़ेगी। जीवनशैली में सुधार के लिए आप कुछ नई खरीदारी कर सकते हैं।

वृश्चिक राशि आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। नौकरीपेशा लोगों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना होगी और पदोन्नति के संकेत भी मिल सकते हैं। किसी नए कार्य की शुरुआत सोच-समझकर करें। समय का सही उपयोग आपको सफलता दिलाएगा। नई नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को शुभ समाचार मिल सकता है। माता-पिता के आशीर्वाद से लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

धनु राशि आज बड़ों का आशीर्वाद और मार्गदर्शन आपको आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा। आपके समझदारी भरे निर्णय लोगों को प्रभावित करेंगे। ऊर्जा और उत्साह के साथ आप अपने सभी कार्य समय पर पूरे करेंगे। हालांकि मन थोड़ा भटक सकता है, इसलिए अपने लक्ष्य पर पूरा ध्यान बनाए रखें।

मकर राशि आज का दिन आपके लिए शुभ समाचार लेकर आ सकता है। दूर रहने वाले किसी प्रियजन से अच्छी खबर मिलने की संभावना है। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे करने का अवसर मिलेगा। आर्थिक मामलों में किसी अजनबी पर भरोसा करने से बचें। माता-पिता का आशीर्वाद आपकी सफलता का मार्ग प्रशस्त करेगा और तरक्की में आ रही बाधाएं दूर होंगी।

कुंभ राशि आज का दिन सामान्य लेकिन सीख देने वाला रहेगा। व्यापार में किसी तकनीकी समस्या के कारण थोड़ी परेशानी आ सकती है। कार्यभार बढ़ेगा, लेकिन टीम का सहयोग आपको हर चुनौती से बाहर निकाल देगा। विद्यार्थियों को गुरुजनों के मार्गदर्शन का लाभ मिलेगा। आपकी कोई पुरानी इच्छा पूरी होने से मन प्रसन्न रहेगा। परिवार का सहयोग आपके आत्मविश्वास को मजबूत करेगा।

मीन राशि
आज आपकी मेहनत और लगन ही आपकी सबसे बड़ी ताकत साबित होगी। अपने प्रयासों से आप नई उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होने की संभावना है, इसलिए बजट बनाकर चलें। परिवार के बुजुर्गों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। किसी नए कार्य की शुरुआत आपके लिए शुभ परिणाम लेकर आ सकती है। अपने विरोधियों को पहचानकर ही आगे बढ़ें, क्योंकि लापरवाही नुकसान का कारण बन सकती है।

विश्वविद्यालयों में नैतिकता का संकट

क्या उच्च शिक्षा अपनी आत्मा खो रही है?

योगेश गोस्वामी

जब किसी राष्ट्र के विश्वविद्यालय कमजोर होते हैं, तब केवल शिक्षा व्यवस्था नहीं, बल्कि लोकतंत्र, समाज और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी कमजोर होने लगता है। विश्वविद्यालय ज्ञान के मंदिर हैं, जहाँ केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाया जाता, बल्कि विचार, विवेक, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्माण होता है। यदि यही संस्थान नैतिक संकट का सामना करने लगें, तो यह पूरे राष्ट्र के लिए चिंता का विषय है। देश में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, डिजिटल शिक्षा, वैश्विक रैंकिंग और अनुसंधान पर जोर दिया जा रहा है। इसके बावजूद उच्च शिक्षा संस्थानों में कई गंभीर प्रश्न लगातार सामने आते हैं। परीक्षा में अनियमितताओं के आरोप, शोध में प्लेज़रि," नियुक्तियों में पारदर्शिता पर सवाल, परिसर में हिंसा, रैगिंग, छात्र राजनीति का बढ़ता टकराव तथा प्रशासनिक जवाबदेही की कमी जैसी चुनौतियाँ शिक्षा जगत को आत्ममंथन के लिए मजबूर करती हैं। छत्तीसगढ़ भी इस राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा है। बस्तर में स्थापित महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय से आदिवासी अंचल के युवाओं को नई उम्मीदें मिली हैं। यह विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाला संस्थान न बनकर यदि जनजातीय ज्ञान, स्थानीय संस्कृति, प्राकृतिक संसाधनों, मातृभाषाओं और सामाजिक विकास पर उत्कृष्ट शोध का केंद्र बनता है, तो यह पूरे देश के लिए मॉडल बन सकता है। लेकिन किसी भी नए विश्वविद्यालय की सफलता केवल भवनों और उद्घाटनों से नहीं, बल्कि उसकी शैक्षणिक गुणवत्ता, पारदर्शी प्रशासन और नैतिक वातावरण से तय होती है।

इसी प्रकार पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर प्रदेश के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से एक है। इस विश्वविद्यालय ने छत्तीसगढ़ को अनेक शिक्षाविद, वैज्ञानिक, न्यायविद, प्रशासक और जनप्रतिनिधि दिए हैं। पुरानी संस्थाओं की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए उन्हें समय-समय पर आत्ममूल्यांकन करना आवश्यक है। बदलते समय में केवल इतिहास के आधार पर सम्मान नहीं मिलता; गुणवत्ता, पारदर्शिता और नवाचार ही स्थायी पहचान बनाते हैं। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर एक केंद्रीय विश्वविद्यालय होने के कारण राष्ट्रीय अपेक्षाओं का केंद्र है। यहाँ से केवल प्रदेश ही नहीं, देशभर के विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करते हैं। ऐसे संस्थानों को उत्कृष्ट शोध, निष्पक्ष मूल्यांकन, आधुनिक प्रयोगशालाओं और नैतिक नेतृत्व का उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए।

यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि इन विश्वविद्यालयों में हजारों शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी पूरी ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं। किसी भी संस्था का मूल्यांकन कुछ घटनाओं या आरोपों के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। परंतु जब समय-समय पर विश्वविद्यालयों की कार्यप्रणाली, परीक्षा व्यवस्था, शोध गुणवत्ता, छात्र अनुशासन या प्रशासनिक निर्णयों पर सार्वजनिक प्रश्न उठते हैं, तो उन्हें दबाने के बजाय पारदर्शी जांच और सुधार की प्रक्रिया अपनाना ही संस्थान की विश्वसनीयता बढ़ाता है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या आज विश्वविद्यालय चरित्र निर्माण कर रहे हैं? क्या विद्यार्थी सत्य, ईमानदारी, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व को उतना ही महत्व देते हैं जितना अंक और नौकरी को? क्या शिक्षक केवल पढ़ा रहे हैं या प्रेरित भी कर रहे हैं? क्या प्रशासन केवल फाइलें चला रहा है या शैक्षणिक संस्कृति का निर्माण भी कर रहा है?

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने स्पष्ट किया है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि नैतिकता, संवैधानिक मूल्यों, पर्यावरण चेतना, सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदनाओं का विकास भी है। यदि विश्वविद्यालय इस मूल भावना को व्यवहार में नहीं उतारते, तो नीति दस्तावेज़ केवल औपचारिकता बनकर रह जाएंगे। आज आवश्यकता है कि प्रत्येक विश्वविद्यालय में नैतिक शिक्षा को व्यवहारिक रूप दिया जाए। शोध में प्लेज़रि," परीक्षा प्रणाली पूर्णतः पारदर्शी बने, नियुक्तियाँ योग्यता आधारित हों, शिकायत निवारण तंत्र प्रभावी हो और विद्यार्थियों को सामुदायिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण तथा संविधान के मूल्यों से जोड़ा जाए।

बस्तर जैसे क्षेत्र में विश्वविद्यालयों की भूमिका केवल शिक्षण तक सीमित नहीं हो सकती। उन्हें आदिवासी समाज की सांस्कृतिक विरासत, स्थानीय भाषाओं, वन संपदा, कृषि, जल संरक्षण, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास पर विश्वस्तरीय अनुसंधान करना चाहिए। यदि विश्वविद्यालय समाज की समस्याओं का समाधान खोजने लगें, तभी उनकी वास्तविक उपयोगिता सिद्ध होगी।

विश्वविद्यालयों का भविष्य केवल सरकारों पर निर्भर नहीं करता। शिक्षक, विद्यार्थी, अभिभावक, समाज और प्रशासन—सभी की समान जिम्मेदारी है। नैतिक मूल्यों का पुनर्जागरण किसी आदेश से नहीं होगा; वह आदर्श आचरण, पारदर्शी व्यवस्था और सतत संवाद से ही संभव है।

आज आवश्यकता केवल नए विश्वविद्यालय खोलने की नहीं, बल्कि ऐसे विश्वविद्यालय बनाने की है जहाँ डिग्री के साथ चरित्र भी तैयार हो। यदि उच्च शिक्षा अपनी आत्मा—नैतिकता—को बचा लेती है, तो भारत ज्ञान महाशक्ति बनने की दिशा में सबसे मजबूत कदम रख सकेगा।

अनदेखी छुअन

(व्यंग्य लेख)

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

बुंदेलखंड के उस सुदूर और सूखे इलाके के आखिरी कोने पर जहाँ सरकारी पानी का नल पिछले कई दशकों से केवल सूखी हवा और जंग के कतरे उगल रहा था वहाँ महुआ के गिरे हुए पत्तों के पीछे मिट्टी की एक ढहती हुई पुरानी ओवरी थी। उस ओवरी की कच्ची चौखट पर कोई किवाड़ नहीं था बस एक फटा हुआ टाट का बोरा हवा के बर्फीले थपेड़ों से इस तरह हिल रहा था मानो कोई मरणासन्न उम्मीद अपनी अंतिम साँसें रोककर किसी अपने के आने का रास्ता देख रही हो। भीतर बिजली का कोई नामोनिशान नहीं था बस फर्श पर मिट्टी का एक दीया जल रहा था जिसकी मद्धम रोशनी पूरे कमरे में एक सोंधी महक और उदासी का कोहरा फैला रही थी जो सीधे देखने वाले के अंतस को भीजने का काम करती थी। उस कोने में रखे एक पुराने पीतल के घड़े के पास एक बूढ़ा पिता बैठा था जिसके हाथों की झुर्रियों में इस रेतीले अंचल की पूरी लाचारी और गुरबत साफ़ दिखाई दे रही थी और वह अपनी सूनी हो चुकी पथराई आँखों से उस सूखे बर्तन को इस तरह ताक रहा था जैसे वह कोई बेजान धातु नहीं बल्कि अपनी उस संतान का खोया हुआ स्पर्श ढूंढ रहा हो जो बरसों पहले शहर के बड़े अफसरों की चमचमाती फाइलों की भेंट चढ़ चुकी थी। एक बदहवास और कीमती लिबास पहने नौजवान ने उस अंधेरे कमरे में कदम रखा जिसकी आँखों में पूरी दुनिया को जीत लेने का झूठा घमंड और भीतर का गहरा खालीपन साफ़ झलक रहा था। उसने अपनी भारी आवाज में बुंदेली बोली का पुट देते हुए पूछा "काहे दद्दा तुम अबहू इस खाली घड़े को पकड़े बैठे हो क्या तुम्हें खबर नहीं मिली कि शहर के बड़े ठेकेदार ने आज हमारी इस पूरी बस्ती को उजाड़ने का नया सरकारी फरमान जारी कर दिया है" बूढ़े पिता ने बिना पलक झपकाए उस बर्तन पर अपना काँपता हुआ हाथ रखा और अत्यंत शांत स्वर में बोले "बेटा जब तक इस बूढ़ी माटी के सीने में पानी की उस आखिरी बूंद की तड़प बची है जो तेरी माँ अपनी छाती से निचोड़कर लाती थी तब तक इस घर की मर्यादा को कोई हमसे जुदा नहीं कर सकता है" झोपड़ी के भीतर की सर्द हवा में सूखे पत्तों की कड़वाहट जैसी ठंडक और एक प्यासे पेट की मर्मस्पर्शी गंध घुली थी जो किसी पुराने रिसते हुए घाव पर तेजाब छिड़कने जैसी असहनीय महसूस हो रही थी। वहाँ कोने में एक पुरानी पीतल की परात रखी थी जिस पर समय की हरी काई ने अपना पक्का डेरा जमा लिया था और उसका किनारा इस तरह चटककर लटक रहा था जैसे किसी मासूम का अटूट भरोसा इस खुदगर्ज दुनिया से हमेशा के लिए उठ गया हो। वह सूट बूट पहने नौजवान वहीं गीली मिट्टी पर बैठ गया और अपने दोनों घुटनों के बीच सिर छुपाकर इस तरह बिलखने लगा मानो पूरी कायनात की बेरुखी अकेले उसकी इस जर्जर काया पर आ गिरी हो और उसकी सफलता ही उसकी सबसे बड़ी दुश्मन बन चुकी हो। उसने सिसकियाँ भरते हुए कहा "दद्दा मेरी सबसे बड़ी पीड़ा यह है कि मैंने इस महानगर में रहकर अरबों रुपये कमाए और बड़े आलीशान होटलों में पानी के बड़े ब्रांड खरीदे पर मेरी हथेलियों का स्पर्श पूरी तरह मर चुका है क्योंकि मुझे अब किसी भी अपने की प्यास बुझाने पर कोई एहसास नहीं होता और मेरी रूह पूरी तरह सूखी बन चुकी है" बुजुर्ग पिता अपनी जगह से उठे और अपनी लाठी का सहारा लेते हुए उसके करीब आए और उसके काँपते हुए सिर पर अपना झुर्रीदार हाथ रख दिया जिसकी छुअन किसी तपती हुई दुपहरिया में बहती ठंडी हवा जैसी सुकून देने वाली थी। उन्होंने बहुत ही करुण स्वर में कहा "काहे रोता है रे बबुआ जो लोग केवल तिजोरी की खनक से अपनी प्यास बुझाते हैं वे तो खुद जीते जी एक जिंदा लाश बन चुके हैं पर तू तो इस मतलबी समाज के उस असली चेहरे का शिकार है जिसे देखकर कुदरत भी अपनी आँखों में आँसू भर लेती है" बाहर पक्की सड़कों पर पानी के बड़े टैंकरों का एक ऐसा अंधा रेला गुजर रहा था जिनके कर्कश हॉर्न की आवाजें किसी भूखे बच्चे के पेट की अंतड़ियों की चीख जैसी डरावनी लग रही थीं जो इस सोए हुए मुल्क की संवेदनहीनता का मर्सिया पढ़ रही थीं। संवादों का यह दार्शनिक और मार्मिक सिलसिला जैसे किसी प्यासे इंसान के सामने बैठकर उसे समंदर की गहराई की बातें सिखाने जैसा तीखा और रूह को भीतर तक हिला देने वाला महसूस हो रहा था। नौजवान ने अपनी सूखी आँखें पोंछते हुए पूछा "दद्दा इस घड़े के ठीक बगल में जो आपने एक पुराने मखमली कपड़े में लपेटकर एक पुराना सूती अंगोछा बरसों से सहेज कर रखा है क्या उसे छूने से मेरे भीतर का यह खालीपन हमेशा के लिए दूर हो सकता है" बुजुर्ग ने उस अंगोछे की तरफ देखा जहाँ एक चींटी सूखी माटी के ऊपर अपना रास्ता बना रही थी जैसे वह भी इस अभागे परिवार के दुखों की पहरेदार बन चुकी हो। उन्होंने अत्यंत व्यंग्यात्मक स्वर में कहा "यह कोई साधारण कपड़ा नहीं है रे लल्ला यह तो तेरी माँ की उस आखिरी ममता की सांस है जिसे मैंने उसकी विदाई के दिन से संभाल कर रखा था ताकि जब मैं इस दुनिया से विदा होऊँ तो भगवान को दिखा सकूँ कि मैंने इस सूखी माटी में भी इंसानियत का रूप जिंदा रखा था और कोई प्यासा यहाँ से खाली हाथ नहीं लौटा था" भाषा की यह सहजता सीधे पाठक के सीने में किसी पैने खंजर की तरह उतर रही थी जहाँ हर एक भौतिक सुख मोमबत्ती की तरह पिघल रहा था और कमरे का सन्नाटा और अधिक गहरा होता जा रहा था। रात का तीसरा पहर शुरू हो चुका था और कड़ाके की ठंड ने पूरे तराई अंचल को अपनी आगोश में ले लिया था पर उस बंद झोपड़ी के भीतर की उमस किसी जलती हुई चिता की आंच जैसी भारी और दमघोंटू लग रही थी। वह नौजवान अचानक खड़ा हुआ और पागलों की तरह उस पुरानी परात को टटोलने के लिए लपका क्योंकि उसका सब्र अब पूरी तरह जवाब दे चुका था और दिमाग में अपने स्पर्श को वापस पाने का एक अजीब सा पागलपन सवार हो गया था। तभी उसकी नजर उस घड़े के ठीक पीछे दीवार पर टंगे एक बहुत बड़े काले फटे हुए टाट के परदे पर पड़ी जिसके पीछे से किसी नन्हे बच्चे के बहुत ही धीमे स्वर में रोने और कुएँ की जगत पर बाल्टी खींचने की बारीक आवाज आ रही थी जो सीधे रूह को कँपा देने के लिए काफी थी। उसने डर से काँपते हुए पूछा "दद्दा इस काले परदे के पीछे कौन छिपा है और उसकी आवाज इतनी जानी पहचानी क्यों लग रही है जैसे मेरी ही रूह भीतर बंद होकर दम तोड़ रही हो और बचपन का वह कुआँ मुझे वापस पुकार रहा हो" बुजुर्ग पिता ने अपनी आँखें बंद कर लीं और उनकी पथराई आँखों से आँसुओं का एक नया सैलाब उमड़ पड़ा जो उनकी सूखी छाती को भिगोने लगा। उन्होंने अत्यंत कातर स्वर में कहा "वहाँ वह अभागे लोग बैठते हैं जिनका सौदा इस दुनिया के बाज़ार में पूरा हो चुका है और अब वे इस मतलबी संसार से अपने नाम के पूरी तरह मिटने का अंतिम इंतजार कर रहे हैं" नौजवान के कदम खुद आगे उस परदे की तरफ बढ़ने लगे और उसका दिल किसी नगाड़े की तरह तीव्र वेग से धड़कने लगा। उसने अपने कांपते हाथों से उस भारी और सड़े हुए परदे को एक तरफ हटा दिया और वहाँ भीतर जो देखा उसे देखकर उसकी आँखें विस्मय से पूरी तरह फैल गईं और उसके मुंह से एक चीख भी न निकल सकी। परदे के पीछे कोई मृत शरीर नहीं था और न ही कोई भूतिया साया बल्कि वहाँ एक बहुत बड़ा शीशे का जार रखा था जिसके भीतर वही नौजवान खुद बंद बैठा था और उसके हाथ में सोने की चमचमाती बोतल थी पर उसके गले पर एक बड़ा सा बोर्ड टंगा था जिस पर लिखा था कि यह इस सदी का सबसे अमीर पर सबसे प्यासा कैदी है। वह जार पूरी तरह से सीलबंद था और उसके भीतर हवा जाने का भी कोई रास्ता नहीं था पर बाहर खड़ा नौजवान अपने ही उस रूप को देखकर पागलों की तरह चिल्लाया "यह क्या तमाशा है दद्दा मैं तो जीवित बाहर खड़ा हूँ फिर इस बंद शीशे के भीतर मेरी ही सूरत का यह बेजान पुतला क्यों बैठा है और यह पानी की बोतल को इस तरह क्यों पकड़े है जैसे इसने सदियों से पानी न पिया हो" उस बुजुर्ग ने अपनी थरथराती आवाज में कहा "मेरे प्यारे बच्चे तुम यहाँ किसी को मरा हुआ मत ढूंढो क्योंकि यहाँ कोई मृत नहीं है बल्कि यह तो तेरी उस मनुष्यता की असली तड़प है जिसे तूने शहर के बड़े बाज़ार में खुद ही नीलाम कर दिया था"कहानी का वह दार्शनिक और रूह को कंपा देने वाला अंत अब सामने था जिसकी कल्पना पाठक ने अपने सबसे बुरे सपने में भी नहीं की होगी और जो आँखों को आंसुओं के समंदर में डुबो देने के लिए काफी था। बुजुर्ग पिता ने नौजवान के सिर पर हाथ रखा और अत्यंत पीड़ादायक स्वर में बोले "बेटा इस मड़ैया में कोई इंसान लाश नहीं बना है बल्कि हकीकत यह है कि बीस साल पहले जब तूने पहला बड़ा कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था तब तूने अपनी आत्मा और अपनों की छुअन को इसी सूखे घड़े में बंद करके चाबी शहर के बैंक में जमा कर दी थी और तू एक जिंदा मशीन बनकर घूम रहा था" नौजवान ने चीखते हुए उस शीशे के जार को तोड़ने का प्रयास किया पर उसकी उंगलियां लोहे की तरह सुन्न थीं और उनमें कोई हरकत नहीं हो रही थी क्योंकि वह खुद उस मशीनी तंत्र का हिस्सा बन चुका था जो केवल कागजों पर विकास लिखता था। बूढ़े पिता आगे बोले "तू जिसे अपनी सबसे बड़ी जीत समझ रहा है वह सिर्फ तेरी उस प्यासी रूह का वो हिस्सा है जो अपनी खोई हुई ममता को ढूंढने इस उजड़ी हुई देहरी पर वापस चला आया था पर अब बाजार के नियम जीत चुके हैं और इंसानियत हार चुकी है" नौजवान अपने पिता के पैरों में गिर गया और उसकी आँखों से बेबसी के आँसू बहने लगे पर वह उस माटी की सोंधी खुशबू को महसूस भी नहीं कर पा रहा था क्योंकि उसके भीतर का मनुष्य बहुत पहले ही कागजी नोटों के ढेर में तब्दील हो चुका था और वह पूरी झोपड़ी हमेशा के लिए एक शांत और पश्चाताप से भरे सन्नाटे की चादर ओढ़कर सो गई।

पीएमजीएसवाय सड़क भुगतान विवाद,ठेकेदार ने लगाया भुगतान रोकने का आरोप

उच्च कार्यालय को जांच रिपोर्ट भेजी गई निर्देश प्राप्त होते ही भुगतान होगा : ईई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 5 अगस्त। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना पीएमजीएसवाय के तहत एल062- टी02 से मडपाल, लम्बाई 4.50 किमी सड़क ठेकेदार कुलकर्णी एंड साहू बिल्डकॉन दुर्ग के द्वारा अनुबंधित है। लगभग 1.5 करोड़ की लागत से निर्मित सड़क निर्माण कार्य के भुगतान को लेकर नया मोड़ आया है। ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीणों और पीड़ित ठेकेदार ने कलेक्टर को आवेदन सौंपकर बकाया राशि का शीघ्र भुगतान कराने की मांग की है। पत्रकार भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में ठेकेदार प्रकाश कुमार गोटा ने बताया कि लगभग 1.5 करोड़ रुपये की लागत से सड़क निर्माण कार्य प्रशासन के निर्देशानुसार पूरा किया गया था। निर्माण के दौरान कुछ ग्रामीणों की आपत्ति के कारण काम कुछ समय के लिए रुका, लेकिन बाद में पुनः शुरू कर पूरा कर लिया गया।

ठेकेदार का आरोप है कि कार्य पूर्ण होने के बाद भी भुगतान नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा पहले सड़क को पूर्ण बताते हुए रिपोर्ट भेजी गई थी, लेकिन बाद में तत्कालीन क्क्लस्ड्ढ के पूर्व ईई नवीन टोंडे द्वारा सड़क को निरस्त कर दोबारा रीटेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। इससे उनका भुगतान अटक गया।प्रकाश कुमार गोटा ने बताया कि सड़क निर्माण के लिए उन्होंने कई स्थानों से उधार लेकर काम कराया था। भुगतान की उम्मीद में वे लगातार विभाग के चक्कर लगाते रहे, लेकिन बाद में उन्हें पता चला कि जिस सड़क का निर्माण उन्होंने किया था, उसे ही निरस्त कर दिया गया है। इससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों ने कलेक्टर से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने तथा ठेकेदार का लंबित भुगतान जल्द जारी कराने की मांग की है। इस संबंध में कार्यपालन अभियंता पीएमजीएसवाय रूपेन्द्र कुमार भुआर्य ने बताया कि मड़पाल सड़क 50 सीबीआर के गुणवत्ता मापदंड के अनुसार किया जाना है। प्रमुख अभियंता के द्वारा निर्देश दिया गया है कि 30 ट्रिप गिट्टी प्रति किमी में डालकर जीएसबी किया जाना चाहिए। विभाग द्वारा सड़क की गुणवत्ता परीक्षण कर उच्च कार्यालय को रिपोर्ट भेजी गई है। जैसे ही कोई निर्देश प्राप्त होता है, उस आधार पर भुगतान की कार्रवाई किया जाएगा।

साइबर ठगी और सड़क सुरक्षा को लेकर बीजापुर में जागरूकता अभियान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 4 अगस्त। जिले में बढ़ते साइबर अपराधों और सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से मंगलवार को थाना कोतवाली बीजापुर परिसर में संयुक्त जागरूकता बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), थाना कोतवाली पुलिस, साइबर सेल एवं यातायात पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।व्यापारी संघ के पदाधिकारी, शहर के गणमान्य नागरिक, बैंक अधिकारी और पुलिसकर्मी शामिल हुए।बैठक में एसबीआई के अधिकारियों ने ऑनलाइन साइबर ठगी के नए-नए तरीकों, उनसे बचाव के उपायों तथा राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराने और साइबर क्राइम पोर्टल पर रिपोर्ट करने से समय रहते कार्रवाई संभव हो सकती है।साइबर सेल की टीम ने डिजिटल अरेस्ट, सेक्सटॉर्शन, फिशिंग, फर्जी लिंक, ओटीपी और केवाईसी फ्रॉड जैसे साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। नागरिकों से अपील की गई कि वे किसी भी अज्ञात कॉल, लिंक या लालच भरे संदेशों पर विश्वास न करें और अपनी बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें।वहीं यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने, नाबालिग बच्चों को वाहन न देने, शराब पीकर वाहन नहीं चलाने, हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने तथा शहर में सुव्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था बनाए रखने की समझाइश दी।बैठक के दौरान उपस्थित लोगों को समाधान ऐप की उपयोगिता और इसके माध्यम से शिकायत एवं सुझाव दर्ज कराने की प्रक्रिया की भी जानकारी दी गई।

एक नजर

बस्तर की 21 ग्राम पंचायतों को स्वच्छ और सुंदर बनाने की बड़ी पहल

जगदलपुर 5 अगस्त । ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता को एक नई दिशा देने और पर्यावरण संरक्षण को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण जिला पंचायत बस्तर द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। गुरुवार 06 अगस्त को जिला पंचायत सभागार बस्तर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एक दिवसीय गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले की चयनित 21 ग्राम पंचायतों के सरपंच, उपसरपंच, सचिव और स्वच्छताग्राहियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है, ताकि वे अपने क्षेत्र में स्वच्छता की कमान मजबूती से संभाल सकें।प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य ध्येय ग्राम पंचायतों में वैज्ञानिक एवं सतत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना तथा कचरे को उसके संग्रहण स्थल यानी घरों व संस्थानों से ही अलग-अलग करने की आदत को बढ़ावा देना है। इस कार्यशाला में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण छत्तीसगढ़ की राज्य सलाहकार श्रीमती मधुरिमा महेन्द्र गिरी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगी। वे उपस्थित जनप्रतिनिधियों और स्वच्छताकर्मियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रमुख प्रावधानों, पंचायतों की भूमिका एवं दायित्वों, तथा सूखा, गीला, हानिकारक और सैनिटरी जैसे चार प्रकार के कचरे के सही पृथक्करण की विस्तार से जानकारी प्रदान करेंगी।

विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन

जगदलपुर, 5 अगस्त । ग्रामीण विकास रोजगार सृजन और आजीविका संवर्धन के संकल्प को साकार करने की दिशा में जगदलपुर स्थित शहीद गुंडाधुर कृषि महाविद्यालय कुम्हरावंड के ऑडिटोरियम में 'विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन के अंतर्गत तीन दिवसीय संभाग स्तरीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। 03 से 05 अगस्त तक आयोजित इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में बस्तर संभाग के सभी 7 जिलों बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, नारायणपुर, कांकेर, कोंडागांव और बीजापुर की जनपद पंचायतों के कुल 490 निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान निमोरा रायपुर के मार्गदर्शन में आयोजित इस गैर-आवासीय प्रशिक्षण शिविर में विशेषज्ञों और मास्टर ट्रेनर्स द्वारा जनप्रतिनिधियों को योजना के दूरगामी उद्देश्यों और प्रमुख कानूनी प्रावधानों की गहन जानकारी दी गई। कार्यशाला के दौरान ग्राम पंचायत स्तर पर परिसंपत्तियों व विकास कार्यों की पहचान, ग्रामसभा से उनके अनुमोदन, तकनीकी स्वीकृति तथा क्रियान्वयन की पारदर्शी प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने और दीर्घकालिक जनोपयोगी परिसंपत्तियों के निर्माण की रणनीतियों पर विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

धमतरी में 21 अगस्त को जनजातीय कारीगर सूचीबद्ध एम्पैनलमेंट मेला

धमतरी, 5 अगस्त । जनजातीय कारीगरों, स्वयं सहायता समूहों, वन धन विकास केंद्रों (वीडीवीके), किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) तथा जनजातीय उद्यमियों को उनके उत्पादों के बेहतर विपणन एवं व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आगामी 21 अगस्त 2026 को धमतरी में जनजातीय कारीगर सूचीबद्ध (एम्पैनलमेंट) मेला आयोजित किया जाएगा। इस मेले का आयोजन ट्राइफेड (ञ्जक्रढ्ढस्नश्वष्ठ), जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जिला प्रशासन धमतरी के सहयोग से किया जा रहा है।मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जयंत नाहटा ने बताया कि इस मेले के माध्यम से पात्र जनजातीय कारीगरों एवं उद्यमियों का ट्राइफेड में सूचीबद्ध (एम्पैनल) किया जाएगा। सूचीबद्ध होने के पश्चात उन्हें ट्राइफेड द्वारा आयोजित राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनियों आउटलेट्स, व्यापार मेलों, विशेष प्रदर्शनियों तथा अन्य विपणन गतिविधियों में अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं विक्रय का अवसर प्राप्त होगा। इससे उनके उत्पादों को व्यापक पहचान मिलने के साथ-साथ बेहतर मूल्य एवं नए बाजार भी उपलब्ध होंगे।उन्होंने बताया कि मेले में वस्त्र एवं हस्तशिल्प, धातु शिल्प, जैविक एवं प्राकृतिक उत्पाद, मिट्टी शिल्प, बांस एवं बेंत शिल्प, जनजातीय आभूषण, उपहार एवं सहायक उत्पाद, पारंपरिक चित्रकला तथा अन्य जनजातीय हस्तनिर्मित उत्पादों का सूचीबद्धीकरण किया जाएगा।

कलेक्टर ने पखांजूर क्षेत्र के दूरस्थ गांवों में विकास कार्यों का निरीक्षण किया

कांकेर, 5 अगस्त । कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर आज कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के दूरस्थ ग्रामों का आकस्मिक दौरा कर विभिन्न विकास कार्यों, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा जनसमस्याओं से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए समस्याओं के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सितरम क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर वहां स्थित स्कूलों, आश्रम छात्रावासों तथा घरों में जाकर लोगों का हालचाल पूछा तथा स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी ली। इस दौरान ग्राम कंदाड़ी में मलेरिया से पीड़ित लगभग 08 वर्षीय बालक को मोटर बोट पर अपने साथ लाकर तत्काल सिविल अस्पताल पखांजूर में भर्ती कराया।

कलेक्टर श्री क्षीरसागर ने आज कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के दूरस्थ एवं दुर्गम इलाके में बसे ग्राम कंदाड़ी, आलदण्ड, खैरीपदर, बांगो भोड़िया आदि का मौका मुआयना कर वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने ग्राम कंदाड़ी के घोटुल में पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान इसी ग्राम के टोलापारा में मलेरिया प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। मलेरिया प्रभावित तीन परिवारों से मुलाकात के दौरान 08 वर्षीय बीमार बालक की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए उसे अपने साथ मोटरबोट से लाकर सिविल अस्पताल पखांजूर में भर्ती कराया तथा बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश बीएमओ को दिए।

नाव से नदी पार कर लिया विभिन्न ग्रामों का लिया जायजा

इसके पश्चात कलेक्टर बेचाघाट पहुंचे, जहां जलभराव की स्थिति के कारण उन्होंने मोटर बोट से नदी पार कर दोपहिया वाहन के माध्यम से कंदाड़ी घोटुल पहुंचे, जहां ग्रामीणों की मांग पर आवागमन की सुविधा के लिए क्षेत्र में दो अतिरिक्त मोटरबोट उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मोटरसायकल पर सवार होकर खैरीपदर एवं बांगोभोड़िया के जर्जर स्कूल भवनों का अवलोकन किया और नए भवनों की स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कांदाड़ी आंगनबाड़ी भवन का निरीक्षण कर निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही कंदाड़ी शासकीय प्री-मैट्रिक 50 सीटर छात्रावास का निरीक्षण किया, जहां केवल 25 छात्र उपस्थित पाए गए। उन्होंने छात्रावास की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए नए भवन की स्वीकृति के लिए आवश्यक कार्रवाई की बात कही। इसके अलावा ग्राम छोटेबेठिया स्थित नवनिर्मित प्री-मैट्रिक छात्रावास का भी निरीक्षण किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को शेष निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कर छात्रावास को उपयोग के लिए तैयार करने के निर्देश दिए। क्षेत्र के भ्रमण के दौरान कंदाड़ी के सरपंच ने नल-जल योजना के तहत पेयजल आपूर्ति नहीं होने की समस्या से कलेक्टर को अवगत कराया। इस पर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने कंदाड़ी के पात्र ग्रामीणों को प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत अधिक से अधिक लाभ दिलाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसपी श्री निखिल राखेचा, जिला पंचायत सीईओ श्री हरेश मण्डावी, जनपद पंचायत कोयलीबेड़ा के सीईओ श्री उदय नाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

समाचार संक्षेप

कबड्डी खेलते समय छात्र हुआ घायल कोमलदेव अस्पताल में भर्ती

चारामा, 5 अगस्त। शाला परिसर में कबड्डी खेलते समय कक्षा 6 वीं का छात्र घायल हो गया जिसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चारामा लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद छात्र को कोमलदेव अस्पताल कांकेर रिफर कर दिया गया है। छात्र के पिता अर्जुनराम विश्वकर्मा ने बताया कि शुक्रवार 31 जुलाई को उसका पुत्र स्कूल में कबड्डी खेलते समय घायल हो गया जिसकी सूचना शिक्षक के द्वारा दिये जाने पर वह तुरंत स्कूल पहुंचा और शिक्षक व अन्य लोगो की मदद से छात्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चारामा लाया गया जहां डॉक्टर ने छात्र के पैर की हड्डी टुटने एवं गंभीर चोटे आने की बात बताते हुए उसे बेहतर ईलाज के लिए कोमलदेव अस्पताल कांकेर रिफर कर दिया। कोमलदेव अस्पताल कांकेर में भर्ती होने के बाद डॉक्टरों ने कहा है कि छात्र के घुटने के नीचे की हड्डी टुट गई है जिसका ऑपरेशन किया जायेगा। वर्तमान में छात्र का ईलाज कोमलदेव अस्पताल में चल रहा है।

अधिक मूल्य पर खाद विक्रय करने वाली एजेंसी का उर्वरक विक्रय प्राधिकार पत्र निलंबित

कांकेर, 5 अगस्त । अधिसूचित प्राधिकारी (उर्वरक) एवं उप संचालक कृषि श्री जितेन्द्र कोमरा ने कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के पखांजूर में कृषि सामग्री जैसे- खाद उचित मूल्य से अधिक कीमत पर विक्रय किए जाने के संबंध में प्राप्त शिकायत के विरूद्ध जांच दल द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर संबंधित एजेंसी का उर्वरक विक्रय प्राधिकार पत्र तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्यवाही अनुविभागीय कृषि अधिकारी भानुप्रतापपुर की अध्यक्षता में गठित जांच दल से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर किया गया।अधिसूचित प्राधिकारी (उर्वरक) एवं उप संचालक कृषि ने बताया कि पखांजूर के कृषक श्री रवीन मजूमदार निवासी पीव्ही 14 एवं सुदाम गाईन पीव्ही 12 को मेसर्स देवनाथ एजेंसी के प्रोप्राइटर श्री शतदल देवनाथ नया बाजार पखांजूर द्वारा कृषि सामग्री (खाद) को उचित मूल्य से अधिक कीमत पर विक्रय किए जाने के संबंध में लिखित शिकायत प्राप्त हुई थी। इस संबंध में अनुविभागीय कृषि अधिकारी भानुप्रतापपुर की अध्यक्षता में जांच दल गठित की गई तथा संबंधित कृषकों के लिखित बयान एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच दल द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। उक्त शिकायत को सही पाए जाने पर अधिसूचित प्राधिकारी (उर्वरक) एवं उप संचालक कृषि ने उर्वरक (अकार्बनिक, कार्बनिक य मिश्रण) (नियंत्रण) आदेश, 1985 के खण्ड-31(1) में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मेसर्स देवनाथ एजेंसी प्रोप्राइटर श्री शतदल देवनाथ नया बाजार पखांजूर विकासखण्ड कोयलीबेड़ा को जारी उर्वरक विक्रय प्राधिकार पत्र को अंतरिम उपाय के रूप में निलंबित करने का आदेश जारी किया है।

बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन कर राहत प्रकरण तैयार करें : कलेक्टर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर, 5 अगस्त। जिले में हाल ही में हुई लगातार बारिश और बाढ़ से हुए नुकसान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर विश्वदीप ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षति का तत्काल सर्वेक्षण कर आरबीसी 6-4 के तहत पात्र प्रकरण शीघ्र तैयार किए जाएं, ताकि प्रभावित परिवारों को समय पर राहत एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

साप्ताहिक समय-सीमा समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने कहा कि भोपालपटनम और भैरमगढ़ विकासखंड बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित रहे। बाढ़ के दौरान प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, नगर सेना तथा अन्य विभागों द्वारा किए गए राहत एवं बचाव कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इसी टीम भावना के साथ आगे भी कार्य किया जाए। उन्होंने राहत शिविरों में राशन, पेयजल और अन्य आवश्यक सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा राहत भवनों को हर समय उपयोग योग्य स्थिति में रखने के निर्देश दिए।उन्होंने बाढ़ से क्षतिग्रस्त स्कूलों, आंगनबाड़ी केन्द्रों, आश्रमों और छात्रावासों की प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कराने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई और आवासीय व्यवस्था प्रभावित न हो। लोक निर्माण विभाग एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की एजेंसियों को क्षतिग्रस्त सड़क, पुल-पुलियों और कटाव वाले स्थलों की शीघ्र मरम्मत कर आवागमन बहाल करने को कहा गया। स्वास्थ्य विभाग को जीवनरक्षक दवाओं का पर्याप्त भंडारण, नियमित स्वास्थ्य शिविर, मलेरिया, डेंगू और अन्य जलजनित रोगों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाने तथा जलभराव वाले क्षेत्रों में साफ-सफाई और मच्छर नियंत्रण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।बैठक में कलेक्टर ने विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए बस्तर मुन्ने कार्यक्रम के तहत योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन एवं समयबद्ध पोर्टल प्रविष्टि सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने नक्सल पीड़ित परिवारों, नक्सली हिंसा में घायल व्यक्तियों तथा आत्मसमर्पित नक्सलियों को प्राथमिकता के आधार पर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। साथ ही परिवहन में 50 प्रतिशत किराया रियायत हेतु प्रमाण-पत्र जारी करने, कृषि विभाग को एग्रीस्टेक के तहत किसानों का शत-प्रतिशत पंजीयन, राजस्व विभाग को स्वामित्व योजना के लंबित पट्टों का वितरण तथा श्रम विभाग को पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों को छात्रवृत्ति योजना का अधिकतम लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए।बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नम्रता चौबे, अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर उत्तम सिंह पंचारी, उप संचालक जनसंपर्क दिनेश नेताम सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी, एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रतिबंधित एनालॉग उत्पादों पर प्रतिबंध के संबंध में खाद्य कारोबारियों को बैठक में जानकारी दी

महासमुन्द 5 अगस्त । खाद्य सुरक्षा, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन एवं कलेक्टर श्री विनय लंगेह के निर्देशानुसार आज जिले में उपसंचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन, महासमुन्द द्वारा एनालॉग पनीर एवं अन्य प्रतिबंधित एनालॉग उत्पादों के उपयोग एवं विक्रय पर प्रतिबंध के संबंध में खाद्य कारोबारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभिहित अधिकारी एवं होटल, रेस्टोरेंट, मिठाई निर्माता, डेयरी संचालक, थोक एवं फुटकर विक्रेता, वितरक तथा अन्य खाद्य कारोबारी शामिल हुए।

बैठक में राज्य शासन द्वारा एनालॉग पनीर एवं अन्य प्रतिबंधित एनालॉग उत्पादों के निर्माण, भंडारण, परिवहन, विक्रय एवं खाद्य पदार्थों में उपयोग पर लगाए गए प्रतिबंध की जानकारी विस्तार से दी गई। सभी खाद्य कारोबारियों को निर्देशित किया गया कि वे तत्काल प्रभाव से ऐसे उत्पादों का उपयोग एवं व्यापार पूर्णतः बंद करें तथा केवल विधिसम्मत एवं मानक अनुरूप खाद्य पदार्थों का ही उपयोग एवं विक्रय करें।बैठक में खाद्य कारोबारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। जिसके अनुसार सभी खाद्य पदार्थों की खरीद केवल अधिकृत एवं लाइसेंसधारी विक्रेताओं से करें। प्रत्येक खरीद का बिल, टैक्स इनवॉइस एवं स्टॉक रिकॉर्ड सुरक्षित रखें।

निरीक्षण के दौरान संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। किसी भी संदिग्ध अथवा प्रतिबंधित उत्पाद का भंडारण अथवा विक्रय न करें। होटल, रेस्टोरेंट एवं मिठाई प्रतिष्ठानों में उपयोग किए जा रहे पनीर के स्रोत की जानकारी अभिलेखों सहित सुरक्षित रखें। सभी खाद्य कारोबारियों से प्रतिबंध का पालन करने संबंधी स्वघोषणा-पत्र प्राप्त किया गया।बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि आगामी दिनों में जिले में विशेष निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। होटल, रेस्टोरेंट, मिठाई प्रतिष्ठानों, थोक विक्रेताओं, डेयरियों, कोल्ड स्टोरेज तथा अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का जोखिम आधारित निरीक्षण किया जाएगा। आवश्यकतानुसार नमूने लेकर परीक्षण कराया जाएगा तथा प्रतिबंधित उत्पाद पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा उसके अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।अभिहित अधिकारी श्री उमेश वर्मा ने सभी खाद्य कारोबारियों से अपील की है कि वे उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रतिबंध का पूर्णतः पालन करें तथा किसी भी प्रकार के प्रतिबंधित एनालॉग उत्पाद का निर्माण, विक्रय अथवा उपयोग न करें। आम नागरिकों से भी अनुरोध किया गया कि यदि कहीं प्रतिबंधित उत्पादों के विक्रय अथवा उपयोग की जानकारी प्राप्त हो तो इसकी सूचना खाद्य सुरक्षा विभाग को दें।

जिला पंचायत सामान्य सभा और सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 7 अगस्त को

जगदलपुर 5 अगस्त । जिला पंचायत बस्तर के सभाकक्ष में आगामी 7 अगस्त 2026 को जिला पंचायत सामान्य सभा और सामान्य प्रशासन समिति की पृथक-पृथक बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिनमें जिले के विभिन्न विकास कार्यों और विभागीय योजनाओं की समीक्षा होगी। जिसके तहत 7 अगस्त को प्रातः 11 बजे जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक होगी।

निधन

सुशील चंद्र नाग

जगदलपुर। हस्तशिल्प एवं काष्ठ (काठ) मूर्ति निर्माण के क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यापारी स्वर्गीय सुशील चंद्र नाग (नाग बाबू) का दिनांक 4 अगस्त 2026 को सायं 8.50 बजे डिमरापाल मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान दुःखद निधन हो गया। उनके निधन से परिवार, मित्रों, शुभचिंतकों तथा हस्तशिल्प जगत को अपूरणीय क्षति पहुंची है। उनका सरल व्यक्तित्व, कर्मनिष्ठा एवं समाज के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा।

वे अपने पीछे बड़े पुत्र देव दुलाल नाग, छोटे पुत्र नंद दुलाल नाग सहित समस्त शोकाकुल परिवार को छोड़ गए हैं। दिवंगत आत्मा के पार्थिव शरीर का अंतिम दर्शन एवं अंतिम यात्रा उनके निवास अनुकूल देव वार्ड क्रमांक-31, हाट हॉट-कचोरा जगदलपुर जिला बस्तर से आज, दिनांक 5 अगस्त 2026 (बुधवार) प्रातः 11:00 बजे प्रारंभ होगी। तत्पश्चात आड़ावाल स्थित गोरिया बहार घाट में उनका अंतिम संस्कार संपन्न किया जाएगा।ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

अपनी मांगों को लेकर माइंस गेट के सामने प्रदर्शन

जनमुक्ति मोर्चा ने विरोध प्रदर्शन कर नारेबाजी की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दल्लीराजहरा, 5 अगस्त। जन मुक्ति मोर्चा छत्तीसगढ़ के कृषि कार्यालय में समस्त साथी एक साथ एकत्रित हो कर बाईक रैली के माध्यम से माइंस ऑफिस चौक पहुंच कर मजदूरों के विभिन्न मांगों को लेकर माइंस ऑफिस गेट के सामने विरोध प्रदर्शन करने लगे और जम कर नारा बाजी करने लगे जिसमे मुख्य रूप सर जन मुक्ति मोर्चा जिन्दाबाद, जगननाथ प्लांट में केंद्रीय वेतन मान लागू करो, डीएव्ही स्कूल में ठेका श्रमिको के बच्चों को छूट दिया जाए समान काम समान वेतन दिया जाए,समस्त ठेका श्रमिको को नाईट एलाउंस 180 रु किया जाए, सभी ठेका श्रमिको को 150 रु माइंस एलाउंस देना होगा,सभी ठेका श्रमिको को ओपीडी के साथ आईपीडी मेडिकल सुविधा देना होगा, माइंस में बन्द पड़े काम को चालू करो, ठेका खत्म होने के पहले ठेका प्रक्रिया को पूरा कर ठेका श्रमिको को रेगुलर काम दो के साथ अन्य प्रमुख नारों से माइंस ऑफिस चौक गूंज उठा घण्टो प्रदर्शन के पश्चात जन मुक्ति मोर्चा के प्रतिनिधि मंडल जिसमे कॉ बसन्त रावटे, सरकार दादा, मूलचंद चन्देल, महेंद्र गंजिर, ईशवर निर्मलकर को माइंस के सक्षम अधिकारियों द्वारा माइंस ऑफिस में बुलाया गया और प्रतिनिधि मंडल ने ठेका श्रमिको के विभिन्न मांगों को अधिकारियों के बीच मांग पत्र में प्रमुख मांग को व मौखिक रूप से अन्य मांगों को सहायक प्रबन्धन शैलेश पटनायक के सामने रखे जिसमे अधिकारी द्वारा कुछ दिनों का समय मांगा गया।

जिसमें प्रमुख मांग

1. दल्ली माइंस के हितकसा डेम का कार्य 07 जुलाई 2026 को समाप्त हो रहा है उसमें काम करने वाले श्रमिको को 23/11/2022 को हुए समझौते अनुसार बारह माह काम दिया जाए।(02) आई ओ सी राजहरा में सभी विभागों के कैंटीन का ठेका जल्दी कर काम चालू किया जाए।

3. बी एस बी के प्लांट का निविदा जल्दी कराया जाए। 4. KCS (कुमार कार्गो) के बन्द पड़े क्रेशर प्लांट को जल्दी चालू किया जाए। 05 KCS बन्द पड़े ओवर बर्डन के कार्य को चालू किया जाए। 6 आईओसी राजहरा के BEML मार्क के कार्य समाप्ति दिवस 15/09/2026 के पहले तत्काल निविदा कराया जाए।

इसके अलावा अन्य मुद्दों पर मौखिक चर्चा की

इस धरना प्रदर्शन में जन मुक्ति मोर्चा के जीत गुहा नियोगी शत्रुधन साहू, महेंद्र कुमार साहू, चन्द्रशेखर यादव, महेश कोला, दयालु भंडारी, ग्रिजेश नायक, के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डेयरी एनालाग पर प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने

खाद्य विभाग ने कई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर नमूने जांच के लिए भेजे

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 5 अगस्त। उपभोक्ताओं को मिलावटी एवं अमानक डेयरी उत्पादों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन रायगढ़ ने जिले में डेयरी एनालॉग (नकली पनीर, क्रीम एवं मक्खन) के निर्माण, भंडारण, परिवहन एवं विक्रय पर पूर्ण प्रतिबंध के निर्देशों का कड़ाई से पालन शुरू कर दिया है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मंगलवार को शहर एवं आसपास के प्रमुख डेयरी प्रतिष्ठानों का आकस्मिक निरीक्षण कर खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच की तथा संदिग्ध डेयरी उत्पादों के नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और मिलावटी अथवा अमानक डेयरी उत्पादों के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने बड़े रामपुर स्थित फेसशेल डेयरी का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान की स्वच्छता व्यवस्था, अभिलेखों तथा उत्पादन संबंधी दस्तावेजों की बारीकी से जांच की गई। निरीक्षण में डेयरी एनालॉग पनीर का उत्पादन अथवा भंडारण नहीं मिला, लेकिन संदेह के आधार पर प्रतिष्ठान से दही एवं पनीर के नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे गए। इसके अलावा शहर के गणगौर स्वीट्स से पनीर एवं यूज्ड कुकिंग ऑयल के नमूने भी जांच के लिए लिए गए। वहीं जूटमिल स्थित मामा डेयरी, गणेश डेयरी एवं सुश्री होटल का भी निरीक्षण कर संचालकों को खाद्य सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करने तथा किसी भी प्रकार के डेयरी एनालॉग उत्पाद का उपयोग नहीं करने की सख्त हिदायत दी गई।

क्या है डेयरी एनालॉग, क्यों माना जा रहा है स्वास्थ्य के लिए खतरा

अभिहित अधिकारी सुधा चौधरी ने बताया कि डेयरी एनालॉग ऐसे उत्पाद होते हैं जिनमें प्राकृतिक दूध के स्थान पर वनस्पति तेल, वनस्पति वसा एवं अन्य गैर-दुग्ध अवयवों का उपयोग किया जाता है। ये उत्पाद देखने में सामान्य पनीर, क्रीम या मक्खन जैसे ही प्रतीत होते हैं, जिससे उपभोक्ता आसानी से भ्रमित हो सकते हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के निर्देशों के अनुरूप ऐसे उत्पादों के संबंध में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी डेयरी एवं खाद्य कारोबारियों को डेयरी एनालॉग उत्पादों के निर्माण, भंडारण, परिवहन एवं विक्रय पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

उपभोक्ताओं से सतर्क रहने की अपील, शिकायत के लिए हेल्पलाइन जारी

खाद्य सुरक्षा विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे डेयरी उत्पाद खरीदते समय पैकेट पर अंकित जानकारी अवश्य पढ़ें और यदि किसी उत्पाद पर डेयरी एनालॉग लिखा हो तो उसे खरीदने से बचें। इसके साथ ही खुले में बिकने वाले पनीर, दूध एवं दूध से बनी मिठाइयों की गुणवत्ता को लेकर विशेष सावधानी बरतें तथा केवल एफएसएसएआई लाइसेंसधारी एवं विश्वसनीय प्रतिष्ठानों से ही खाद्य सामग्री खरीदें। यदि किसी भी स्थान पर मिलावटी खाद्य पदार्थ अथवा संदिग्ध डेयरी उत्पादों के निर्माण या बिक्री की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तत्काल खाद्य एवं औषधि प्रशासन के हेल्पलाइन नंबर 9340597097 पर दें।

निरीक्षण दल में अभिहित अधिकारी सुधा चौधरी, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी नेमीचंद पटेल तथा नमूना सहायक सुमन अग्रवाल शामिल रहे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण एवं सैंपलिंग की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

एक नजर

किरोड़ीमल शासकीय पॉलीटेक्निक में अंशकालीन व्याख्याताओं की भर्ती के लिए 14 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

रायगढ़, 5 अगस्त। किरोड़ीमल शासकीय पॉलीटेक्निक, रायगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अंशकालीन व्याख्याताओं की भर्ती की जाएगी। संस्थान द्वारा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में 1 तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग में 2 पदों पर योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी होगी तथा चयन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के निर्धारित मानकों के अनुसार किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी 14 अगस्त 2026 तक आवेदन जमा कर सकते हैं।किरोड़ीमल शासकीय पालीटेक्निक रायगढ़ के प्राचार्य ने बताया कि अंशकालीन व्याख्याता पद के लिए संबंधित शाखा में बी.ई./बी.टेक. में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक या समकक्ष योग्यता अनिवार्य है। अभ्यर्थियों को एम.टेक./एम.ई., पीएच.डी., शिक्षण अनुभव तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित शोध पत्र अथवा कॉन्फ्रेंस प्रेजेंटेशन के आधार पर अतिरिक्त अंक प्रदान किए जाएंगे। चयन प्रक्रिया पूरी तरह एआईसीटीई के दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपन्न होगी।संस्थान द्वारा चयनित अंशकालीन व्याख्याताओं को प्रति पीरियड 800 रुपये की दर से पारिश्रमिक दिया जाएगा। अधिकतम 56,100 रुपये प्रतिमाह तक भुगतान किया जा सकेगा। नियमित कार्यावधि सुबह 10.30 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगी। इसके अतिरिक्त आवश्यकता अनुसार शाम 6 बजे से रात 9.20 बजे तक संचालित अंशकालीन डिप्लोमा पाठ्यक्रम की कक्षाएं भी लेना अनिवार्य होगा। संस्थान ने स्पष्ट किया है कि पदों की संख्या आवश्यकता के अनुसार परिवर्तित की जा सकती है। 14 अगस्त तक प्राप्त आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे। इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र समस्त शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों के साथ प्राचार्य, किरोड़ीमल शासकीय पॉलीटेक्निक, रायगढ़ के नाम कार्यालय में स्वयं जमा कर सकते हैं अथवा डाक के माध्यम से भेज सकते हैं। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। भर्ती से संबंधित विस्तृत पात्रता, चयन प्रक्रिया एवं अन्य जानकारी संस्थान की वेबसाइट https://www.kgpraigarh.ac.in तथा संस्था के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

लाईवलीहुड कॉलेज रायगढ़ में अस्थायी प्रशिक्षक के लिए आवेदन आमंत्रित

रायगढ़, 5 अगस्त। जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज सोसायटी, रायगढ़ द्वारा जीएसटी असिस्टेंट कोर्स के संचालन हेतु एक पूर्णतः अस्थायी प्रशिक्षक को इम्पैनल किए जाने के लिए इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी आवश्यक शैक्षणिक योग्यता, अनुभव एवं आवेदन से संबंधित विस्तृत जानकारी जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज, रायगढ़ के सूचना पटल से प्राप्त कर सकते हैं।

योग्य आवेदक अपना आवेदन 11 अगस्त तक सीधे कार्यालय में जमा कर उसकी पावती प्राप्त कर सकते हैं। कॉलेज प्रबंधन ने निर्धारित तिथि के भीतर आवेदन जमा करने की अपील करते हुए कहा है कि केवल पात्र अभ्यर्थियों के आवेदन पर ही नियमानुसार आगे की प्रक्रिया की जाएगी।

जिले में 556 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज

रायगढ़, 5 अगस्त । रायगढ़ जिले में 4 अगस्त तक 556.5 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। बीते 24 घंटे में जिले में 16.5 मिली मीटर औसत वर्षा हुई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून 2026 से अब तक जिले के रायगढ़ तहसील में 738.5 मिली मीटर, पुसौर में 618.3, खरसिया में 510.3, घरघोड़ा में 386.7, तमनार में 748.3, लैलूंगा में 477.6, मुकडेगा में 418.5, धरमजयगढ़ में 359.6, छाल में 591.4 एवं कापू में 710.3 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

हर विकासखंड में रैपिड रिस्पांस टीम सक्रिय

मलेरिया नियंत्रण के लिए आसपास के लोगों की भी होगी जांच

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 5 अगस्त। कलेक्टर के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत के मार्गदर्शन में मलेरिया नियंत्रण एवं रोकथाम को लेकर जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मलेरिया की वर्तमान स्थिति, प्रभावित क्षेत्रों, जांच, उपचार तथा बचाव संबंधी रणनीति की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी क्षेत्र में मलेरिया का एक भी मामला सामने आने पर तत्काल सक्रिय होकर जांच, उपचार और निगरानी की जाएगी, ताकि संक्रमण का प्रसार रोका जा सके।

बैठक में जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. टी.जी. कुलवेदी ने पिछले वर्ष एवं वर्तमान वर्ष के मलेरिया प्रकरणों की तुलनात्मक समीक्षा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि जिन क्षेत्रों में वर्तमान में मलेरिया के मामले सामने आ रहे हैं, वहां केवल मरीज ही नहीं बल्कि उसके घर और आसपास रहने वाले सभी लोगों की भी मलेरिया जांच कराई जाएगी। जांच में संक्रमित पाए जाने वाले सभी मरीजों का तत्काल उपचार सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले के प्रत्येक विकासखंड में रैपिड रिस्पांस टीम (आरआरटी) का गठन किया गया है, जो मलेरिया मरीजों की सतत निगरानी, शत-प्रतिशत जांच, उपचार और फॉलोअप सुनिश्चित करेगी। साथ ही निर्देश दिए गए हैं कि मलेरिया का कोई भी नया मामला सामने आते ही तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी जाए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर संभावित आउटब्रेक की स्थिति को रोका जा सके।

स्वास्थ्य विभाग ने बताए बचाव के उपाय

बैठक में आमजन को मलेरिया से बचाव के लिए जरूरी सावधानियों की जानकारी भी दी गई। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की कि वे अपने घर और आसपास साफ-सफाई बनाए रखें, सोते समय कीटनाशक दवा से उपचारित मच्छरदानी का उपयोग करें, पूरे शरीर को ढंकने वाले कपड़े पहनें तथा पानी के बर्तनों को हमेशा ढंककर रखें। बुखार आने पर बिना देरी किए निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र में मलेरिया की जांच कराएं और संक्रमण की पुष्टि होने पर चिकित्सक के निर्देशानुसार दवाओं का पूरा कोर्स अवश्य पूरा करें। इसके साथ ही लोगों को यह भी बताया गया कि घर या आसपास कहीं भी जलभराव न होने दें, छत या आंगन में ऐसी अनुपयोगी वस्तुएं न रखें जिनमें पानी जमा हो सके तथा पानी की टंकियों को खुला न छोड़ें। स्वास्थ्य विभाग ने चेतावनी दी कि मलेरिया रोधी दवा का सेवन बीच में बंद करना बीमारी को गंभीर बना सकता है, इसलिए उपचार अधूरा नहीं छोड़ना चाहिए।

मलेरिया मुक्त जिला बनाने का लक्ष्य, स्वास्थ्य विभाग ने मांगा जनसहयोग

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री रंजना पैंकरा ने जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में मलेरिया जांच एवं उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत मलेरिया नियंत्रण स्वास्थ्य विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। लगातार किए जा रहे प्रयासों और आमजन के सहयोग से जिले में मलेरिया के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यदि सभी विभागों और नागरिकों का सहयोग इसी प्रकार मिलता रहा तो जल्द ही रायगढ़ जिले को मलेरिया मुक्त जिला घोषित करने का लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा। साथ ही राज्य शासन की मंशा के अनुरूप पूरे छत्तीसगढ़ को भी मलेरिया मुक्त राज्य बनाने की दिशा में प्रभावी कार्य किया जा रहा है।

दिव्यांगों को अत्याधुनिक निःशुल्क पुनर्वास सेवाओं का मिलेगा लाभ

रायगढ़, 5 अगस्त । जिले के दिव्यांगजनों को अत्याधुनिक एवं निःशुल्क पुनर्वास सेवाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से प्रशासन ने विशेष पहल शुरू की है। इसके तहत ऐसे दिव्यांगजनों का चिन्हांकन किया जाएगा, जिन्हें कृत्रिम अंग, ऑर्थोटिक उपकरण, सहायक उपकरण, फिजियोथेरेपी अथवा अन्य पुनर्वास सेवाओं की आवश्यकता है। चिन्हित हितग्राहियों को आवश्यक चिकित्सीय दस्तावेजों सहित कार्यालय फिजिकल रिफरल रिहैबिलिटेशन सेंटर (पी.आर.आर.सी.) एवं सेरेब्रल पाल्सी गेट लैब, माना कैम्प, रायपुर भेजा जाएगा, जहां विशेषज्ञों द्वारा आधुनिक तकनीकों के माध्यम से सभी सेवाएं पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं।

आधुनिक तकनीक से कृत्रिम अंग और पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध

समाज कल्याण विभाग के उप संचालक ने बताया कि पी.आर.आर.सी. माना कैम्प, रायपुर राज्य का एक विशेषीकृत पुनर्वास संस्थान है, जहां विभिन्न प्रकार के दिव्यांगजनों को आधुनिक मशीनों एवं विशेषज्ञ सेवाओं के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली पुनर्वास सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। संस्थान में कृत्रिम अंग (प्रोस्थेटिक), ऑर्थोटिक उपकरण, विशेष सहायक उपकरणों का सटीक निर्माण, फिटमेंट एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाता है। इससे दिव्यांग हितग्राहियों की कार्यक्षमता बढ़ने के साथ उनके जीवन की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार हो रहा है।

सेरेब्रल पाल्सी, स्ट्रोक और न्यूरोलॉजिकल मरीजों के लिए विशेष सुविधा

संस्थान परिसर में स्थापित सेरेब्रल पाल्सी गेट लैब में अत्याधुनिक फिजियोथेरेपी एवं गेट एनालिसिस मशीनों की सहायता से विशेषज्ञ फिजियोथेरेपिस्ट वैज्ञानिक पद्धति से फिजियोथेरेपी, गेट ट्रेनिंग, बैलेंस ट्रेनिंग, मसल री-एजुकेशन सहित विभिन्न पुनर्वास सेवाएं प्रदान करते हैं। इन सुविधाओं से विशेष रूप से सेरेब्रल पाल्सी, स्ट्रोक, स्पाइनल कॉर्ड इंजरी, न्यूरोलॉजिकल तथा अस्थि संबंधी दिव्यांगजन लाभान्वित हो रहे हैं। निजी संस्थानों में इन सेवाओं पर भारी खर्च आता है, जबकि यहां सभी सुविधाएं पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध हैं। दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले दिव्यांग हितग्राहियों एवं उनके एक सहयोगी के लिए आवश्यकता अनुसार निःशुल्क आवास की व्यवस्था भी की गई है।

स्कूली बच्चों सहित पात्र दिव्यांगजनों के चिन्हांकन पर विशेष जोर

प्रशासन ने जिले के सभी विकासखंडों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, जिला चिकित्सालय, जनपद पंचायतों, नगरीय निकायों, विशेष विद्यालयों, समावेशी शिक्षा से जुड़े अधिकारियों एवं संबंधित संस्थाओं को इन सेवाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं। विशेष रूप से ऐसे स्कूली बच्चों अथवा शिक्षा से वंचित बच्चों का चिन्हांकन किया जाएगा, जो सेरेब्रल पाल्सी या अन्य दिव्यांगता के कारण शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं। उनका समय पर उपचार एवं पुनर्वास सुनिश्चित कर उन्हें मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों से समन्वय बनाकर अधिक से अधिक पात्र दिव्यांगजनों तक इस निःशुल्क एवं अत्याधुनिक पुनर्वास सुविधा का लाभ पहुंचाने की अपील की है।

सोलर पंप सुधारने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में की शिकायत,कुछ ही घंटों में हुई मरम्मत

कांकेर 5 अगस्त । छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आम जनता की समस्याओं व शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के उद्देश्य से सीएम हेल्पलाइन 1076 प्रारंभ किया गया है। समय-सीमा पर आधारित उक्त हेल्पलाइन लोगों की समस्याओं के शीघ्र समाधान का जरिया बन गई है। ऐसा ही एक मामला दुर्गूकोंदल विकासखण्ड की ग्राम पंचायत चिखली के आश्रित ग्राम हड़फड़ में देखने को मिला, जहां हेल्पलाइन नंबर 1076 पर शिकायत के कुछ घंटों के भीतर ही गांव के बिगड़े हुए सोलर पंप का तत्काल सुधार क्रेडा विभाग द्वारा किया गया। खराब सोलर पंप का सुधार कार्य पूरा होने के बाद ग्रामीणों को राहत मिली। पेयजल संकट से जूझ रहे गांव में अब स्वच्छ पेयजल की सुविधा फिर से बहाल हो गई है। ग्रामीणों की समस्या की जानकारी मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नम्बर 1076 के माध्यम से जानकारी मिलने पर मामले को गंभीरता से लेते हुए क्रेडा विभाग द्वारा तत्काल आवष्यक कार्यवाही करते हुए विभागीय टीम ने मौके पर पहुंची ।

अधिकार,सुरक्षा व संरक्षण के लिए स्कूल में बच्चों को किया जागरूक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दल्लीराजहरा, 5 अगस्त। बच्चों की सुरक्षा, अधिकार और संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विकासखंड की मास्टर ट्रेनर मोना रावत के मार्गदर्शन में शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला टेकाढोड़ा में विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम बाल संरक्षण और चाइल्ड हेल्पलाइन के संयुक्त तत्वावधान में रखा गया।इस दौरान विद्यार्थियों को उनके बाल अधिकारों, सुरक्षा उपायों और आपातकालीन सहायता सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्हें विभिन्न कानूनों और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई ताकि किसी भी विपरीत परिस्थिति में वे सही कदम उठाकर मदद ले सकें। कार्यक्रम में बच्चों को पॉक्सो अधिनियम 2012, किशोर न्याय अधिनियम 2015 और बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों की जानकारी दी गई। साथ ही बताया गया कि शोषण, उत्पीड़न या किसी भी प्रकार की असुरक्षा की स्थिति में वे तुरंत मदद मांग सकते हैं। मास्टर ट्रेनर मोना रावत ने चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 की जानकारी देते हुए कहा कि यह संकट में फंसे बच्चों के लिए 24 घंटे उपलब्ध एक महत्वपूर्ण सहायता सेवा है। बच्चों को गुड टच-बैड टच का अंतर, साइबर अपराधों से बचाव और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में भी बताया गया। उन्हें समझाया गया कि इंटरनेट और मोबाइल का इस्तेमाल कैसे सुरक्षित तरीके से किया जाए और किसी अंजान व्यक्ति से ऑनलाइन बात न करें।कार्यक्रम में संस्था की प्रधान पाठिका कल्पना महाजन, प्राथमिक प्रधान पाठक चंदूलाल साहू, तीरथ राम साहू, मिथिलेश कुमार गंजीर, नीलकंठ साहू सहित सभी शिक्षक उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों को जागरूक रहने और अपनी सुरक्षा स्वयं करने का संकल्प दिलाया।

समाचार संक्षेप

हत्या का फरार आरोपी गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 5 अगस्त। भिलाई 2 वर्ष पूर्व हत्या करने के बाद फरार हुए आरोपी को उतई पुलिस ने नागपुर से गिरफ्तार किया है आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है आरोपी को लगातार तकनीकी विश्लेषण, मुखबीर सूचना एवं सतत पुलिस प्रयासों के आधार पर नागपुर महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया गया है आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था जिसे विशेष उतई थाने पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर विधिवत गिरफ्तार किया गया है उतई टीआई मोहन भारद्वाज ने बताया कि पूर्व में हत्या एक प्रकरण में आरोपिया दीप जोत कौर संधू उर्फ निक्की एवं एक अपचारी बालिका को 14 अगस्त 2024 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका था। विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों एवं मेमोरेंडम कथन के आधार पर फरार आरोपी सुमित लालवानी (30 साल) निवासी क्वार्टर नंबर 145 नारा रोड दयानंद पार्क हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी जरी पटका जिला नागपुर की लगातार पुलिस तलाश कर रही थी। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के उद्देश्य लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। इसके लिए विशेष टीम गठित कर तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी का लोकेशन नागपुर में प्राप्त हुआ था। पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

आत्मसमर्पित 95 नक्सलियों के लिए 1.40 करोड़ रुपये से अधिक की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत

बीजापुर, 5 अगस्त। छत्तीसगढ़ शासन की नक्सल उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास की दिशा में जिला प्रशासन बीजापुर ने महत्वपूर्ण पहल की है। कलेक्टर विश्वदीप ने जिले के 95 आत्मसमर्पित नक्सलियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी है। छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत पुनर्वास नीति 2025 के प्रावधानों के अनुसार, हथियारों के साथ आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को मुआवजे के रूप में कुल 1 करोड़ 40 लाख 86 हजार 700 रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह राशि आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से प्रदान की जाएगी।कलेक्टर ने बताया गया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को शासन की पुनर्वास नीति का लाभ दिलाकर उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही, हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए बैंक एकाउंट एवं आधार सीडिंग कराने संशोधन सूचना

बीजापुर 5 अगस्त। आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा जिले के समस्त शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, आईटीआई एवं पालिटेक्नीक संस्थाओ में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों जो विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति के लिए पात्र हैं, और पूर्व में आवेदन कर चुके हैं। शिक्षा सत्र वर्ष 2022-23 एवं 2025-26 बैंक एकाउंट एवं आधार सीडिंग संबंधित संशोधन की कार्यवाही http://postmatric-scholarship.cg.nic.in पर ऑनलाईन की जा रही है। जिसके अंतर्गत ऑनलाईन वेबसाईट पर जिन विद्यार्थियों का बैंक खाता गतल है सुधार करने एवं विद्यार्थियों को आधार सीडिंग कराने हेतु तिथि 10 अगस्त तक निर्धारित की गई है।विद्यार्थियों द्वारा बैंक एकाउंट एवं आधार सीडिंग संबंधी संशोधन पूर्ण कर लेने के बाद संबंधित संस्था/कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग बीजापुर में जमा/सूचित किया जाना है। उक्त तिथि के पश्चात अवसर प्रदाय नहीं किया जायेगा।

आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

कांकेर 5 अगस्त। कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड 6-4 में दिए गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए तालाब में डूबने एवं सर्प काटने से मृत्यु होने के दो प्रकरण में मृतक के निकटतम परिजनों के लिए चार-चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत किए हैं। सरोना तहसील के ग्राम देवरीबालाजी निवासी 84 वर्षीय छतरू राम सलाम की तालाब में डूबने से मृत्यु होने के प्रकरण में उनके निकटतम परिजन नीराबाई, पुष्पाबाई और नीरबत्ती के लिए संयुक्त रूप से चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार अंतागढ़ तहसील के ग्राम सरण्डी के 03 वर्षीय निशिता ध्रुव की सर्प काटने से मृत्यु होने के प्रकरण में उनके परिजन गजेन्द्र ध्रुव के लिए चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। स्वीकृत सहायता राशि का भुगतान संबंधित तहसीलदार के द्वारा हितग्राही के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से किया जाएगा।

लापरवाही पर सहायक ग्रेड-02 की एक वेतन वृद्धि रोकी

बीजापुर, 5 अगस्त। तहसील कार्यालय बीजापुर में पदस्थ सहायक ग्रेड-02 मासाराम कड़ियाम पर शासकीय कार्य में लापरवाही बरतने के मामले में विभागीय कार्रवाई की गई है। कलेक्टर कार्यालय ने उनकी एक आगामी वार्षिक वेतनवृद्धि संचयी प्रभाव से रोकने का आदेश जारी किया है।जांच के दौरान कर्मचारी को आरोप पत्र देकर जवाब मांगा गया था, लेकिन जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया। इसके बाद विभागीय जांच कराई गई, जिसमें दोनों आरोप सिद्ध पाए गए।छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के तहत यह दंड दिया गया है। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर प्रकरण का निराकरण कर दिया गया है।

बीईओ एलएन पटेल के कुशल मार्गदर्शन से खरसिया ब्लॉक ने रचा इतिहास

खरसिया, 5 अगस्त। विकास खण्ड खरसिया के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक उपलब्धि में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रयास आवासीय विद्यालय चयन परीक्षा 2026 और राष्ट्रीय साधन-सह-प्रवीण्य छात्रवृत्ति योजना [illegible] 2026 दोनों में खरसिया ब्लॉक के छात्रों ने जिले में लगभग आधी सीटें अपने नाम की हैं।

1. प्रयास आवासीय विद्यालय चयन परीक्षा 2026- रायगढ़ जिले की कुल 265 सीटों में से खरसिया ब्लॉक के विद्यार्थियों ने 101 सीटों पर सफलता प्राप्त की। छात्रवृत्ति परीक्षा 2026- जिले के लिए आवंटित कुल 208 सीटों में से 106 सीटों पर खरसिया के छात्र सफल हुए।

इस तरह दोनों ही प्रतियोगी परीक्षाओं में खरसिया ब्लॉक ने जिले की 50 प्रतिशत से अधिक सीटों पर कब्जा जमाया।

सफलता का राज- योजना बद्ध तैयारी और मार्गदर्शन इस उपलब्धि का श्रेय विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री एल.एन. पटेल के कुशल मार्गदर्शन और सतत मॉनिटरिंग को दिया जा रहा है।

बीईओ श्री पटेल ने बताया कि इसके लिए पूरे वर्ष विशेष रणनीति अपनाई गई थी।

- प्रत्येक शनिवार को कक्षा 8वीं के विद्यार्थियों के लिए दोनों परीक्षाओं की विशेष कोचिंग कराई जाती थी।
- साथ ही अन्य दिनों में भी स्कूलों में पाठ्यक्रम का अध्यापन इन्हीं परीक्षाओं को ध्यान में रखकर कराया गया।
- पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और तैयारी को लेकर समय-समय पर शिक्षकों और विद्यार्थियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

शिक्षकों की मेहनत रंग लाई..

बीईओ श्री पटेल ने इस सफलता का पूरा श्रेय विकासखण्ड के मेहनती शिक्षकों को दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए अधिकारी का उचित मार्गदर्शन और मैदानी स्तर पर शिक्षकों की मेहनत अत्यंत आवश्यक होती है। खरसिया के शिक्षकों ने इसे साबित कर दिखाया है। खरसिया ब्लॉक के इस शानदार प्रदर्शन से पूरे शिक्षा जगत में बीईओ श्री एल.एन. पटेल और ब्लॉक के शिक्षकों की प्रशंसा हो रही है। शिक्षा विभाग का मानना है कि यह परिणाम ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणा बनेगा।

भुनेश्वर साहू को छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के आईटी सेल प्रकोष्ठ में प्रदेश सह संयोजक की मिली जिम्मेदारी

अंवरी। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के आई.टी. सेल प्रकोष्ठ के विस्तार के तहत भुनेश्वर साहू को प्रदेश सहसंयोजक का दायित्व सौंपा गया है। यह नियुक्ति संगठन की कार्यक्षमता बढ़ाने, डिजिटल सशक्तिकरण तथा समाजहित के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए की गई है। इस अवसर पर भुनेश्वर साहू ने संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू, प्रदेश संयोजक द्वारिका साहू सहित समस्त पदाधिकारियों एवं वरिष्ठजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सहसंयोजक जैसा गरिमामय दायित्व मिलना उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है।

एक नजर

पहले हम शराब को पीते हैं फिर शराब हमें पीने लगती है:मुनि समयप्रभ जी

राजनांदगांव 5 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जैन मुनि श्री समयप्रभ सागर जी ने कहा कि व्यक्ति पहले सोचता है कि वह शराब पी रहा है किंतु बाद में उसे शराब पीने लगती है। उन्होंने कहा कि इससे बचने के लिए हमारे भीतर पचकान (उपवास का संकल्प)लेने का साहस होना चाहिए। पचकान का जीवन में प्रवेश हो तो उससे मत घबराओ, उसे स्वीकार करो और दृढ़तापूर्वक उसका सामना करो। मुनि श्री ने कहा कि पचकान लेने से आत्म शुद्धि होती है। मन में दृढ़ता की भावना आती है और हम व्यसन से मुक्त रह सकते हैं। आज की धर्म सभा को श्रेयांशप्रभ सागर जी ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमें हिंसा से बचना चाहिए। हिंसा कई तरह से होती है। इनमें से एक भाव हिंसा भी है। हम सुबह सोकर उठने से लेकर रात्रि सोते तक अनेकों बार हिंसा कर चुके होते हैं किंतु हम इसका मनन नहीं करते। उन्होंने कहा कि किसी को ठेस पहुंचाना भी हिंसा है। हम कहते हैं कि हम अहिंसक हैं, हम किसी जीव पर हिंसा नहीं करते फिर भी हम भाव से हिंसा कर देते हैं। मुनि श्री ने कहा कि हम पेन लेते हैं और उसे जेब में रखते हैं,यहां तक तो ठीक है किंतु पेन लेते समय यह भाव रहता है कि पेन को देखकर सामने वाले के मन में जलन होगी तो यह भाव हिंसा है। मुनि श्रेयांशप्रभ सागर जी हम अपने द्वारा की गई हिंसा को संस्कारों का नाम देकर बचाना चाहते हैं, किन्तु क्या आप अंतर मन से बोल सकते हैं कि हम यह जानबूझकर नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आवश्यक हिंसा तो ठीक है किंतु अनावश्यक हिंसा से हमें बचाना चाहिए। बच्चों को डांटना आवश्यक है, क्योंकि इसके पीछे उनका भला है। उन्होंने कहा कि किसी को नीचा दिखाने के लिए टोंट मारना हिंसा है।

जिले के सभी शासकीय कार्यालयों को अपनानी होगी प्रीपेड बिजली बिल रिचार्ज प्रक्रिया

बलौदाबाजार, 5 अगस्त। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने मंगलवार को समय -सीमा की बैठक में विभागीय कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने राज्य शासन के निर्देशानुसार सभी शासकीय कार्यालयों मे प्रीपेड बिजली बिल रिचार्ज की प्रकिया जल्द पूरा करने और बकाया विद्युत देयक का 4 समान किश्तो में भुगतान करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री शर्मा ने बताया कि राज्य शासन द्वारा सभी शासकीय कार्यालयों में प्री-पेड स्मार्ट मीटर की स्थापना कर प्री-पेड बिलिंग करने का निर्णय लिया गया है जिसके तहत प्रथम चरण में अगस्त 2026 से विकासखण्ड एवं उच्च स्तर तक के सभी शासकीय कनेक्शनों का स्मार्ट मीटर के माध्यम से प्री-पेड बिलिंग किया जाएगा एवं इसके उपरांत द्वितीय चरण में विकासखण्ड स्तर से निम्न स्तर के कार्यालयों में प्री-पेड बिलिंग का कार्य किया जाएगा।प्री-पेड बिलिंग पद्धति सुचारू रूप से लागू हो, यह सुनिश्चित करने के लिये विभागवार बकाया राशि को फ्रीज कर इस राशि को आगामी 4 तिमाही में समान किश्तों में भुगतान किया जाएगा। प्रीपेड रिचार्ज के लिये विभागवार नोडल अधिकारी एवं राज्य स्तर से नोडल अधिकारी बनाए जाएंगे। उन्होंने 4 विभागों द्वारा जिला बनाए गये नोडल अधिकारियो को अपने कार्यालय का प्रीपेड रिचार्ज तत्काल शुरू करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत समूह की महिलाओं द्वारा हितग्राही पंजीयन व वेंडर सलेक्शन की समीक्षा करते हुए कहा कि महिलाओं को सक्रिय वेंडर की सूची उपलब्ध कराएं ताकि उन्ही वेंडरो का चयन हो जो जल्द सोलर पैनल इंस्टालेशन का कार्य पूरा करते हैं। उन्होंने प्रति सोलर पैनल इंस्टालेशन पर समूह की महिलाओं क वेंडर द्वारा तय पारिश्रमिक का भुगतान कराने के निर्देश दिये। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों के गंभीर कुपोषित कलेक्टर ने ई -ऑफिस के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए राज्य शासन की मंशा अनुसार सभी फाइलो का मूवमेंट एवं पत्राचार शतप्रतिश ई-ऑफिस के माध्यम से करने के निर्देश दिये। उन्होंने बैठक में लंबित राजस्व प्रकरण, सीपी ग्राम्स,मुख्यमंत्री जनदर्शन,सीएम हेल्पलाइन, स्वामित्व योजना,एग्रीस्टेक पंजीयन, सेवा सेतु पोर्टल आदि की समीक्षा की। बैठक में अपर कलेक्टर सुश्री दीप्ति गोते, ए.आर. टंडन,निशा नेताम मड़ावी, सीमा ठाकुर सहित,एसडीएम,जनपद सीईओ एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अधूरे आवासों से वसूली की तैयारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 5 अगस्त। प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 के बीएलसी के पात्र हितग्राही जिन्होने किस्त की राषि लेने के उपरांत भी अपने आवास निर्माण कार्य को आगामी स्तर तक नही पहॅुचाए है उनपर अब प्रषासन देय राषि वसूलने की कार्यवाही कर रही है। नगर पालिक निगम राजनांदगांव में योजना अंतर्गत बी.एल.सी. के तहत 7956 आवासो कि स्वीकृति प्राप्त हुई थी। उस स्वीकृति के विरूद्ध 7804 पूर्ण एवं 152 आवास अलग अलग स्तरो पर षहर के विभिन्न वार्डो में निर्माणाधीन है। इन्ही निर्माणाधीन आवासो में से 145 आवास पिछले चार वर्शो से अपने निर्माण की गति को आगे नही बढ़ाने के कारण निकाय की प्रगति धुमिल भी हो रही है।

राषि लेकर आवास निर्माण कार्य नही करने वाले हितग्राहियो पर अब प्रषासन ने अपना षिकंजा कसना षुरू कर दिया है। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव के निर्देष पर निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम ने विभागीय प्रक्रिया कराकर आवास निर्माण की गति को आगे नही बढ़ाने वाले हितग्राहियो से राषि वसूलने या निर्माण काम मे गति लाने उन्हे नोटिस जारी कर तहसील कार्यालय में उपस्थित होने 145 हितग्राहियो को एक माह के अंतर्गत अलग अलग चरणो में नोटिस प्रदान की जा रही है। इसी तारत्म में प्रथम पेषी दिनांक 3 अगस्त 2026 हेतु 15 हितग्राही तहसील कार्यालय में उपस्थित हुए। जहॉ एस.डी.एम. श्री गौतम चंद पाटिल ने कल दिनांक 3 अगस्त 2026 दिन सोमवार को अपने कार्यालय में योजना का लाभ लेकर लापरवाही बरतने वाले, षासकीय धन का दुरूपयोग करने वाले 15 हितग्राहियो की विषेश पेषी ली और दो टूक षब्दो में उन्हे चेतावनी दी कि आवास निर्माण कार्य में गति लावे या राषि निगम कोश में जमा करे। यदि राषि अन्य कार्यो में खर्च किया तो कडाई से वसूली की जावेगी और संपत्ति की नीलाम की जायेगी।

पेषी के दौरान यह बात सामने आई की बहुत से हितग्राहियो ने प्रथम किस्त की राषि प्राप्त तो कर ली, लेकिन अपने आवास निर्माण कार्य को आगे नही बढ़ा कर अन्य निजी कार्यो में खर्च कर दिया। एसडीएम ने इसे षासकीय राषि का दुरूपयोग मानते हुए सख्त निर्देष दिए है कि दिनांक 20 अगस्त 2026 तक अगर आवास निर्माण स्तर आगे नही बढ़ाते तो इनके विरूद्ध कानुनी कार्यवाही करने कि बात पेषी के दौरान संबंधित हितग्राहियो से की गयी।

आयुक्त श्री मरकाम ने जानकारी दी कि योजना का उद्देष्य निकाय के सभी गरीब जरूरतमंद परिवारो को उनकी स्वमं की भूमि पर पक्का आवास निर्माणा में सहयोग करना है। निकाय स्तर पर 145 ऐसे हितग्राही है जो पिछले 2 से 3 वर्शो से आवास निर्माण कार्य को आगे नही बढ़ा रहे, ऐसे सभी हितग्राहियो को लगातार निकाय स्तर पर समझाईस एंव नोटिस दी गयी पर वे इस पर गम्भीर नही थे। इस कारण अनुविभागीय अधिकारी के माध्यम से नोटिस प्रदान कर लापरवाही करने वाले हितग्राहियो पर ये कार्यवाही की गयी। उन्होने आगे कहा कि षासकीय राषि लोक कल्याण के लिए है ना कि व्यक्तिगत उपयोग हेतु होती है, यदि कोई व्यक्ति इसका गलत उपयोग करता है, तो प्रषासन सख्त कार्यवाही से पीछे नही हटेगी। अनुविभागीय अधिकारी के कार्यालय से नोटिस जारी कर सभी आवास निर्माण कार्य नही करने वाले हितग्राहियो को अंतिम अवसर दिया गया है।

सीएम खेल उत्कर्ष मिशन को 100 करोड़ खेल अधोसंरचना को मिलेगी नई ताकत

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने प्रेस-कॉन्फ्रेंस में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यों की दी जानकारी

रायपुर 5 अगस्त। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने आज प्रेस-कॉन्फ्रेंस में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यों, गतिविधियों, उपलब्धियों तथा आगामी कार्ययोजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ संवाद ऑडिटोरियम में आयोजित प्रेस-कॉन्फ्रेंस में बताया कि छत्तीसगढ़ में खेलों के लिए बेहतर वातावरण तैयार करने, खेल अधोसंरचना की मजबूती, महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने तथा खेल प्रतिभाओं की पहचान के लिए चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। वहीं छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के तहत 57 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान रखा गया है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार और उप संचालक श्रीमती रश्मि ठाकुर भी प्रेस-कॉन्फ्रेंस में मौजूद थीं।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने प्रेस-कॉन्फ्रेंस में बताया कि राज्य में हॉकी लीग के आयोजन की तैयारी चल रही है। राज्य के खेल अकादमियों में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण मुहैया कराने 14 प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण के लिए पटियाला भेजा गया है। उन्होंने बताया कि खेल गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिए राज्य शासन ने 6 नए जिलों गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़-चौकी, सारंगढ़-बिलाईगढ़, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और सक्ती में खेल अधिकारी के पदों का सृजन किया गया है। विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए 44 प्रशिक्षकों, 4 जिला खेल अधिकारियों, 23 सहायक ग्रेड-3 और 8 वार्डन्स की भर्ती प्रक्रियाधीन है।

श्री साव ने बताया कि राज्य में ज्यादा से ज्यादा बच्चे एवं युवा खेल के मैदानों में पहुंचे, इसके लिए सरकार सक्रियता और गंभीरता से काम कर रही है। छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण के समय केवल 4 करोड़ रुपए के बजट वाले खेल एवं युवा कल्याण विभाग का बजट चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में 304 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। दूरस्थ आदिवासी वनांचलों को खेल की मुख्य धारा से जोड़ने की अभिनव पहल करते हुए पिछले दो वर्षों से बस्तर ओलंपिक के आयोजन के साथ ही इस साल से सरगुजा ओलंपिक भी राज्य में शुरु किया गया है। देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की शानदार मेजबानी ने छत्तीसगढ़ को देश के खेल मानचित्र में प्रतिष्ठित किया है।

सौर उद्यमिता पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली सूर्य सखियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर किया गया सम्मानित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 5 अगस्त। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री दुर्गा प्रसाद अधिकारी द्वारा कलेक्टोरेट सभाकक्ष में सौर उद्यमिता पर सफ्लतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली सभी सूर्य सखी दीदियों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सभी सूर्य सखी दीदीयों को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का अधिक से अधिक नागरिकों को जानकारी देने एवं लाभान्वित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में विद्युत विभाग, बैंक एवं एनआरएलएम से अधिकारी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय लघु उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग तथा जिला प्रशासन राजनांदगांव द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत चयनित 90 सूर्य सखियों को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सौर उद्यमिता पर 9 दिवसीय प्रशिक्षण शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (स्टेट हाई स्कूल) राजनांदगांव में दिया गया। सखी संकुल संगठन सोमनी विक्रेता के रूप में पंजीकरण एलडब्ल्यू किया गया है। योजना के तहत सूर्य सखी दीदीयों द्वारा सोलर पैनल विक्रय और इंस्टालेशन का कार्य किया जाएगा।

छग कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन ने किया नवपदस्थ अधिकारियों का स्वागत

बलौदाबाजार, 5 अगस्त। छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन, जिला बलौदाबाजार के प्रतिनिधिमंडल ने जिले के नवपदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी श्री के. एस. मरावी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री खोबन लाल सिन्हा का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

इस अवसर पर फेडरेशन के पदाधिकारियों ने दोनों अधिकारियों को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएँ देते हुए जिले के विकास, शिक्षा व्यवस्था तथा प्रशासनिक कार्यों में कर्मचारी संगठनों के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। साथ ही कर्मचारियों से संबंधित विभिन्न विषयों पर सकारात्मक एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में चर्चा भी हुई। नवागत अधिकारियों ने स्वागत के लिए फेडरेशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिले के समग्र विकास एवं बेहतर प्रशासन के लिए सभी विभागों और कर्मचारी संगठनों के सहयोग से कार्य किया जाएगा। इस स्वागत कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन, जिला बलौदाबाजार के पदाधिकारी डॉक्टर एल,एस धुव अविनाश तिवारी मनोज दुबे माखन चंद्राकर बेनी राम साहू राणजीत कोसले पीके हीरवानी संतोष साहू रमेश लहरी मोतीराम साहू द्वारका कश्यप संजय बाजपेई ललिता नामदेव पंकज सोनी अरुण वर्मा मोहन धीवर सर्वोदय कामता जांगड़े सरोज धि तलाहरे योगेंद्र गेंदरे ज्ञानी सिंग धुरू एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

कुलगाम आतंकी हमले के पीड़ित परिवारों को सरकारी नौकरी दे सरकार : पंकज बांधव

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव,5 अगस्त। अखिल भारत अनुसूचित जाति परिषद के प्रदेश अध्यक्ष पंकज बांधव ने जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में आतंकवादियों द्वारा छत्तीसगढ़ के दो श्रमिकों की हत्या पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवारों के एक-एक सदस्य को शासकीय नौकरी देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि आर्थिक सहायता के साथ-साथ परिवारों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए स्थायी पुनर्वास की दिशा में ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। पंकज बांधव ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि आजीविका के लिए दूसरे राज्यों में काम करने गए निर्दोष श्रमिकों की हत्या अत्यंत दुखद और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि इस घटना में शामिल दोषियों के विरुद्ध त्वरित एवं कठोरतम कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

उन्होंने यह भी कहा कि दोनों दिवंगत श्रमिकों के पार्थिव शरीर उनके परिजनों तक नहीं पहुंच सके, जिससे परिवार अंतिम दर्शन से वंचित रह गए। भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए राज्य सरकार को ऐसी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए, जिससे दूसरे राज्यों में किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में मृतकों के पार्थिव शरीर को सम्मानपूर्वक उनके गृहग्राम तक पहुंचाया जा सके।

पंकज बांधव ने प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर केंद्र और राज्य सरकार की संयुक्त जिम्मेदारी बताते हुए उनके पंजीयन, सुरक्षा, आपातकालीन सहायता और संकट की स्थिति में त्वरित समन्वय के लिए प्रभावी कार्ययोजना लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने बताया कि अखिल भारत अनुसूचित जाति परिषद का प्रतिनिधिमंडल राजनांदगांव कलेक्टर के माध्यम से महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपेगा। ज्ञापन में कुलगाम आतंकी हमले के दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई, पीड़ित परिवारों के एक-एक सदस्य को शासकीय नौकरी, सम्मानजनक पुनर्वास, प्रवासी श्रमिकों के पार्थिव शरीर को उनके गृहग्राम तक पहुंचाने की समुचित व्यवस्था तथा उनकी सुरक्षा के लिए प्रभावी नीति लागू करने की मांग की जाएगी। इसके अलावा, इन मांगों के संबंध में छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग को भी पत्र भेजकर आवश्यक हस्तक्षेप का आग्रह किया जाएगा।

राजनांदगांव-डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन को रायपुर मंडल में शामिल कराने पहल करें सांसद : राजेश कुमार 'चंपू'

राजनांदगांव 5 अगस्त। वरिष्ठ कांग्रेस नेता, बिहार विधानसभा ऑब्जर्वर एवं डोंगरगढ़-बिंद्रानवागढ़ विधानसभा चुनाव प्रभारी राजेश कुमार 'चंपू' ने राजनांदगांव और डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन को नागपुर मंडल से हटाकर रायपुर रेल मंडल में शामिल कराने के लिए सांसद और केंद्रीय नेतृत्व से ठोस पहल करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को केवल विकास कार्यों का श्रेय लेने तक सीमित न रहकर क्षेत्र की लंबे समय से लंबित मांगों को पूरा कराने पर ध्यान देना चाहिए।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में राजेश कुमार 'चंपू' ने कहा कि वर्तमान में राजनांदगांव रेलवे स्टेशन नागपुर रेल मंडल के अधीन होने के कारण क्षेत्र के लोगों को रेल संबंधी छोटे-छोटे कार्यों के लिए भी अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उनका कहना है कि यदि राजनांदगांव और डोंगरगढ़ रेलवे स्टेशन रायपुर मंडल में शामिल हो जाते हैं तो प्रशासनिक कार्यों में तेजी आएगी और आम नागरिकों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

उन्होंने सांसद संतोष पांडे से आग्रह किया कि वे इस मांग को संसद में मजबूती से उठाकर शीघ्र स्वीकृति दिलाने का प्रयास करें। उनका कहना है कि इसके बाद विकास कार्यों का श्रेय लेना अधिक सार्थक होगा। राजेश कुमार 'चंपू' ने मोतीपुर बस्ती स्थित प्रस्तावित रेलवे अंडरब्रिज, रेलवे स्टेशन अंडरब्रिज और गौरी नगर अंडरब्रिज के निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं में हो रही देरी से व्यापारियों, रिक्शा चालकों, ठेला-खोमचा संचालकों और आम नागरिकों को रोजाना कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

चाकू से डराकर लूट करने वाले चार युवक गिरफ्तार,नकदी, मोबाइल और दस्तावेज बरामद

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 5 अगस्त। थाना लालबाग पुलिस ने चाकू की नोक पर लूट की वारदात को अंजाम देने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू, एक्टिवा वाहन, लूटी गई नकदी, मोबाइल फोन तथा आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर तथा नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के मार्गदर्शन में थाना लालबाग पुलिस द्वारा संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, प्रार्थी *राजेन्द्र कुमार साहू (51 वर्ष)*, निवासी दीवानपारा, राजनांदगांव, ऑटो से स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने का कार्य करते हैं। 3 अगस्त को दोपहर करीब 2:10 बजे पेण्ड्री स्थित मंदिर के पास वाहन रोकने के दौरान लाल रंग की एक्टिवा में सवार चार युवकों ने उन्हें घेर लिया। एक आरोपी ने चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी, जबकि अन्य आरोपियों ने उनकी जेब से ?500 नकद, मोबाइल फोन, आधार कार्ड, पैन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस लूटकर फरार हो गए। मामले की विवेचना के दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर *दिगंबर साहू, अजय ठाकुर, सुजल साहू और घनश्याम खरे उर्फ धनशु* को हिरासत में लिया। पूछताछ में चारों ने लूट की वारदात स्वीकार कर ली।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू, एक्टिवा वाहन, लूटी गई ?500 की नकदी, मोबाइल फोन तथा आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज बरामद किए। चाकू के इस्तेमाल को देखते हुए प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता की धारा 311 के साथ आर्म्स एक्ट की धारा 25 एवं 27 के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी आदतन अपराधी हैं और उनके विरुद्ध पूर्व में हत्या, लूट, आर्म्स एक्ट तथा मारपीट जैसे मामलों में भी प्रकरण दर्ज हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक रमेश पटेल, उप निरीक्षक प्रमोद श्रीवास्तव, सहायक उप निरीक्षक ईश्वर यादव एवं अश्वनी यदु, प्रधान आरक्षक रोहित पड़ौती तथा आरक्षक राकेश धुर्वे और कमल किशोर यादव की सराहनीय भूमिका रही।

नगर निगम आयुक्त ने नगर निगम में अधिकारियों को सौंपे अतिरिक्त प्रभार

रायपुर 5 अगस्त। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री संबित मिश्रा ने प्रशासनिक दृष्टिकोण से निगम के कार्यों के सुचारु एवं प्रभावी संचालन के उद्देश्य से आगामी आदेश तक अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपने संबंधी आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार श्रीमती जागृति साहू, उपायुक्त को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग (जाति प्रमाण पत्र) के उपायुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसी प्रकार श्री जसदेव सिंह बाबरा, उपायुक्त को उनके वर्तमान कार्यों के अतिरिक्त सामान्य प्रशासन विभाग के उपायुक्त एवं जोन क्रमांक 2 के चेक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वहीं श्रीमती संगीता साहू, प्रभारी उपायुक्त को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ जनसूचना अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड, राजनांदगांव (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव

✆ 07744-299703 ✉ eeraj-phe-cg@nic.in

// निविदा निरस्तीकरण सूचना //

इस कार्यालय द्वारा आंमत्रित निविदा, निविदा सूचना/सिस्टम क्रंमाक/04/195191, 05/195192, 06/195193 दिनांक 10-07-2026 (जी क्रंमाक 262702070) शून्य निविदा होने के कारण निरस्त किया जाता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड,
राजनांदगांव (छ.ग.)

जी- 262702537/4

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी राजनांदगांव

// निविदा आमंत्रण सूचना पत्र //

क्रमांक/सांसद निधि/2026/2331 राजनांदगांव, दिनांक 30/07/2026

सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत सत्र 2026-27 के आबंटन से 25 शासकीय उच्चतर माध्यमिक शालाओं हेतु चयनित पुस्तकों की सूची अनुसार पुस्तक क्रय करने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। पुस्तकों की सूची एवं निविदा की शर्ते कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी राजनांदगांव से 1000/- जमा करके प्राप्त की जा सकती है। निविदा के साथ धरोहर राशि 25000.00 का बैंक ड्राफ्ट जिला शिक्षा अधिकारी राजनांदगांव के नाम जमा करना अनिवार्य होगा। भरी हुई निविदाएं दिनांक 16 अगस्त 26 को अपरान्ह 1:00 बजे तक कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी राजनांदगांव में निर्धारित सीलबंद पेटी में डाली जा सकती है तथा इसी दिनांक को अपरान्ह 04:00 बजे तक खोली जावेगी। निर्धारित समय एवं तिथि के उपरांत प्राप्त फर्मो पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

(प्रवास कुमार सिंह बघेल)
जिला शिक्षा अधिकारी
राजनांदगांव

जी- 262702529/4

एक नजर

ओडिशा से देश में गांजा की तस्करी रोकने की मांग

रायपुर 5 अगस्त। नहरपारा विकास समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद रमेश आहूजा एवं महामंत्री किशोर आहूजा ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर ओडिशा राज्य से देश के हर प्रदेश में गांजे की तस्करी रोकने की मांग की है। आहूजा द्वय ने कहा कि हमारी समिति ने पूर्व में भी आपको इस संबंध में दो पत्र लिखे हैं जिसमें पहले पत्र पर आपने ओडिशा के एक्साईज कमिश्नर को पत्र लिखकर कार्रवाई का आदेश दिया था ।दूसरे पत्र में हमने ओडिशा के मुख्यसचिव को इस संबंध में पत्र लिखने कहा था परन्तु उस पर अभी तक आदेश नहीं दिया गया है । ओडिशा से देश के अन्य हिस्से में गांजे की तस्करी फिर भी नहीं रूक रही है क्योंकि ओडिशा में अधिकारी ठीक से कार्रवाई नहीं कर रहे है। एक माह में जुलाई से अगस्त के बीच लगभग 10 करोड़ के गांजे की तस्करी पुलिस ने पकड़ी है जो इस प्रकार है । 1 करोड़ 20 लाख जशपुर छ.ग., 25 लाख महासमुंद छग, सुकमा छग सवा करोड़, म.प्र. के रीवा में 3 करोड़, 3.38 किलो रायपुर छग 1 करोड़ का गांजा रायपुर दिनांक 4 अगस्त 26 में पकड़ा गया इस प्रकार साल में 100 करोड़ के गांजे की तस्करी हो रही है। अत: आपसे प्रार्थना है कि ओडिशा सरकार को गांजे की तस्करी पर कड़ी कार्रवाई करने का आदेश दें ताकि तस्करी न हो पाये तथा देश का युवा इसके नशे से बच सके ।

हटकेश्वर महादेव का सहस्त्रधारा अभिषेक आठ को

रायपुर, 5 अगस्त। भोले भंडारी का प्रिय महीना श्रावण मास पर आठ अगस्त को महादेवघाट (खारून नदी) रायपुरा स्थित बाबा हटकेश्वर नाथ मंदिर में शिवलिंग का सहस्त्र धारा से अभिषेक किया जाएगा। छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने बताया कि सहस्त्र धारा व पूजा प्रात: दस बजे से दोपहर 12 बजे के बाद तक चलेगा। शाम तीन बजे साहू भवन महादेवघाट में प्रसादी का कार्यक्रम होगा।

अब विजय बघेल ने खोला अफसरों के खिलाफ मोर्चा

रायपुर 5 अगस्त। छत्तीसगढ़ में सांसद बनाम अफसर विवाद अब और गहरा गया है। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल के बाद अब दुर्ग सांसद विजय बघेल ने भी दो नगर निगम आयुक्तों के खिलाफलोकसभा अध्यक्ष से विशेषाधिकार हनन की शिकायत कर दी है। आरोप है कि अधिकारियों ने फोन तक नहीं उठाया और जनहित के मामलों में सहयोग नहीं किया। विजय बघेल की शिकायत के बाद लोकसभा सचिवालय ने राज्य शासन और संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है। इससे पहले बृजमोहन अग्रवाल ने स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया के खिलाफशिकायत की थी। मामले पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि चुने हुए जनप्रतिनिधियों का अपमान लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफहै।

प्रीमियम टीवी पोर्टफोलियो का विस्तार

रायपुर 5 अगस्त। नए 2026 लाइनअप का मुख्य आकर्षण 292 सेमी (115-इंच) का क्यूएनईडी ईवो मिनी एलईडी फ्लैगशिप टीवी है। इसके अलावा ओएलईडी ईवो, माइक्रो आरजीबी ईवो/मिनी आरजीबी ईवो और नैनो 4ज्ञ यूएचडी सीरीज़ के तहत 25 अल्ट्रा-लार्ज मॉडल लॉन्च किए गए हैं - जो अगली पीढ़ी के बेहतरीन एआई फीचर्स और एआई-संचालित शानदार पिक्चर व साउंड क्वालिटी को सीधे भारतीय घरों तक पहुंचाएंगे। क्यूएनईडी ईवो मिनी एलईडी फ्लैगशिप 292 सेमी (115-इंच) तक पहुंचा: यह भारत में एलजी की अब तक की सबसे बड़ी क्यूएनईडी मिनी एलईडी स्क्रीन है। इसमें डायनामिक क्यूएनईडी कलर प्रो, प्रिसिजन डिमिंग अल्ट्रा और 330हर्ट्ज़ तक मोशन बूस्टर जैसी शानदार तकनीकें शामिल हैं। 25 अल्ट्रा-लार्ज एआई टीवी लॉन्च: चार अलग-अलग डिस्प्ले तकनीकों: क्यूएनईडी ईवो मिनी एलईडी, ओएलईडी ईवो, माइक्रो आरजीबी ईवो/मिनी आरजीबी ईवो, और नैनो 4ज्ञ यूएचडी के तहत कुल 25 बड़े स्क्रीन वाले टीवी लॉन्च किए गए हैं। फ्लैगशिप ओएलईडी ईवो जी6 और सी6 : ये टीवी हाइपर रेडिएंट कलर टेक्नोलॉजी, परफेक्ट ब्लैक और परफेक्ट कलर वेरिफिकेशन के साथ आते हैं। अल्फा 11 एआई प्रोसेसर जेन3 की मदद से ये बेहतरीन ब्राइटनेस और पिक्चर क्वालिटी देते हैं। साथ ही, डॉल्बी विज़न/डॉल्बी एटमॉस और 165हर्ट्ज़ वीआरआर का सपोर्ट इसे गेमिंग और व्यूइंग के लिए शानदार बनाता है।

तिवारी तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के पुन: प्रांताध्यक्ष बने

रायपुर 5 अगस्त। कर्मचारी भवन सप्रे शाला परिसर रायपुर में 2 अगस्त रविवार को छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रांतीय आमसभा की बैठक में संघ के प्रांताध्यक्ष का निर्वाचन किया गया। संघ के वर्तमान प्रांताध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी को पुन: निर्विरोध प्रांताध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गय। इस अधिवेशन में प्रदेश भर से आए संघ के जिला अध्यक्ष, प्रांतीय पदाधिकारी एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। आमसभा में संगठनात्मक मजबूती, कर्मचारियों की समस्याओं एवं संघीय गतिविधियों पर चर्चा की गई।

बाबुओं की नहीं चलेगी मनमानी

शासकीय दफ्तरों में हर तीन साल बाद बदलेगी जिम्मेदारी

रायपुर 5 अगस्त। सालों से एक ही टेबल में डटे कर्मचारियों को हटाया जाएगा। शासकीय कार्यालयों में पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने फिर एक बार अधिकारियों और कर्मचारियों के डेस्क बदलने का नया नियम लागू किया है। सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के अनुसार अब सभी विभागों, कलेक्टर कार्यालयों, संभाग आयुक्त कार्यालयों और अधीनस्थ कार्यालयों में हर तीन वर्ष में डेस्क असाइनमेंट का अनिवार्य रूप से परिवर्तन किया जाएगा। विशेष परिस्थितियों में ही सक्षम अधिकारी की लिखित अनुमति से इस नियम में छूट दी जाएगी।

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। जारी आदेश में कहा गया है कि लंबे समय तक एक ही कार्य-पटल पर कार्यरत रहने से कर्मचारियों का अनुभव सीमित रह जाता है। समय-समय पर कार्य-पटल बदलने से उन्हें विभिन्न प्रकार के शासकीय कार्यों, नियमों और कार्यालयीन प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा, जिससे उनकी कार्यकुशलता और दक्षता में वृद्धि होगी।

आदेश के अनुसार, कार्य-पटल बदलते समय प्रशासनिक आवश्यकता, कार्य की प्रकृति और कार्यालयीन हितों का विशेष ध्यान रखा जाएगा। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी को विशेष परिस्थितियों में उसी डेस्क पर बनाए रखना आवश्यक हो, तो सक्षम प्राधिकारी की लिखित एवं कारणयुक्त अनुमति अनिवार्य होगी। सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागाध्यक्षों और कार्यालय प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि आदेश का समयबद्ध पालन सुनिश्चित करें। साथ ही, डेस्क परिवर्तन से संबंधित सभी अभिलेख कार्यालय स्तर पर संधारित किए जाएंगे। यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

मौजूदा आदेश की व्यवस्था सभी विभागों, कलेक्टर और संभाग आयुक्त कार्यालयों सहित अधीनस्थ कार्यालयों में लागू होगी।

हर तीन वर्ष में अधिकारियों और कर्मचारियों का कार्य-पटल बदला जाएगा। विशेष परिस्थितियों में ही सक्षम अधिकारी की लिखित अनुमति से छूट मिलेगी। आदेश का उद्देश्य कार्यकुशलता, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना है। निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू किए गए हैं।

यूसीसी पर 15 अक्टूबर तक जनता से मांगे गए सुझाव

रायपुर 5 अगस्त। छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश में 'समान नागरिक संहिता' लागू करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। धर्म आधारित व्यक्तिगत कानूनों के स्थान पर सभी नागरिकों को संविधान के एक समान दायरे में लाने के उद्देश्य से एक विशेष 5-सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। इस समिति ने अब आम जनता, विभिन्न संगठनों और हितधारकों से सुझाव एवं अभिमत आमंत्रित किए हैं, ताकि यह तय किया जा सके कि राज्य में आने वाला नया कानून कैसा होना चाहिए।

उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में गठित यह समिति छत्तीसगढ़ में UCC की आवश्यकता, उसकी रूपरेखा तथा व्यक्तिगत सिविल मामलों से जुड़े मौजूदा कानूनों का व्यापक अध्ययन और समीक्षा कर रही है। इस समिति में सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा के श्री शत्रुघ्न सिंह और श्री एम. के. राऊत,वरिष्ठ अधिवक्ता श्री मोहन पवार और सेवानिवृत्त प्राचार्या श्रीमती ज्योति रानी सिंह सदस्य के रूप में शामिल हैं।यह समिति राज्य में समान नागरिक संहिता के कार्यान्वयन से जुड़े सभी विधिक, सामाजिक और प्रशासनिक पहलुओं का गहन अध्ययन कर रही है। इसके प्रमुख दायित्वों में छत्तीसगढ़ की वर्तमान विधिक स्थिति का विश्लेषण करने के साथ-साथ विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार और गोद लेने (दत्तक ग्रहण) जैसे संवेदनशील विषयों पर व्यावहारिक सुझाव तैयार करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, समिति अन्य राज्यों में लागू ष्ट व्यवस्थाओं का विस्तृत अध्ययन करेगी तथा आम नागरिकों, सामाजिक संगठनों, विधि विशेषज्ञों और विभिन्न हितधारकों से प्राप्त सुझावों व अभिमतों को भी ड्राफ्ट में शामिल करेगी। इन समस्त अध्ययनों और सुझावों के आधार पर एक समग्र ड्राफ्ट तैयार कर राज्य सरकार को प्रस्तुत करना और आवश्यक विधायी व प्रशासनिक अनुशंसाएं देना समिति का मुख्य उद्देश्य है। UCC लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बना था। इसके अलावा गोवा, गुजरात, असम और मध्य प्रदेश में भी इसे लागू किया जा चुका है।

अनोखा दिव्यांग तीज मिलन व सम्मान समारोह आज शाम

रायपुर, 5 अगस्त। सिविल लाइन स्थित वृंदावन हॉल में आज शाम 5 बजे दिव्यांग बहनों (मूक-बधिर, दृष्टिहीन व विकलांग) के साथ तीज मिलन उत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर सम्मान समारोह का भी आयोजन किया जाएगा। दिव्यांग बच्चों के लिए मनोरंजन व स्वल्पाहार की व्यवस्था रहेगी। इस अनोखे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल रमन डेका होंगे। महापौर श्रीमती मीनल चौबे, बाल आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा तथा भागीरथ छग राज्य के अध्यक्ष व छग स्वाभिमान संस्थान के संस्थापक डॉ. उदयमान सिंह चौहान बतौर अतिथि मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम पांच बजे होगा। जो रात्रि नौ बजे तक चलेगा। आप्टे परिवार ने उपस्थिति की अपील की है।

शंकराचार्य आश्रम को दो गायें दान

रायपुर 5 अगस्त। गौ माता ही कलयुग में एकमात्र साधन है जो हमें जीवन भर ऊर्जा देकर पालती है वहीं दूसरे लोक में जाने पर वैतरणी पार करा सभी कष्टों से मुक्ति दिलाती है। उक्त बातें दंडी स्वामी डॉ इंदुभवनंद जी महराज ने श्री शंकराचार्य आश्रम में चातुर्मास पर सरयूपारीण ब्राह्मण सभा के वरिष्ठ सदस्य लक्ष्मण मिश्रा द्वारा गौ दान के अवसर पर कही। सरयूपारीण ब्राह्मण सभा के वरिष्ठ सदस्य एवं युवा इकाई के अध्यक्ष बैद्यनाथ मिश्रा के पिता लक्ष्मण मिश्रा ने दो हृष्ट पुष्ट गौ माता को श्री शंकराचार्य आश्रम बोरिया कला द्वारा स्थापित किए जा रहे गौ सेवा केंद्र में दंडी स्वामी डॉ इंदुभवनंद जी महराज को संकल्प ले दोनों गौ माता की पूजा अर्चना कर फल गुड मिष्ठान खिला दान किया। इस अवसर पर बोरिया कला आश्रम के प्रमुख व्यवस्थापक एवं गौ आश्रम के संचालक मदन मोहन उपाध्याय डॉ सुरेश शुक्ला अध्यक्ष सरयूपरिण ब्राह्मण सभा एवं पदाधिकारी राजेंद्र शर्मा, प्रमोद शर्मा,प्रवीण चौबे , विजयधर दीवान, शिवम् त्रिपाठी,आषीश मिश्रा अंकुश शुक्ला,चन्द्रशेखर द्विवेदी , एवं लक्ष्मण मिश्रा के परिजन हर्ष मिश्रा, श्रषि मिश्रा, सीमा मिश्रा, शशि मिश्रा आस्था मिश्रा, आन्या मिश्रा उपस्थित थे।

3200 करोड़ के शराब घोटाले में अनवर ढेबर को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

रायपुर 15 अगस्त। छत्तीसगढ़ में सबस2 ज्यादा चर्चे में रहने वाला शराब घोटले मामले में आरोपी अनवर ढेबर को बड़ी राहत मिली है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अंतरिम जमानत दे दी है। हालांकि यह जमानत कई शर्तों के साथ मिली है। जानकारी के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने अनवर ढेबर को राज्य से बाहर रहने समेत अन्य शर्तों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। अनवर ढेबर शराब घोटाला मामले में मुख्य आरोपियों में शामिल हैं।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना: लंबित ऋण प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश

रायपुर 5 अगस्त। प्रधानमंत्री स्वनिधि (पीएम स्वनिधि) योजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा पात्र पथ विक्रेताओं को समय पर ऋण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रायपुर नगर निगम में बुधवार को विभिन्न बैंकों के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा ने की। उन्होंने बैंक प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि योजना के अंतर्गत लंबित सभी ऋण प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करते हुए पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध ढंग से ऋण स्वीकृत एवं वितरित किया जाए।

बैठक में उपायुक्त (पीएम स्वनिधि) डॉ.अंजलि शर्मा,मिशन मैनेजर (पीएम स्वनिधि) तथा विभिन्न राष्ट्रीयकृत एवं निजी बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान बैंकवार लंबित नवीन ऋण आवेदनों,प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय ट्रेंच के स्वीकृत लेकिन वितरण लंबित प्रकरणों तथा अन्य तकनीकी एवं प्रशासनिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। आयुक्त संबित मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है,जिसका उद्देश्य रेहड़ी-पटरी और फुटपाथ पर व्यवसाय करने वाले छोटे व्यापारियों को बिना किसी परेशानी के कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि योजना का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा जब पात्र हितग्राहियों को समय पर ऋण उपलब्ध हो और उन्हें बैंकिंग प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब का सामना न करना पड़े।

उन्होंने बैंक अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन प्रकरणों में दस्तावेज पूर्ण हैं,उनका तत्काल परीक्षण कर ऋण स्वीकृत किया जाए। जिन मामलों में किसी प्रकार की त्रुटि या दस्तावेजों की कमी है, उनमें नगर निगम के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूरी कराई जाएं,ताकि कोई भी पात्र पथ विक्रेता योजना के लाभ से वंचित न रहे।

बैठक में बैंकवार लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने प्रत्येक बैंक की प्रगति का मूल्यांकन किया और लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम और बैंकिंग संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर ही योजना के लक्ष्यों को समय पर पूरा किया जा सकता है। समीक्षा बैठक में प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय ऋण ट्रेंच से संबंधित लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि योजना के अंतर्गत पहले ऋण का समय पर भुगतान करने वाले हितग्राहियों को अधिक राशि का दूसरा तथा तीसरा ऋण उपलब्ध कराया जाता है,जिससे वे अपने व्यवसाय का विस्तार कर सकें। इसलिए समय पर ऋण वितरण और पुनर्भुगतान की प्रक्रिया को भी सुचारु बनाए रखने पर बल दिया गया।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि नगर निगम और बैंक नियमित अंतराल पर समीक्षा बैठक आयोजित करेंगे,जिससे लंबित मामलों की लगातार निगरानी की जा सके और किसी भी प्रकार की प्रशासनिक या तकनीकी बाधा का त्वरित समाधान किया जा सके।

नगर निगम द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत रायपुर नगर निगम क्षेत्र में अब तक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय ट्रेंच मिलाकर कुल 32,656 पथ विक्रेताओं को लाभान्वित किया जा चुका है। इन हितग्राहियों को अब तक 51 करोड़ 79 लाख रुपये की ऋण राशि वितरित की जा चुकी है। इससे हजारों छोटे व्यवसायियों को अपने कारोबार को पुनः स्थापित करने और विस्तार देने में आर्थिक सहायता मिली है।

अधिकारियों ने बताया कि योजना के माध्यम से न केवल पथ विक्रेताओं को आसान ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है,बल्कि उन्हें डिजिटल लेन-देन के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

एलजी की अल्ट्रा-लार्ज मिनी एलईडी की पहल

रायपुर 5 अगस्त। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने आज अपने 2026 एआई टीवी लाइनअप की घोषणा की है, जिसमें अल्ट्रा-लार्ज स्क्रीन और मिनी एलईडी तकनीक को इसकी प्रीमियम टेलीविज़न रणनीति के केंद्र में रखा गया है। चूंकि भारतीय उपभोक्ता तेजी से ओटीटी स्ट्रीमिंग, लाइव स्पोर्ट्स और गेमिंग के लिए बड़ी स्क्रीन की ओर रुख कर रहे हैं, इसलिए एलजी की क्यूएनईडी ईवो मिनी एलईडी रेंज इस लॉन्चिंग का मुख्य आकर्षण है। इसमें 292 सेमी (115-इंच) का फ्लैगशिप मॉडल शामिल है, जो एलजी द्वारा भारतीय बाज़ार में अब तक पेश की गई सबसे बड़ी मिनी एलईडी स्क्रीन है। एलजी की 2026 टीवी रेंज में चार डिस्प्ले तकनीकों - क्यूएनईडी ईवो मिनी एलईडी, ओएलईडी ईवो, माइक्रो आरजीबी ईवो / मिनी आरजीबी ईवो, और नैनो 4ज्ञ यूएचडी के तहत 25 अल्ट्रा-लार्ज (190 सेमी (75-इंच) और उससे अधिक) मॉडल शामिल हैं। ये भारतीय घरों के लिए बेहतरीन पिक्चर क्वालिटी, इंटेलिजेंट पर्सनलाइज़ेशन, शानदार साउंड और बेहतरीन गेमिंग अनुभव का संयोजन पेश करते हैं।

एलजी के नेक्स्ट-जेनरेशन एलसीडी टीवी पेश: माइक्रो आरजीबी ईवो एआई और मिनी आरजीबी ईवो एआई को पेश किया गया है, जो टीयूवी राइनलैंड के हाई प्योरिटी आरजीबी स्पेक्ट्रम डिस्प्ले सर्टिफिकेशन द्वारा प्रमाणित उच्च-शुद्धता वाले रंग प्रदान करते हैं। एलजी का प्रीमियम टीवी अनुभव हर स्क्रीन तक: 2026 का लाइनअप फ्लैगशिप ओएलईडी टीवी से लेकर एंट्री-लेवल 81 सेमी (32-इंच) एफएचडी/एचडी मॉडल्स तक डॉल्बी एटमॉस साउंड और एडवांस एआई अनुभव लेकर आता है। स्मार्ट और सुरक्षित अनुभव: सभी मॉडल वेबओएस प्लेटफॉर्म पर चलते हैं।

बीजेपी नेता कर रहे बीएसपी में लोहा चोरी: चरणदास महंत

रायपुर 5 अगस्त। भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) में सामने आए संगठित लोहा चोरी के मामले को लेकर छत्तीसगढ़ की राजनीति गरमा गई है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बीएसपी में लंबे समय से चल रही चोरी की घटनाएं किसी सामान्य आपराधिक गतिविधि का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि इसके पीछे एक संगठित नेटवर्क सक्रिय है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार बीएसपी को कमजोर कर उसके निजीकरण का रास्ता तैयार कर रही है और संयंत्र को भीतर से खोखला किया जा रहा है।

डॉ. महंत ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र जैसे देश के महत्वपूर्ण सार्वजनिक उपक्रम में इतने बड़े स्तर पर चोरी होना कई सवाल खड़े करता है। उनका कहना है कि यदि किसी सरकारी संस्थान में लगातार करोड़ों रुपये का लोहा चोरी हो रहा है तो यह बिना अधिकारियों, सुरक्षा एजेंसियों और प्रभावशाली लोगों की मिलीभगत के संभव नहीं हो सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले में कुछ भाजपा नेताओं, स्थानीय पुलिस, बीएसपी के अधिकारियों और कारोबारियों का गठजोड़ सामने आ रहा है, जिसकी निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह जानना जरूरी है कि इतने लंबे समय तक चल रही इस चोरी को संरक्षण किस स्तर से मिला। उनके अनुसार केवल निचले स्तर के लोगों पर कार्रवाई कर मामले को समाप्त नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि पूरे नेटवर्क का खुलासा होना चाहिए और इसमें शामिल सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अब तक हुई गिरफ्तारियां इस बात का संकेत हैं कि मामला काफी गंभीर है। उनका दावा है कि बीएसपी के वरिष्ठ अधिकारियों की गिरफ्तारी भी इस पूरे प्रकरण की गंभीरता को दर्शाती है।

अमेज़न पे के साथ ग्रेट फ्रीडम सेल में ढेरों ऑफर्स का लाभ

रायपुर 5 अगस्त। अमेज़न पे ने आज ग्रेट फ्रीडम सेल 2026 (7 से 12 अगस्त) के दौरान खरीदारी, यात्रा और रोजमर्रा के भुगतान के लिए कई विशेष ऑफर्स की घोषणा की है। इन ऑफर्स का उद्देश्य ग्राहकों को अमेज़न डॉट इन पर खरीदारी के दौरान ज्यादा बचत के साथ आसान और किफायती भुगतान विकल्प उपलब्ध कराना है। इस सेल के दौरान अमेज़न पे के जरिए ग्राहकों को फ्लाइट बुकिंग पर 21% तक की छूट, होटल बुकिंग पर 60त्न तक की बचत, अमेज़न पे आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड पर 5त्न कैशबैक, पे-इन-3 के माध्यम से 1,500 रुपये से अधिक की खरीदारी पर बिना ब्याज तीन किस्तों में भुगतान और यूपीआई व मोबाइल रिचार्ज पर कैशबैक का लाभ मिलेगा। अमेज़न इंडिया ने घोषणा की है कि उसकी ग्रेट फ्रीडम सेल 2026 आगामी 7 अगस्त को रात 12:00 बजे से लाइव हो जाएगी। इस सेल में स्मार्टफोन, फैशन, ब्यूटी, होम, किचन, बड़े इलेक्ट्रॉनिक अप्लायंसेज, ग्रोसरी और रोज़मर्रा की ज़रूरतों सहित कई कैटेगरी में,ढ्ढ द्वारा चुने गए उत्पाबदोंकी एक विस्तृत रेंज मिलेगी। यह सेल सभी कैटेगरी में भारतीय ब्रांड्स और स्थानीय कारीगरी को भी बढ़ावा देती है।ग्राहक सैमसंग, सोनी, एलजी, शाओमी, टीसीएल,प्यूमा, सेटाफिल, अमेरिकन टूरिस्टर, नेस्टोरिया लिविंग, पिंटोला, डेटॉल और हिमालया जैसे टॉप ब्रांड्स पर शानदार डील्स का लाभ उठा सकते हैं।

सावन की कांवड़ यात्रा आस्था का उत्सव: पारवानी

रायपुर 5 अगस्त। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य श्री अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन श्री जितेन्द्र दोशी, श्री विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष श्री परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन श्री सुरिन्दर सिंह, श्री जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री श्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेन्द्र जग्गी, श्री वासु माखीजा, श्री राम मंधान, श्री भरत जैन, श्री राकेश ओचवानी एवं श्री शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि सावन का पावन महीना केवल भगवान शिव की भक्ति और आध्यात्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह देश की ग्रामीण, कुटीर और पारंपरिक अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा प्रदान करने वाला एक विशाल आर्थिक अभियान भी है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने कहा कि कांवड़ यात्रा से जुड़ा कांवड़ निर्माण उद्योग आज लाखों लोगों की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार बन चुका है और यह भारत की सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ आर्थिक सशक्तिकरण का भी सशक्त माध्यम है। संगठन कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य श्री अमर पारवानी ने कहा कि उत्तराखंड सरकार के अनुसार हाल के वर्षों में हरिद्वार कांवड़ यात्रा में लगभग 4.5 करोड़ श्रद्धालुओं की भागीदारी दर्ज की गई है, जबकि झारखंड सरकार के अनुसार देवघर के विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले में प्रतिवर्ष 50 से 55 लाख श्रद्धालु पहुंचते हैं।

धान बेचने के नियम बदलने से किसानों को राहत

धान खरीदी के लिए केवल केंद्र सरकार के एग्री स्टैक पोर्टल में पंजीयन अनिवार्य

रायपुर 5 अगस्त। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा बदलाव किया है। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान बेचने के लिए किसानों को अब राज्य सरकार के एकीकृत किसान पोर्टल पर अलग से पंजीयन कराने की आवश्यकता नहीं होगी। धान खरीदी के लिए केवल केंद्र सरकार के एग्री स्टैक पोर्टल में पंजीयन अनिवार्य किया गया है। खाद्य विभाग ने इस संबंध में सभी कलेक्टरों, खाद्य संचालक और अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। सबसे बड़ी राहत यह है कि अब सोसायटियों में भी एग्री स्टैक पंजीयन की सुविधा मिलेगी।

एग्री स्टैक में पंजीयन कराने के लिए सोसाइटी के ऑपरेटरों का लॉग इन आईडी और पासवर्ड दिया जाएगा, ताकि किसान को पंजीयन के लिए भटकना न पड़े। साथ ही एक ही स्थान पर काम हो जाए। विभाग के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2026-27 में धान बेचने के लिए किसानों का रकबा सिर्फ एग्री स्टैक पोर्टल पर दर्ज डिजिटल क्रॉप सर्वे में दिखने वाले रकबे को ही मान्य किया जाएगा। जिन किसानों ने पिछले सीजन में धान नहीं बेचा और जिनके पास एग्री स्टैक फार्मर आईडी व किसान कोड नहीं है, उन्हें पहले पोर्टल पर पंजीयन कराना होगा। इसके बाद समिति या उपार्जन केंद्र में जाकर जमीन के खसरे का विवरण, बैंक डिटेल और नॉमिनी की जानकारी ऑनलाइन सोसाइटी मॉड्यूल में दर्ज करानी होगी। यह काम समिति द्वारा किया जाएगा।जानकारी के मुताबिक, प्रदेश में करीब 28 लाख से अधिक किसान पहले से एग्री स्टैक पोर्टल पर पंजीकृत हैं। अब भी लाखों की संख्या में किसान छूटे हुए हैं, इनके पास पंजीयन कराने के लिए 31 अक्टूबर तक का समय है।

एग्री स्टैक केंद्र सरकार की डिजीटल कृषि पहल है, जिसके तहत किसानों का एकीकृत डिजिटल डेटाबेस तैयार किया जा रहा है। इसमें किसान की पहचान, भूमि रिकॉर्ड, फसल और अन्य कृषि संबंधी जानकारी एक प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहती है। इसका उद्देश्य सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र किसानों तक पहुंचाना और कृषि सेवाओं को पारदर्शी बनाना है।

छात्राओं की सुरक्षा और सम्मान से कोई समझौता नहीं: बोरा

रायपुर 5 अगस्त। आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने गत दिवस विभागीय योजनाओं और कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि विभाग का लक्ष्य केवल अधोसंरचना निर्माण तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि छात्र-छात्राओं को सुरक्षित, संवेदनशील, गुणवत्तापूर्ण और प्रेरणादायी वातावरण उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बैठक में कहा कि छात्रावास में रहने वाली छात्राओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वास्थ्य और शिक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधीक्षकों को प्रशिक्षण के दौरान विशेष रूप से छात्राओं के साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार करने के भी प्रशिक्षण देने के सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, मानसिक स्वास्थ्य, परामर्श और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी भी गंभीरता से निभाई जाए।

समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव श्री बोरा ने कहा कि राज्य में वर्ष 2027 तक 450 नए आश्रम एवं छात्रावास भवन तैयार किए जाएंगे। जिससे दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों के लाखों विद्यार्थियों को बेहतर आवासीय एवं शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी छह माह में 150 आश्रम-छात्रावास भवनों का निर्माण हर हाल में पूरा किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को समय पर आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने बैठक में आश्रम-छात्रावासों में लगभग 1000 पोषण वाटिका उपवन माह सितम्बर तक पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्य में धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर की। बैठक में सांस्कृतिक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए प्रमुख सचिव श्री बोरा ने जनजातीय गौरव दिवस, राज्योत्सव तथा अन्य प्रमुख आयोजनों की तैयारियां अभी से प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26